RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 10 अंक 109
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 24 फरवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

दो महीने बाद देश के लिए खेलना अच्छा अहसास

स्पोर्ट्स-12

यूक्रेन संकट और गहराया, यूरोप के रुख से टकराव बढ़ने के आसार

● अमेरिका, ब्रिटेन ने रूस पर लगाए कई प्रतिबंध

एपी। कीव

यूक्रेन में रूस समर्थक उग्रवादियों के आधिपत्य वाले क्षेत्र डोनेटस्क में गुजरते हुए सेना के ट्रक

यूरोप ने बुधवार को जिस तरह का रुख अपनाया उससे टकराव और बढ़ने के आसार लग रहे हैं तथा यूक्रेन ने अपने नागरिकों से रूस छोड़ने का आग्रह किया। मॉस्को ने यूक्रेन से राजनयिक कर्मियों को निकालना शुरू कर दिया है। रूस के नेता व्लादिमीर पुतिन को अपने देश के बाहर सैन्य बल का उपयोग करने की हरी झंडी मिल गई और अमेरिका, ब्रिटेश सहित कई पश्चिमी देशों ने इसका जवाब कई तरह के प्रतिबंध लगाकर दिया है। विनाशकारी युद्ध से कूटनीतिक तरीके से बाहर निकलने की उम्मीदें दिखाई तो दे रही थीं, लेकिन वे सभी असफल प्रतीत हुईं।

अमेरिका और प्रमुख यूरोपीय सहयोगियों ने मास्को पर यूक्रेन अलगाववादी क्षेत्रों में रूसी सैनिकों के प्रवेश को एक लाल रेखा को पार करना बताया- कुछ देशों ने इसे एक आक्रमण कहा। शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने अपने रूसी समकक्ष के साथ बैठक रद्द कर दी, कीव ने अपने राजदूत को वापस बुला लिया और मास्को के साथ सभी राजनयिक संबंधों को तोड़ने पर विचार किया। जर्मनी ने एक आकर्षक पाइपलाइन सौदे पर रोक लगा दी और अमेरिका ने रूस की सीमा से लगे नाटो के पूर्वी हिस्से में अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया। हफ्तों तक शांति की कोशिश के बाद, यूक्रेनी अधिकारियों ने बुधवार को बढ़ती चिंता बढ़ती के संकेत दिए। विदेश मंत्रालय ने रूस की यात्रा के खिलाफ परामर्श जारी किया और यह कहते हुए वहां से लोगों के निकलने की सिफारिश की कि मास्को की आक्रामकता से वाणिज्यिदूत संबधी सेवाओं में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के प्रमुख ने देश भर में आपातकाल की स्थिति का आह्वान किया जो संसदीय अनुमोदन के अधीन है।

ओलेक्सी डेनिलोव ने कहा कि यह क्षेत्रीय अधिकारियों पर निर्भर करेगा कि वे कौन से उपाय लागू करें, लेकिन वे सार्वजनिक सुविधाओं के लिए अतिरिक्त सुरक्षा, यातायात पर प्रतिबंध और अतिरिक्त परिवहन और दस्तावेज़ जांच शामिल कर सकते हैं। युद्ध के खतरे ने यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को पहले से ही चौपट कर दिया है। भले ही संघर्ष ने एक नया, खतरनाक मोड़ ले लिया है, नेताओं ने चेतावनी दी कि यह और भी खराब हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के तीन ओर जमा 1,50,000 सैनिकों के बल को आगे बढ़ने (शेष पेज 9)

यूक्रेन पर भारत के रुख की रूस ने की सराहना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत के साथ समय की कसौटी पर खरे उतरे संबंधों को रेखांकित करते हुए रूस ने बुधवार को भारत के स्वतंत्र रुख और विश्व मामलों में संतुलित दृष्टिकोण की सराहना की है। यह विचार दोनों देशों भारत और रूस के विशेष एवं विशेषाधिकार गठजोड़ को प्रदर्शित करता है। रूसी मिशन के उप प्रमुख रोमन बाबुश्किन की यह टिप्पणी भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आपातकालीन सत्र में मंगलवार को अपनी स्थिति स्पष्ट करने की पृष्ठभूमि में आई है।

बाबूश्किन ने कहा ने भारत एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और उसने वैश्विक मामलों में स्वतंत्र एवं संतुलित रुख अख्तियार किया है। मीडिया को ऑनलाइन संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हम भारत के स्वतंत्र रुख का स्वागत करते हैं जो उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दो बार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारतीय गतिविधियां हमारे विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त सामरिक गठजोड़ के महत्व को पूरी तरह प्रदर्शित करता है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दोनेत्स्क और लुहान्स्क जन गणराज्य की स्वतंत्रता को मान्यता देने के आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद क्षेत्र में तनाव और रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने की आशंका बढ़ गई है। पुतिन ने रूसी सैनिकों की वहां तैनाती के आदेश भी दिए हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सोमवार को सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की। उसने सभी देशों के वैध सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए तनाव समाप्त करने को तात्कालिक प्राथमिकता बताया। भारत ने कहा है कि इसका मकसद क्षेत्र और उससे परे दीर्घकालिक शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा (शेष पेज 9)

महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक धन शोधन मामले में गिरफ्तार

● ईडी सुबह घर से ले गई और पूछताछ के बाद हिरासत में लिया

● विशेष अदालत ने तीन मार्च तक के लिए हिरासत में भेजा

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

मुंबई में प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नवाब मलिक

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक कार्य मंत्री नवाब मलिक को बुधवार को धन शोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया। यह जांच, भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और मुंबई अंडरवर्ल्ड में उसके सहयोगियों की गतिविधियों से संबद्ध है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता मलिक (62) को दोपहर तीन बजे से कुछ समय पहले हिरासत में लिया गया और उन्हें धन शोधन मामलों की सुनवाई करने वाली एक विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन मार्च तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया।

हिरासत में लिए जाने से पहले मलिक से दक्षिण मुंबई के बलार्ड एस्टेट इलाके में ईडी के दफ्तर में करीब छह घंटे तक पूछताछ की गई। उन्हें जांच एजेंसी सुबह करीब आठ बजे वहां लेकर आई थी। मलिक ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कर्मियों और स्थानीय पुलिस की सुरक्षा के साथ एक वाहन से एजेंसी के अधिकारियों द्वारा मेडिकल जांच के लिए ले जाए जाने से पहले मुट्ठी दिखाई, मुस्कुराए और इंतजार कर रहे मीडिया कर्मियों की ओर हाथ लहराकर अभिवादन किया। उन्होंने वाहन के अंदर से मीडिया से कहा कि हम लड़ेंगे और जीतेंगे। हम, सबको बेनकाब कर देंगे। अधिकारियों ने बताया कि उनका बयान धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज किया गया और इन्हीं प्रावधानों के तहत मलिक को गिरफ्तार किया गया है क्योंकि अपने जवाब में वह टाल-मटोल कर रहे थे। बताया जाता है कि मुंबई विस्फोटों के दोषियों के कुछ संपत्ति संबंधी सौदों से मलिक का कथित (शेष पेज 9)

याद रखें 2024 के बाद आपकी भी जांच होगी: संजय राउत

मलिक के कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा कि आज सुबह ईडी नवाब मलिक साहेब के आवास पर आई। वे साहेब को अपने वाहन में ईडी कार्यालय ले गए। अधिवक्ता अमीर मलिक, साहेब के बेटे उनके साथ हैं। कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा कि न डरेंगे, न झुकेंगे। 2024 के लिए तैयारी करें। शिवसेना सांसद संजय राउत ने संवाददाताओं से कहा कि मलिक को ईडी उनके आवास से लेकर गई है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह महाराष्ट्र सरकार के लिए एक चुनौती है। केंद्रीय एजेंसियां जांच के लिए स्वतंत्र हैं। गड़े मुर्दे उखाड़े जा रहे हैं लेकिन आपको याद रखना चाहिए 2024 के बाद आपकी भी जांच होगी।

उप्र में खूब पड़े वोट, मतदाताओं ने दिखाया उत्साह

चौथा चरण

● नौ जिलों की 59 सीटों पर 61.65 प्रतिशत हुआ मतदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ में एक केंद्र पर वोट डालने के लिए पंक्तिबद्ध मतदाता

उप्र में विधानसभा चुनाव के चौथे चरण में मतदाताओं ने जमकर वोटिंग की है। इस चरण में करीब 62 प्रतिशत मतदान हुआ है। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का उत्साह दिखा। सुबह से ही बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतारें थीं। इस चरण में तराई से लेकर अवध क्षेत्र में मतदान हुआ है। योगी सरकार के कई कैबिनेट मंत्रियों की भी किस्मत ईवीएम में कैद हो गई।

अवध क्षेत्र के नौ जिलों की 59 सीटों पर 624 उम्मीदवार मैदान में हैं जिनकी किस्मत का फैसला ईवीएम में कैद हो गया है। चौथे चरण में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए 860 कंपनी अर्धसैनिक सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में इन नौ जिलों में कुल 55.31 प्रतिशत मतदान हुआ था जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में 58.24 प्रतिशत वोट पड़े थे। उत्तर प्रदेश में बांदा जिले के नरैनी विधानसभा क्षेत्र के दशरथ पुरवा गांव में मवेशियों की समस्या से त्रस्त ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। बहिष्कार की सूचना पर मुख्य विकास अधिकारी वेद प्रकाश मौर्य, परगना मज्‍िट्रेट नरैनी राजेंद्र सिंह तत्काल दशरथपुरवा गांव पहुंचे जहां काफी देर तक समझाने के बाद भी ग्रामीण मतदान के लिए राजी नहीं हुए। लखनऊ में 60 प्रतिशत मतदान हुआ है। पिछले दो विधान सभा चुनावों में करीब दो फीसदी वोट प्रतिशत बढ़ा।

2017 के चुनाव में राजधानी का मतदान प्रतिशत 58.45 रहा था। इसके पहले 2012 में यह 56.50 था। दोनों में 1.95 फीसदी का अंतर रहा। 2019 के लोकसभा चुनावों में राजधानी में 57.68 फीसदी मतदान हुआ था। इस बार कोविड की तीसरी लहर ऐन (शेष पेज 9)

लद्दाख सीमा पर यथास्थिति में बदलाव मंजूर नहीं: जयशंकर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी लद्दाख सीमा की यथास्थिति में बदलाव या क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को एकतरफा तौर पर बदलने के किसी भी प्रयास के लिए भारत सहमत नहीं होगा। एलएसी विवाद पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि गतिरोध पर चीन के साथ भारत पूरी स्पष्टता के साथ बातचीत कर रहा है। जयशंकर ने पेरिस में एक विचार मंच में संवाद सत्र के दौरान कहा कि वह बातचीत के माध्यम से इस मुद्दे को हल किए जाने को लेकर आशावादी हैं और दोनों पक्षों के सैन्य कमांडरों के बीच बातचीत के बाद टकराव वाले कई बिंदुओं को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि हम पूरी तरह से स्पष्ट हैं कि भारत यथास्थिति में किसी भी बदलाव के लिए सहमत नहीं होगा। इसलिए यह कितना ही (शेष पेज 9)

मायावती ने अमित शाह को धन्यवाद दिया

● केंद्रीय गृह मंत्री ने बसपा की प्रासंगिता को बरकरार बताया था

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को उम्मीद जताई कि उनकी पार्टी वर्ष 2007 में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की उपलब्धि दोबारा हासिल करेगी और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के सरकार बनाने के तमाम ख्वाब धरे के धरे रह जाएंगे। बसपा अध्यक्ष ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके उस बयान के लिए धन्यवाद किया जिसमें उन्होंने बसपा की प्रासंगिकता बरकरार रहने का जिक्र किया था।

मायावती ने वोट डालने के बाद संवाददाताओं से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि आगामी 10 मार्च को जब विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होंगे तब बसपा वर्ष 2007 की ही तरह पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। मुस्लिम मतदाताओं का सपा को समर्थन मिलने के अखिलेश यादव के दावे के बारे में पूछे जाने पर मायावती ने कहा कि गांव जाकर आप वास्तविकता का आकलन कर सकते हैं। धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर मुस्लिम वर्ग के लोग समाजवादी पार्टी की कार्यप्रणाली से बहुत नाराज हैं।

उनमें से ज्यादातर का मानना है कि वे पिछले पांच वर्षों के दौरान सपा के साथ रहे लेकिन जब टिकट बंटवारे का वक्त आया तो उसने उन सीटों पर दूसरों को टिकट दे दिया, जहां पर वे वर्षों से काम कर रहे थे। आखिर मुस्लिम मतदाता ऐसी पार्टी को वोट क्यों देंगे जिससे वे खुश ही नहीं हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा एक साक्षात्कार में बसपा की प्रासंगिकता बरकरार रहने संबंधी बयान के बारे में पूछे गए एक सवाल पर मायावती ने कहा कि यह उनकी महानता है कि वह सच को स्वीकार कर रहे हैं। मैं उन्हें यह भी कहना चाहती हूं कि उत्तर प्रदेश में बसपा को न सिर्फ दलितों और मुसलमानों बल्कि अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अगड़ी जातियों के भी वोट मिल रहे हैं। शाह पिछले दिनों एक साक्षात्कार में कहा था, बसपा ने अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी है। हमारा मानना है कि उसे वोट मिलेंगे, मुझे नहीं पता कि वह कितनी सीटें पाएगी, लेकिन उसे वोट जरूर मिलेंगे।

इस सवाल पर कि क्या वह सोचते हैं कि जाटव वोट बैंक बसपा के साथ है, शाह ने यह भी कहा था कि बहुत सारी सीटों पर मुसलमान भी बसपा का सहयोग करेंगे। इस बार जाटव वोट में सेंध लगाने के सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के दावों के बारे में मायावती ने कहा कि जाटवों का वोट हासिल करना एक सपना ही रहेगा। अखिलेश को पहले तो यह सोचना चाहिए कि उन्हें अपनी यादव बिरादरी का ही पूरा वोट मिल रहा है या नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश, नकली अंबेडकरवादी हैं। हमें याद है कि उन्होंने किस तरह से दलित गुरुओं और महापुरुषों के नाम पर बनाए गए जिलों और योजनाओं के नाम (शेष पेज 9)

सुप्रीम कोर्ट ने गंगूबाई काठियावाड़ी फिल्म का नाम बदलने की दी सलाह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बॉलीवुड फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के खिलाफ कई मामले लंबित होने का जिक्र करते हुए निर्माता को सुझाव दिया कि फिल्म का नाम बदलने पर विचार करें। आलिया भट्ट अभिनीत यह फिल्म इस शुक्रवार को रीलिज होगी। फिल्म का निर्माण भंसाली प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने किया है, जो संजय लीला भंसाली की कंपनी है। न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी की पीठ ने प्रोडक्शन हाउस सहित प्रतिवादियों को फिल्म का नाम बदलने का सुझाव दिया। पीठ ने बाबूजी रावजी शाह की याचिका की सुनवाई का फैसला करते हुए आदेश दिया कि 24 फरवरी के लिए बोर्ड के शीर्ष पर सूचीबद्ध किया जाए। खुद के गंगूबाई का दत्तक पुत्र होने का दावा कर रहे शाह ने बंबई उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ शीर्ष न्यायालय में अपील की है, जिसमें फिल्म की रिलीज पर अंतरिम रोक लगाने सहित उन्हें विभिन्न राहत देने से इनकार कर दिया गया था।

बाजार

सेंसेक्स	57,232	↓ 68	
निफ्टी	17,063	↓ 28	
सोना	49,960	↑ 126	/10g
चांदी	63,939		/kg

क्विक न्यूज

कोविड-19 के मरीजों की संख्या में गिरावट जारी

नई दिल्ली। भारत में गत एक दिन में कोविड-19 के 15,102 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,28,67,031 हो गई। पिछले 17 दिन से दैनिक मामलों की संख्या एक लाख से कम है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,64,522 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में 278 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 5,12,622 हो गई। देश में अभी 1,64,522 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.38 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 16,553 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.42 प्रतिशत हो गई है।

हिजाब विवाद निपटने तक ड्रेस कोड का पालन करें सभी छात्र

● कर्नाटक हाईकोर्ट ने किया स्पष्ट- हिजाब से संबंधित अंतरिम आदेश केवल छात्रों तक सीमित

पायनियर समाचार सेवा। बेंगलुरु

हिजाब विवाद की सुनवाई कर रहे कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि मामले के निपटारे तक स्कूलों और कॉलेजों द्वारा निर्धारित ड्रेस का पालन किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रितु राज अवस्थी ने कक्षाओं में हिजाब पहनने की अनुमति मांगने वाले याचिकाकर्ताओं में से एक के वकील मोहम्मद ताहिर से कहा कि हम यह स्पष्ट कर रहे हैं कि चाहे डिग्री कॉलेज हों या पीयू कॉलेज, यदि वर्दी निर्धारित की गई है तो इसका पालन तब तक करना होगा जब तक मामला अदालत में लंबित है।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि हिजाब से संबंधित अंतरिम आदेश केवल छात्रों तक ही सीमित है। उच्च न्यायालय ने यह बात तब कही जब उडुपी के याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए एक वकील ने बताया कि शिक्षिकाओं को भी स्कूल में अपना हेडस्कार्फ हटाने को कहा गया है।

अधिवक्ता ताहिर ने पीठ से अपने अंतरिम आदेश पर स्पष्टता का आग्रह करते हुए कहा कि हर संस्थान अदालत के आदेश का हवाला देते हुए छात्रों को कॉलेज से बाहर धकेल रहा है। मुख्य न्यायाधीश अवस्थी, न्यायमूर्ति जे एम खाजी और न्यायमूर्ति कृष्णा एस दीक्षित की पूर्ण पीठ हिजाब मामले की प्रतिदिन सुनवाई कर रही है और इस सप्ताह के अंत तक इसे पूरा करने की बात स्पष्ट की है।

मेट्रो में फोन पर अलर्ट- *आपका स्टेशन आ गया*

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● डीएमआरसी की नई वेबसाइट व ऐप में यात्रा से लेकर सुविधाओं तक हर जानकारी मिलेगी ऑनलाइन

मेट्रो में अक्सर यात्री मोबाइल पर व्यस्त हो जाने, भूलवश या नींद की झपकी के कारण अपने स्टेशन पर नहीं उतर पाते और वे गन्तव्य से आगे निकल जाते हैं। अब ऐसा नहीं होगा। डीएमआरसी ने राजधानी की भागदौड़ भरी जिंदगी में इस समस्या का समाधान खोज लिया है। अब जैसे ही आपका स्टेशन नजदीक आएगा, तो आपके मोबाइल पर अलर्ट आ जाएगा। मेट्रो में आम लोगों का सफर आसान एवं आरामदायक बनाने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने एक वेबसाइट और मोबाइल एप लांच कर कई नई सुविधाओं को जोड़ा है।

स्टेशन का अलर्ट फीचर उसी हालत में काम करेगा जब मोबाइल पर जीपीएस ऑन होगा। डीएमआरसी की इस नई वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन पर इंटरएक्टिव रूट मैप, एडवांस स्टेशन सर्च ऑप्शन, रियल टाइम फर्स्ट एंड लास्ट ट्रेन केलकुलेटर, आने वाले स्टेशन व नजदीकी स्टेशन का अलर्ट जैसी विशेषताएं मुहैया कराई गई हैं। डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. मंगू सिंह ने बुधवार को मेट्रो भवन में नई वेबसाइट व एप को जारी किया। वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन को वायरस अटैक से भी सुरक्षित बनाया गया है। एंड्रॉयड और एप्पल जैसे सभी तरह के मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए उपयुक्त यह एप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। वहीं दिल्ली मेट्रो की वेबसाइट द्विभाषी भी है, जिसमें सभी फीचर आसान तरीके से हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध होंगे। पहली बार मेट्रो की वेबसाइट और एप सूचनाओं के आदान-प्रदान में एक-दूसरे से रियल-टाइम में जुड़े रहेंगे, जिससे दोनों प्लैटफॉर्म पर एक साथ सूचनाएं अपडेट हो सकेंगी। ट्रेनों का परिचालन, यात्री किराया, समय-सारणी आदि जानकारी जहां पहले स्थायी दिखती थीं। वहीं अब रोजाना अपडेट की जा सकेंगी। मेट्रो स्टेशनों के फोन नंबर के अलावा नजदीकी पुलिस स्टेशनों के नंबर भी वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। इंटरएक्टिव मैप के माध्यम से यात्रा प्लान वेबसाइट और मोबाइल एप पर यात्रियों के लिए इंटरएक्टिव मैप फीचर की व्यवस्था की गई (शेष पेज 9)

शहर से अनजान पर्यटकों के लिए खास सुविधा

शहर में आने वाले पर्यटक अब परेशान नहीं होंगे। उन्हें किसी से कुछ पूछने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। मोबाइल एप और वेबसाइट में एक टूर गाइड भी है, जिसमें शहर के प्रमुख लैंडमार्क, ऐतिहासिक स्थलों एवं ट्रांसपोर्ट हब जैसे रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों एवं आईएसबीटी की जानकारी है। इसमें प्लान योर जर्नी फीचर भी है, ताकि यात्री किसी स्थान विशेष से नजदीकी मेट्रो स्टेशन के रूट की जानकारी ले सकें। नजदीकी स्टेशन से प्रत्येक ऐतिहासिक स्थल तक पहुंचने का संभावित समय भी इसमें दिया गया है।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 24 फरवरी 2022

गौतमबुद्धनगर के उद्यमियों को बड़ी राहत

सीएनजी जनरेटर में बदलने पर 50 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी

जिले की 12 हजार से अधिक इकाइयों को मिलेगा लाभ

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

जिला उद्योग केंद्र ने उद्यमियों की मांग पर डीजल जनरेटर को सीएनजी में परिवर्तित करने पर सब्सिडी देने का निर्णय ले लिया है। उद्यमियों परिवर्तन करने पर आने वाले खर्चे पर 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी। जिसके लिए जिला उद्योग केंद्र ने मांग पर सर्कुलर जारी करके उन्हें सरकार की योजना से अवगत कराया है।

गौतमबुद्धनगर जिले में 16 हजार से अधिक छोटी-बड़ी उद्योग इकाइयां हैं। प्रदेश सरकार ने तकनीकी उन्नयन योजना के अंतर्गत उद्यमियों को डीजल जनरेटर को सीएनजी जनरेटर में परिवर्तन करने के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी देने निर्णय ले लिया है। जिसमें से 12 हजार से अधिक इकाइयां इस सब्सिडी का लाभ उठा सकेंगे। इन सभी 12 हजार आदमियों ने अपनी जरूरत के हिसाब से 10 से 1000 किलोवाट तक के डीजल जनरेटर लगा रखे हैं।

प्रदूषण बढ़ने की वजह से उद्यमियों को सर्दियों के समय में डीजल जनरेटर बंद करने पड़ते हैं। जिससे उद्यमियों को काफी दिक्कतों का सामना और आर्थिक नुकसान भी सहन करना पड़ता है। ऐसे में एक बार फिर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सभी उद्यमियों से उनके औद्योगिक इकाइयों में चल रहे डीजल जनरेटर को सीएनजी जनरेटर में परिवर्तित करने के लिए 30 सितंबर 2022 तक का समय दिया है। इसके बाद डीजल जनरेटर पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

एनईए के अध्यक्ष विपिन मल्हन ने बताया कि 100 किलोवाट के डीजल जनरेटर को सीएनजी जनरेटर में परिवर्तन करने के लिए 6 से 7 लाख रुपए का खर्चा आता है। जिसके बाद उद्यमियों ने डीजे जनरेटर को सीएनजी जनरेटर में परिवर्तित करने के लिए सब्सिडी की मांग की थी। उद्यमियों की मांग को मानते हुए जिला उद्योग केंद्र ने 50 प्रतिशत सब्सिडी देने का निर्णय किया है।

स्कूलों में आज से शुरू होगी वार्षिक परीक्षा

गाजियाबाद। जिले के स्कूलों में नौवीं और 11वीं कक्षा के बच्चों की वार्षिक परीक्षाएं गुरुवार से शुरू हो रही हैं। वार्षिक परीक्षाओं के साथ ही लगभग सभी स्कूलों में प्रयोगात्मक परीक्षाएं भी होंगी।

बता दें कि शासन की ओर से सभी स्कूलों को वार्षिक परीक्षा, प्रयोगात्मक परीक्षा और प्री बोर्ड परीक्षा कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद अधिकांश स्कूलों में गुरुवार से वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। तय समय सीमा में स्कूलों को वार्षिक परीक्षाएं संपन्न करानी हैं, जिसके लिए सभी स्कूलों ने पहले ही तैयारी कर ली थी। वहीं, आठवीं तक की परीक्षाएं 28 फरवरी से शुरू होंगी। महर्षि दयानंद विद्यापीठ की शिक्षिका अनुराधा वर्मा ने बताया कि विद्यालय में नौवीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षाएं गुरुवार से शुरू हो रही हैं, वहीं आठवीं तक की परीक्षा 28 फरवरी से होगी।

अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच हुई तेज

विजिलेंस ने ट्विन टॉवर मामले में प्राधिकरण ऑफिस में 8 घंटे तक खंगाली हजारों फाइल

● 11 अफसरों के खिलाफ शासन को भेजी रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर-93ए स्थित सुपरटेक एमरॉल्ड कोर्ट सोसाइटी में बने अवैध ट्विन टावरों को गिराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। श्रमिकों को बुलाकर बिल्डिंग में हथोड़ा चलना प्रारंभ हो गया है तो दूसरी तरफ इस प्रकरण में अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए विजिलेंस टीम ने भ्रष्टाचार पर दर्ज केस की जांच शुरू कर दी है।

गठित की गई टीम लगभग 8 घंटे तक जरूरी दस्तावेज खंगाल कर नोएडा प्राधिकरण के 11 अधिकारियों के खिलाफ रिपोर्ट शासन को भेज दिया है। इसमें कुल 30 नामजद है। सुप्रीम कोर्ट इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रही है।

बता दें उच्चतम न्यायालय ने 31 अगस्त 2021 को ट्विन टावर गिराने के साथ-साथ इनके बनने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई के आदेश दिए थे। इस मामले में सीईओ, एसीईओ और वित्त नियंत्रक जैसे आला अधिकारी भी आरोपी पाए गए थे। इनकी नियुक्ति शासन स्तर से प्राधिकरण में होती है, ऐसे में शासन स्तर से ही संबंधित अधिकारियों को आरोप पत्र जारी किए जाएंगे। जांच के लिए आई टीम कुछ फाइलों की कॉपी भी साथ ले गई है। कुछ और जानकारियों के बारे में अगले दौरे पर आने से पहले तैयार करने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

प्राधिकरण में तैनात रहे जिन अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ एफ आईआर हुई है उसमें से अधिकतर कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं।

जांच कर रही टीम ने इस मामले में शासन के निर्देश पर नोएडा प्राधिकरण ने योजना और सिविल विभाग के 11 अधिकारियों के खिलाफ जांच के बाद रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक इस रिपोर्ट में ऋतुराज व्यास, एके मिश्रा, राजपाल कौशिक, त्रिभुवन सिंह, वी, देवपुजारी सहित अन्य अधिकारी के नाम शामिल हैं। इन 11 में से सात अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जबकि चार कार्यरत हैं। ये कार्यरत अधिकारी भी निलंबित चल रहे हैं।

लुटेरी दुल्हन की बहन निकली फर्जी पत्रकार

आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, कई लोगों को लगाया लाखों रुपए का चूना

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

आपने सुना होगा कि लुटेरी दुल्हन शादी करने के बाद ससुराल का सारा माल लेकर फरार हो जाती है, लेकिन आज हम आपको ऐसी ही एक दुल्हन की कहानी सुनाएंगे जो शादी करने के बाद एकदम नहीं बल्कि धीरे-धीरे माल को लुटती है। यह दुल्हन काफी समय से गाजियाबाद में रह रही थी और अपने आपको पत्रकार बताती थी। कुछ दिनों पहले इस युवती ने सीआरपीएफ जवान के साथ लाखों रुपए की ठगी की थी। जिसके बाद पीड़ित ने गाजियाबाद पुलिस को लिखित शिकायत दी और पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी युवती को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया है।

पुलिस अधीक्षक नगर द्वितीय ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि सीआरपीएफके जवान इंद्रवीर सिंह की फेसबुक के माध्यम से पूजा नामक एक युवती से दोस्ती हुई दोनों के बीच चैटिंग शुरू हुई। पूजा ने खुद को साहिबाबाद का लोकल पत्रकार बताया था। सीआरपीएफ जवान को अपने बच्चों का केंद्रीय विद्यालय साहिबाबाद में एडमिशन दिलवाना था। उन्होंने पूजा से रेंट एग्रीमेंट और घरेलू गैस कनेक्शन बनवाने की बात कही थी। कुछ समय बाद सीआरपीएफ जवान गाजियाबाद रेलवे स्टेशन आया और यहां पर उसकी एक युवती से मुलाकात हुई। युवती ने सीआरपीएफ जवान से अपना नाम पूजा बताया था। पूजा के साथ एक अन्य युवती मोना भी थी। सीआरपीएफ जवान सुरेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि पूजा उसको लाजपत नगर स्थित अपने घर ले गई। वहां पर रेंट एग्रीमेंट के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक की कॉपी और दो पासपोर्ट साइज के फोटो लिए थे। इस दौरान पूजा ने सुरेंद्र कुमार के बैंक खाते में 2,500 रुपए जमा भी कराए थे। सुरेंद्र कुमार रात को पूजा के घर में भी रुक अगली सुबह अपने घर बुलंदशहर चले गए। सुरेंद्र कुमार ने बताया कि कुछ समय बाद वह फिर से छुट्टी पर पूजा के पास आए थे। पूजा ने उनको रेंट एग्रीमेंट और गैस कनेक्शन की कॉपी देने के लिए अपने घर बुलाया था। वहां पर पूजा की मां नीलम उर्फ नीलम शर्मा, भाई शिवम और सचिन मिले। आरोप है कि सुरेंद्र कुमार को चाय-नाश्ता में कुछ नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया था और दो कागजों पर हस्ताक्षर कराए थे। जिसके बाद आर्य समाज मंदिर दिल्ली में पूजा ने सुरेंद्र कुमार के साथ फर्जी शादी कराई और फोटो खींचे। स्थिति सामान्य होने पर वह घर चले गए। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत देते हुए बताया कि उसके बाद पूजा उन्हें ब्लैकमेल करने लगी। उनके गृह जनपद स्थित घर पहुंची और दो लाख रुपये मांगे। वीडियो और फोटो वायरल करने की धमकी दी।

बदमाश ने महिला से लूटे जेवर, फरार

नोएडा। बदमाशों ने मंगलवार को नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन की भाभी से लूटपाट की। दिनदहाड़े वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। पूरी घटना वहा लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाश की तलाश कर रही है।

मोहल्ला बेना रोड जेवर निवासी चंद्र प्रकाश अग्रवाल की पत्नी पूनम अग्रवाल मंगलवार शाम जेवर के मोहल्ला चामडवाला स्थित चामड मंदिर पर रोजाना की तरह पूजा करने जा रही थीं। मंदिर से करीब 50 मीटर की दूरी पर एक बदमाश ने पूनम अग्रवाल के गले से सोने की चेन और कानों से कुंडल लूट लिए। वारदात को अंजाम देकर बदमाश आसानी से फरार हो गया।

संक्षिप्त समाचार

आत्महत्या की घटना के बाद जांच करने पहुंची पुलिस की टीम।

तमंचे से गोली मारकर युवक ने दी जान

गाजियाबाद। कविनगर थाना क्षेत्र के राजनगर सेक्टर-9 में एक युवक के आत्महत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचना विभोर शर्मा 26 पुत्र राजीव शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार विभोर ने कनपटी पर तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या की है। आत्महत्या से पहले विभोर ने देर रात करीब 2.00 बजे परिजनों को मोबाइल पर मैसेज डाला और अपने घर से निकल गया। विभोर ने मैसेज में माई लाइफइज एंड लिखा था। परिजनों के मुताबिक वह बीते काफी समय से सुसाइड करने की बात कर रहा था। अभी हाल ही में उसकी नौकरी गुरुग्राम में लगी थी और यहां उसे शुक्रवार ज्वाइन करना था। परिजन यह समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर विभोर ने ये कदम क्यों उठाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

क्षतिग्रस्त पेयजल पाइपलाइप ठीक करने पहुंची टीम

गाजियाबाद। पिछले पांच दिनों से पेयजल समस्या से जूझ रहे कड़कड़ मॉडल के निवासियों को जल्द राहत मिलने वाली है। बुधवार को जलकल विभाग की टीम क्षतिग्रस्त पेयजल पाइपलाइन को ठीक करने पहुंची। वहीं, लोगों को टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही है। कड़कड़ मॉडल में नगर निगम नाले के निर्माण के लिए खुदाई करा रहा है। इस दौरान शनिवार को पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। इस कारण निगम वहां पर पानी के टैंकर भेजकर आपूर्ति करा रहा था। पानी की परेशानी झेल रहे लोगों ने मंगलवार को नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन कर नगर आयुक्त से इस प्रकरण की शिकायत की थी। इसके बाद पेयजल लाइन को दुरुस्त कराया जा रहा है। नगर निगम के जल कल विभाग के अवर अभियंता सोमेंद्र तोमर का कहना है कि क्षतिग्रस्त पेयजल पाइपलाइन को ठीक कराया जा रहा है। आवश्यकता के अनुसार पानी के टैंकर भेजे जा रहे हैं।

रिश्तेदारों ने की बच्ची से दरिंदगी

गाजियाबाद। मुरादनगर की एक कॉलोनी में रिश्तेदारों की घिनौनी और शर्मनाक करतूत सामने आई है। यहां आरोपियों ने 10 साल की एक बच्ची को घर में बुलाकर उससे सामुहिक दुष्कर्म किया और उससे मारपीट की। इस घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने थाने में तहरीर दी जिसके बाद पुलिस ने बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजकर छानबीन शुरू कर दी है।

जेवर-झाझर रोड को गूगल मैप से हटाया

नोएडा। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विकास कार्यों में रुकावट पैदा करने वाली हर चीज को हटाया जा रहा है। चाहे फिर वह कोई मार्ग हो या फिर कोई भी गांव हो। अब एयरपोर्ट के विकास कार्यों में बांधा बन रहे जेवर झाझर रोड को हटा दिया गया है। ना केवल उस रोड को बंद कर दिया गया, बल्कि गूगल मैप से भी हटा दिया गया है। अब उसके स्थान पर दो अन्य मार्ग गूगल मैप पर दर्शाए जा रहे हैं।

आपको बता दें कि यह रास्ते उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, गाजियाबाद और हरियाणा के मेवात, फरीदाबाद, गुड़गांव, पलवल व अलीगढ़ के लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं। यूपी से हरियाणा जाने के लिए हजारों लोग रोजाना इस मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। यह रास्ता मुगलकाल से चलता आ रहा है।

गूगल मैप जेवर से झाझर तक पहुंचने के लिए दो मार्ग दिखा रहा है। दोनों मार्गों के बीच करीब 5 किलोमीटर का अंतर है। रबूपुरा से जेवर-झाझर जाने वाला रास्ते की चौड़ाई कम है। जिसके कारण दिक्कतें हो सकती हैं।

स्वरोजगार के लिए महिलाओं को ऋण का इंतजार

बैंकों की लापरवाही के कारण वर्षों से लटकी हैं फाइलें

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण के बाद भी स्वरोजगार के लिए ऋण नहीं मिल रहा है। कई वर्ष से 105 समूहों की फाइल बैंकों में अटकी हुई हैं। समूह की महिलाएं विभाग के चक्कर काट रही हैं, लेकिन अधिकारी और बैंकों की लापरवाही से लोन की फाइल स्वीकृत नहीं हो पा रही हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जाता है। अब तक जिले में करीब 1500 समूहों का गठन किया जा चुका है। समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, लेकिन शासन के आदेश के बाद भी बैंकों की मनमानी के कारण समूह की महिलाओं को ऋण नहीं मिल पा रहा है। जिले के 105 स्वयं सहायता समूह ऐसे हैं, जो स्वरोजगार के लिए बैंकों से ऋण मिलने का इंतजाम कर रहे हैं। महिलाएं जब भी शिकायत लेकर विभाग में जाती हैं तो अधिकारी ऋण दिलवाने का आश्वासन देकर वापस घर भेज देते हैं। शासन की ओर से इस योजना के लिए नोडल एजेंसी ग्राम्य विकास विभाग को बनाया गया है। छह साल से ज्यादा समय से ऋण के आवेदन लंबित पड़े हुए हैं, लेकिन अभी तक बैंकों ने लोन की फाइल स्वीकृत नहीं की हैं।

मुख्य विकास अधिकारी अस्मिता लाल ने बताया कि जिले के 13 निजी और सरकारी बैंक ऐसे हैं, जिनमें समूहों की फाइलों का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। यहां तक कि आवेदनों में बैंकों ने जो भी त्रुटि बताई थी, उन्हें ठीक करा दिया गया था। लोन स्वीकृति के लिए बैंकों को कड़े निर्देश दिए गए हैं।

सड़क जामकर जुलूस निकालते हिंदू संगठनों से जुड़े लोग।

बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या मामले में किया प्रदर्शन

हिंदू संगठनों ने सड़क जामकर निकाला जुलूस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बजरंग दल के कार्यकर्ता हर्षा हत्याकांड की आग नोएडा तक पहुंच गई है। बुधवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के नेताओं ने नोएडा की सड़क पर उतरकर खूब हंगामा किया। हिंदू संगठन के नेताओं ने नोएडा की सड़क से डीएम ऑफिस तक जुलूस निकाला है।

इस दौरान सैकड़ों की संख्या में हिंदू संगठन के लोग मौजूद रहे। हिंदू संगठन की मांग है कि हर्षा हत्याकांड के आरोपियों को फांसी की सजा दी जाए। इसको लेकर हिंदू संगठन गृह मंत्री अमित शाह के नाम डीएम को ज्ञापन सौंपने आए हैं।

प्रदर्शन करते समय हिंदू संगठन के नेताओं ने कहा कि हर्षा हत्याकांड के आरोपियों को फांसी की सजा दी जानी चाहिए। इसके अलावा पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता देनी चाहिए। इस दौरान हर्षा के हत्यारों को गोली मारो और हिंदू एकता जिंदाबाद के नारे लगाए गए। दरअसल, बीते रविवार को कर्नाटक के शिमोगा में बजरंग दल कार्यकर्ता हर्षा की हत्या कर दी गई थी। हर्षा हत्याकांड की वजह अभी तक साफ नहीं हो पाई है। हिंदू संगठन से जुड़े कार्यकर्ता की हत्या होने के बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।

एलिवेटेड रोड पर भारी वाहनों की आवाजाही होगी बंद

● लो हाइट बैरियर बैरियर लगाएगा प्राधिकरण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

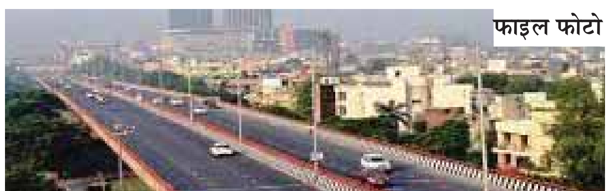
फाइल फोटो

नोएडा एमपी-2 मार्ग पर बने एलिवेटेड रोड पर भारी वाहनों का प्रवेश रोका जाएगा। इसके लिए एलिवेटेड रोड पर लो हाइट बैरियर लगाने की तैयारी की जा रही है। जिसके लिए यातायात पुलिस के रोड सेफ्टी सेल की टीम जल्द ही सर्वे करेगी। अगर सर्वे में कोई समस्या सामने नहीं आती है, तो जल्द ही नोएडा प्राधिकरण के द्वारा यहां पर लो हाइट बैरियर लगवाए जाएंगे।

यह एलिवेटेड रोड सेक्टर-18 से 60 तक बना हुआ है। इस रोड से यात्री नोएडा से होते हुए दिल्ली और गाजियाबाद के बीच भी यात्रा करते हैं। फिलहाल यहां पर छोटे से लेकर बड़े वाहन तक सभी चलते हैं। सभी तरीके के वाहनों के चलने से एलिवेटेड रोड पर दुर्घटना होने का खतरा बढ़ गया है। साथ ही भारी वाहनों के ज्यादा संख्या में चलने से रोड को भी नुकसान हो रहा है। जिसे देखते हुए एलिवेटेड रोड पर बाहरी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी। इसके लिए एलिवेटेड रोड पर लो हाइट बैरियर लगाए जाएंगे। जिसके लिए सर्वे होगा। सर्वे की रिपोर्ट आने के बाद ही प्राधिकरण के माध्यम से यहां लो हाइट बैरियर लगाए जाएंगे। एलिवेटेड रोड पर लो हाइट बैरियर लगाने को लेकर कई संगठनों ने प्राधिकरण और पुलिस के अधिकारियों से मांग की है।

रोड पर बैरियर सेक्टर-18 और 60 दोनों तरफ लगाए जाएंगे। जिसके बाद से बाहर ही वाहन एलिवेटेड रोड के नीचे से होते हुए सेक्टर-60ए गिझौड़ चौराहा, सेक्टर.31.25 चौराहा और सेक्टर.30 जिला अस्पताल के सामने से होते हुए जा सकेंगे।

पूर्व क्रिकेटर की पत्नी को कोर्ट ने दी राहत

● आरती सहवाग की गैर जमानत वारंट रिकाल अर्जी स्वीकार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग की पत्नी आरती सहवाग को गौतमबुद्धनगर जिला न्यायालय ने ढाई करोड़ से जुड़े मामले में राहत दे दी है। पिछले काफी समय से आरती सहवाग गैर जमानती वारंट पर थी। मंगलवार को जिला न्यायालय ने आरती सहवाग के गैर जमानती वारंट की रिकॉल अर्जी स्वीकार कर ली है।

आरती सहवाग के वकील वीरेंद्र नागर ने बताया कि आरती सहवाग 5 जुलाई 2019 से लगातार कोर्ट से अनुपस्थित चल रही थी। न्यायालय ने आरती सहवाग के खिलाफगैर जमानती वारंट जारी किए थे। मंगलवार को न्यायालय में आरती सहवाग ने खुद उपस्थित होकर गैर जमानती वारंट रिकॉल कराने की अर्जी दी। अदालत ने आरती सहवाग को हिदायत देते हुए अर्जी स्वीकार कर ली है।

आरती सहवाग के वकील ने बताया कि लखनपाल प्रमोटर्स एंड बिल्डर कंपनी ने दिल्ली के अशोक विहार स्थित एसएमजीके एग्रो प्रोडक्ट कंपनी के पास रुपए जमा कराकर वर्क आर्डर दिया था, लेकिन एसएमजीके कंपनी यह आर्डर पूरा नहीं कर सकी।

इसके बाद एसएमजीके कंपनी को लखनपाल प्रमोटर्स को राशि वापस करनी थी। जिसके लिए एसएमजीके ने लखनपाल प्रमोटर्स को ढाई करोड़ रुपए का चेक दे दिया। जानकारी के मुताबिक जैसे ही लखनपाल प्रमोटर्स ने बैंक में चेक लगाया तो वह बाउंस हो गया था। इसके बाद लखनपाल प्रमोटर्स ने एसएमजीके को कानूनी नोटिस भेजा, लेकिन उसका भी जवाब नहीं दिया गया।

इसके बाद लखनपाल प्रमोटर्स ने न्यायालय की शरण ली और एसएमजीके की एमडी प्रभा कक्कर के साथ साझेदार आरती सहवाग आदि के खिलाफ एनआई एक्ट के तहत जिला न्यायालय में वाद दायर करवाया था।

शहर में विजय जुलूस निकालने पर रहेगी रोक

गाजियाबाद। दस मार्च को मतगणना के बाद विजयी जुलूस पर रोक रहेगी। विजयी प्रत्याशी धूम धड़ाका किए बिना ही सीधे अपने घर जाएंगे। विजयी जुलूस निकालने वालों पर आचार संहिता के उल्लंघन का मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। मतगणना वाले दिन गोविंदपुरम मंडी में कड़ी सुरक्षा रहेगी।

गाजियाबाद की पांचों विधानसभा सीट पर पहले चरण में चुनाव हुए हैं। गोविंदपुरम स्थित नवीन मंडी में निगरानी के लिए प्रशासन की तरफसे सीसीटीवी कैमरे भी लगाए हैं। स्ट्रांग रुम पर सख्त सुरक्षा है। पुलिस के अलावा प्रशासनिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रशासन मतणगना वाले दिन की तैयारी में जुटा है।

सीएचसी में 4 साल बाद भी नहीं लगे फायर फाइटिंग सिस्टम

योजना में सिर्फ 40 फीसदी ही हुआ है काम, अब तक खर्च हो चुके हैं 48 लाख रुपए

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

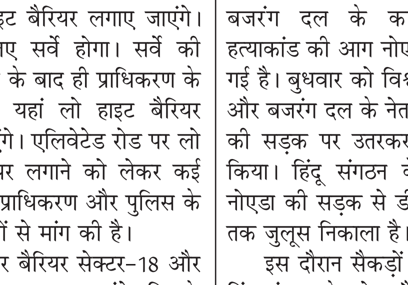

जिले की चार सीएचसी मोदीनगर, मुरादनगर, रजापुर और लोनी में चार साल से फायर फाइटिंग सिस्टम लगाने की प्रक्रिया चल रही है। 48 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं। फिर भी आग बुझाने के उपकरण अभी नहीं लगे हैं। काम 40 फीसदी ही हुआ है। फायर फाइटिंग सिस्टम लगाने के लिए 2018 में 96 लाख रुपये मंजूर किए गए थे।

फायर विभाग ने सीएमओ को जून 2021 में एक रिपोर्ट भेजी थी। उसमें कहा था कि 14 सरकारी अस्पतालों में फायर फाइटिंग सिस्टम अपग्रेड नहीं है। इससे आगजनी होने पर बड़ा हादसा हो सकता है। संयुक्त अस्पताल प्रबंधन ने अपर निदेशक विद्युत को मई और जून 2021 में पत्र लिखकर फायर फाइटिंग सिस्टम को अपग्रेड कराने की मांग की थी, इसके साथ ही शासन को पत्र लिखा था। अभी तक उस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। एनआरएचएम प्रभारी डॉ विश्राम सिंह का कहना है कि सीएचसी पर चार साल पहले फायर फाइटिंग सिस्टम लगाने के लिए शासन स्तर से 48 लाख रुपये जारी हुए थे, लेकिन सिर्फ 40 फीसदी ही काम हो पाया। इसके बारे में कई बार शासन को अवगत कराया जा चुका है। एमएमजी अस्पताल में अग्नि शमन अधिकारी कमलेश मिश्रा ने विभाग की टीम के साथ अस्पताल में स्टाफको आग लगने पर काबू पाने और झुलसे लोगों को बचाने की जानकारी और प्रशिक्षण दिया।

उन्होंने बताया कि विद्युत उपकरणों में आग लगने पर बुझाने से पहले पावर कट करना चाहिए। स्टाफको फायर एक्सटिंग्युशर चलाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनोज चतुर्वेदी ने बताया कि अस्पताल के सभी वार्ड और ओपीडी में फायर एक्सटिंग्युशर लगे हुए हैं। जगह-जगह फायर सेंसर भी लगवाए गए हैं। अगर कभी किसी तरह से आग लगने की घटना होती है तो अस्पताल में अलार्म बजने लगेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल की इमारत काफी पुरानी है और इसे तोड़कर दोबारा से मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनाई जानी है, इसलिए यहां पर सेंट्रलाइज्ड फायर फाइटिंग सिस्टम नहीं लगाया जा सकता। विद्युत सुरक्षा के लिए प्रशासन को पत्र लिखा गया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 24 फरवरी, 2022

अब एमसीडी चुनाव पर आप का फोकस

13 हजार बूथों पर संवाद आज से, 10 मार्च तक नए-पुराने सदस्यों को बुलाया जाएगा

पार्टी 12 व 13 मार्च को सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में एमसीडी बदलाव यात्रा भी करेगी

कैबिनेट मंत्री गोपाय राय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एमसीडी चुनाव को लेकर दिल्ली में सियासत गरमा गई है। आम आदमी पार्टी ने 24 फरवरी से 10 मार्च तक 13,000 बूथों पर बूथ संवाद करने का ऐलान किया। बूथ संवाद में सभी नए और पुराने सदस्यों को बुलाकर एमसीडी में व्याप्त भ्रष्टाचार से निजात पाने और निगम में बदलाव को लेकर चर्चा की करेगी। इसके अलावा 12 और 13 मार्च को सभी 70 विधानसभाओं में एमसीडी बदलाव यात्रा भी पार्टी निकालने की भी तैयारी की है।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक व कैबिनेट मंत्री गोपाय राय ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में पार्टी की एमसीडी चुनाव की तैयारियों की रणनीति की जानकारी देते हुए बताया कि 5 दिसंबर 2022 से सदस्यता अभियान शुरू किया था, जिसमें पुराने सदस्यों का नवीनीकरण करने के अलावा लगभग 20 लाख नए सदस्य शामिल किए गए। नए सदस्य बनाने के लिए पार्टी ने एक मिसकॉल नंबर जारी किया था, कुछ सदस्य उससे बढ़े। दूसरा कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने बूथों में घर-घर संपर्क कर और जगह-जगह शिविर लगाकर लोगों को पार्टी से जुड़ा गया। उन्होंने भाजपा शासित एमसीडी पर निशाना साधते हुए कहा कि नगर निगमों में पिछले लगभग 15 सालों से भाजपा से दिल्ली वाले परेशान हैं। लोग अब बदलाव चाहते हैं।

अब धीरे-धीरे निगम में बदलाव की घड़ी नजदीक आ रही है। इसी के मद्देनजर 24 फरवरी से शुरू होकर 10 मार्च तक बूथ संवाद में सभी नए और पुराने सदस्यों को बुलाया जाएगा। सब मिलकर एमसीडी में कैसे बदलाव कर वहां भी आम आदमी पार्टी की सरकार बनाई जाए, इसपर चर्चा की जाएगी। साथ-साथ 12 और 13 मार्च को पूरी में एमसीडी बदलाव यात्रा निकाली जाएगी।

यह बदलाव यात्रा सभी विधानसभा के कार्यकर्ता, वहां के विधायक और पार्टी नेताओं के नेतृत्व में निकाली जाएगी। एमसीडी चुनाव को लेकर पार्टी ने पूरी तरह से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

जामिया में प्रोफेसर की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया में इतिहास एवं संस्कृति विभाग में एक प्रोफेसर की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करते हुए कहा कि कोई मामला नहीं बनता।

न्यायमूर्ति योगेश खन्ना ने कहा कि अधिकारियों ने कई उदाहरण पेश किए हैं, जहां जामिया, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय सहित देश के अन्य विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर के पद पर नियुक्तियां की गई हैं। अदालत ने कहा, उपरोक्त के मद्देनजर प्रतिवादी को नोटिस जारी करने का कोई मामला नहीं बनता, इसलिए याचिका खारिज की जाती है। याचिकाकर्ता ने नाजिम हुसैन अल-जाफरी के प्रोफेसर के पद पर चयन और नियुक्ति संबंधी पूरी प्रक्रिया को चुनौती देते हुए इसे जामिया मिल्लिया इस्लामिया अधिनियम और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों का उल्लंघन बताया था।

समिति करेगी डीयू के वोकेशनल कॉलेजों में भ्रष्टाचार की जांच

हाईकोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में गठित होगी समिति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

डीयू के कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज के सभी खातों में कथित वित्तीय विसंगतियों की जांच के लिए उच्च न्यायालय के एक अवकाश प्राप्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में दो सदस्यी समिति का गठन किया गया है।

कॉलेज की शासी निकाय की बैठक में यह फैसला बुधवार को लिया गया। जांच समिति की अगुवाई न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सुनील गौड़ करेंगे। बैठक के दौरान, कॉलेज प्रशासन द्वारा वर्ष 2010 और वर्ष 2013 के बीच कथित वित्तीय अनियमितताओं की एक ऑडिट रिपोर्ट अध्यक्ष राजन चोपड़ा की अध्यक्षता वाली शासी निकाय को प्रस्तुत की गई। ऑडिट रिपोर्ट में कई परिचालन प्रक्रियाओं, प्रलेखन, अनुपालन और आंतरिक नियंत्रणों में अनियमितताएं उजागर हुईं, जो कॉलेज को बहुत उच्च स्तर के वित्तीय जोखिम में डालती है।

इसमें कहा गया है, कई खातों में वित्तीय विसंगतियों की सूचना मिली थी। शासी निकाय ने लेखा परीक्षक द्वारा की गई सिफारिशों पर चर्चा की और रिपोर्ट के हिस्से को स्वीकार कर लिया। यह पाया गया कि कॉलेज से संचालित इग्नू केंद्र के लेखा, व्यवस्थापक, पुस्तकालयाध्यक्ष और समन्वयक द्वारा कई दस्तावेज आडिटर को उपलब्ध नहीं कराए गए थे। अधिकारियों ने कहा कि कॉलेज के सभी खातों में कथित भ्रष्टाचार की जांच के लिए पिछले नवंबर में शासी निकाय द्वारा ऑडिट का आदेश दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि पुस्तकालय की किताबों की खरीद में अनियमितता सामने आने के बाद ऑडिट शुरू किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि प्रिंसिपल इंद्रजीत डागर पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था, जब एक लाख रुपए में खरीदी गई 180 किताबें कॉलेज नहीं पहुंचीं। अधिकारियों के मुताबिक उनके खिलाफ वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं की शिकायतें मिली हैं।

बैठक के विवरण में कहा गया है, जीबी (शासी निकाय) ने कॉलेज के सभी खातों (इग्नू सहित) में वित्तीय खामियों की जांच के लिए सदस्यों के रूप में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सुनील गौड़ (अध्यक्ष) और सी ए अरुण वशिष्ठ की दो सदस्ईय जांच समिति गठित करने का निर्णय लिया। ऑडिट को और चार साल के लिए बढ़ाने का भी फैसला किया है।

सफदरजंग अस्पताल के कर्मचारियों के काम की समीक्षा करने के निर्देश

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने अस्पताल के सभी विभाग प्रमुखों के कामकाज की निगरानी करने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

काम की खराब गुणवत्ता के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस का स्पष्ट संदेश देते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सफदरजंग अस्पताल के सभी विभाग प्रमुखों से सभी कर्मचारियों के कामकाज और उपस्थिति की समीक्षा करें। ताकि गैरहाजिरी और काम खराब गुणवत्ता की समस्या से निपटा जा सके।

मांडविया ने बुधवार को अस्पताल का दौरा किया और सफदरजंग तथा वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों के साथ अनौपचारिक बातचीत की। केन्द्रीय मंत्री ने इस पर जोर दिया कि किसी भी स्तर पर काम की खराब गुणवत्ता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, किसी को ऐसा नहीं लगना चाहिए कि उनकी गैरहाजिरी और खराब कामकाज को कोई नहीं देख रहा है। मांडविया ने सभी विभागों के प्रमुखों से कहा कि वे सुरक्षाकर्मियों और संविदाकर्मियों सहित सभी कर्मचारियों के कामकाज की समीक्षा करें ताकि गैरहाजिरी और कामकाज की खराब गुणवत्ता से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। मंत्री ने मरीजों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लक्ष्य के साथ समन्वय के माध्यम से कामकाज पर आधारित संस्कृति विकसित करने पर जोर दिया। उनका लक्ष्य अस्पताल आने वाले हर मरीज को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराना होना चाहिए।

कैदी की मौत पर पिता ने जेल में हत्या का आरोप लगाया

नई दिल्ली। सिगरेट चुराने के आरोप में जेल में बंद 19 वर्षीय एक कैदी की एक अस्पताल में मौत हो गई, जिसके बाद उसके पिता ने बुधवार को आरोप लगाया कि बेटे की जेल में हत्या की गई।

आरोपी के पिता ने मांग की है कि उनके बेटे की मौत के मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराई जाए। बहरहाल, जेल प्राधिकारियों ने कहा है कि मौत की वजहें प्राकृतिक प्रतीत होती हैं। रिक्शा चालक मोहम्मद याकूब ने कहा कि पुलिस ने उसके बेटे जीशान को एक दुकान से सिगरेट का एक पैकेट चुराने के आरोप में में गिरफ्तार किया था। हमें 15 फरवरी को एक फोन पर बताया गया कि आपके बेटे की हालत गंभीर है। हम जब अस्पताल पहुंचे, तो हमने जीशान को मृत पाया।

हड़ताली डॉक्टरों की वेतन कटौती पर फोर्डा को एतराज

नीट-पीजी काउंसिलिंग

रेजिडेंट डॉक्टरों के संगठन ने स्वास्थ्य मंत्री जैन को पत्र लिख मांगा न्याय

फाइल फोटो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (एफओआरडीए) ने स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को पत्र लिखकर कहा है कि नीट-पीजी काउंसलिंग 2021 में देरी के खिलाफ आंदोलन के दौरान दिल्ली सरकार के कुछ अस्पतालों ने डॉक्टरों को गैर हाजिर दिखाया है और उनका वेतन काट लिया गया है।

रेजिडेंट डॉक्टर्स फोरम ने जैन से इस मुद्दे के समाधान के लिए जरूरी उपाय करने का अनुरोध किया। पत्र में कहा गया है, कई बार देरी और नीट-पीजी काउंसलिंग 2021 के स्थगित होने के कारण रेजिडेंट डॉक्टरों के नए बैच को प्रवेश न मिलने के कारण स्वास्थ्य संस्थानों में रेजिडेंट डॉक्टरों के मौजूदा बैच को अधिक काम करना पड़ा और वे शारीरिक और मानसिक रूप से थक गए जिस वजह से नीट-पीजी काउंसलिंग 2021 में तेजी लाने के लिए 27 नवंबर से आंदोलन करना पड़ा।

फोर्डा ने पत्र में कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी आंदोलन का समर्थन किया था, जिसका मकसद देश के स्वास्थ्य क्षेत्र का कायाकल्प करना है जो रेजिडेंट डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है।

एफओआरडीए ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के साथ बैठक के बाद 31 दिसंबर को आंदोलन वापस ले लिया गया। उन्होंने वादा किया था कि अस्पताल कर्मियों, पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा आंदोलन में हिस्सा लेने वाले किसी भी रेजिडेंट डॉक्टर के खिलाफ कोई दंडात्मक या अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।उसने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली सरकार के कुछ अस्पतालों ने, खासकर यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों को आंदोलन की अवधि के दौरान अनुपस्थित दिखाया गया है और उनका वेतन काट लिया गया है।

दंगल में पहलवानों ने दिखाया दम

दिल्ली पुलिस के 75वां स्थापना सप्ताह पर द्वारका में आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

द्वारका जिला पुलिस ने दिल्ली पुलिस के 75वें स्थापना सप्ताह के उपलक्ष्य में दिल्ली पुलिस को यादगार व प्रभावी बनाने के लिए द्वारका जिले में 'दिल्ली देहात दंगल' का आयोजन किया। इस कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम, नजफगढ़ में किया गया।

इस दंगल में लगभग 125 पहलवानों ने भाग लिया जिसमे महिला व पुरुष वर्ग की अलग अलग भार श्रेणी की प्रतियोगिता कराई गयी। उपायुक्त जिला द्वारका ने प्रतियोगिता मे विजेताओं को 1,86,800 रुपये की नगद राशि देकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। इस आयोजन का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन के साथ साथ उन्हे सही रास्ते पर चलने के लिए प्रोत्साहित करना था। इसके साथ उन्हे चेतावनी भी दी गयी की वे अपराध के रास्ते पर जाने की न सोचें। एक नयी मुहिम 'चल बदले तबदीर' का भी आगाज किया गया जिसमे युवा खिलाड़ियों को पुलिस विभाग की सहायता करने के साथ साथ पुलिस का हिस्सा बनने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर इस तरह के आयोजन और बढ़े स्तर पर आगे भी कराने की घोषणा की गई।

कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकते: अदालत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय ने कहा है कि कानून बनाना संसद या राज्य विधानसभा का संप्रभु कार्य है और कोई अदालत कानून पारित करने के लिए निर्देश नहीं दे सकती। इसके साथ ही अदालत ने व्हिसल ब्लोअर सुरक्षा अधिनियम 2014 को एक अधिसूचना के जरिए क्रियान्वित करने के लिए केंद्र सरकार को निर्देश देने का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि राज्य विधानसभा लोगों की इच्छाओं का प्रतिनिधित्व करती है और कानून बनाना संसद या राज्य विधानसभा के विवेक पर निर्भर करता है।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने कहा, कानून और कुछ नहीं बल्कि लोगों की इच्छा होती है तथा वे (राज्य विधानसभा) लोगों की इच्छा को लागू करते हैं। हम संसद के संप्रभु कार्य के लिए कोई नोटिस जारी नहीं कर सकते। अदालत, डॉ मोहम्मद एजाजुर रहमान की एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। रहमान यहां गुरु तेग बहादुर अस्पताल में वरिष्ठ मुख्य चिकित्सा अधिकारी के तौर पर तैनात हैं।

बिना जानकारी जुटाए जनहित याचिका का चलन

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को महत्वहीन याचिका दायर करने के लिए एक वादी की खिंचाई की। अदालत ने कहा कि दिल्ली में एक चलन दिखाई पड़ता है कि लोग सड़क पर चलते हुए दाएं-बाएं देखते हैं और विषय वस्तु के बारे में कोई शोध और जानकारी एकत्र किए बगैर ही जनहित याचिका दायर कर देते हैं।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने कहा, दिल्ली में एक चलन है कि लोग सड़क पर चलते हुए दाएं-बाएं देखते हैं और बिना किसी अनुसंधान और होमवर्क किए जनहित याचिका दायर कर देते हैं।

अवैध शराब की दुकानें बंद कराएंगे : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता राजधानी में अवैध तरीके से खुली शराब की सभी दुकानों को बंद कराएंगे। यह दावा की दिल्ली के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने किया।

हैदरपुर-शालीमार सड़क पर प्रदर्शन के दौरान गुप्ता ने पार्टी के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की मौजूदगी में वहां एक शराब की दुकान बंद कराई। उन्होंने कहा, रिहायशी कॉलोनियों के साथ ही स्कूल और मंदिरों के पास, हर जगह शराब की दुकानें खुल गई है। हम गैरकानूनी रूप से खुली इन सभी दुकानों को बंद कराएंगे। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह दिल्ली वासियों को सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति करने में नाकाम रही है लेकिन अब उसने हर जगह शराब की दुकानें खोल दी हैं।

पिछले साल नवंबर में दिल्ली सरकार द्वारा लागू नई आबकारी नीति के तहत निजी कंपनियों ने 580 से अधिक शराब की दुकानें खोली। आबकारी विभाग ने निविदा प्रक्रिया के जरिए निजी पक्षों को रिटेल की शराब की दुकानों के 849 लाइसेंस आवंटित किए। भारतीय जनता पार्टी शासित नगर निगमों ने दिल्ली मास्टर प्लान के प्रावधानों के कथित उल्लंघन के लिए शराब की कई दुकानें सील कर दी हैं।

संक्षिप्त समाचार

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगें जायज: बिधूड़ी

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा संघर्ष कर रही महिला आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की अनदेखी पर हैरानी व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि पिछले 23 दिन से ये महिलाएं अपने घर-परिवार को छोड़कार न्याय की आस में मुख्यमंत्री निवास के बाहर धरने पर बैठी हुई हैं लेकिन उनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। उन्होंने आग्रह किया है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल उदारता दिखाते हुए इन कर्मचारियों की मांगें फौरन स्वीकार करें। बिधूड़ी ने कहा कि ये महिलाएं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और हेल्पर के रूप में कार्य करते हुए पिछले कई सालों से अपना वेतन बढ़ाने की मांग कर रही है। इस समय इनका वेतन 4800 रुपए महीने से लेकर 9600 रुपए प्रति महीना है। इतनी कम राशि में आखिर ये कैसे गुजारा चला सकती है।

आंबेडकर की भूमिका निभाना भाग्य में लिखा था: रोहित

नई दिल्ली। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के जीचन पर आधारित संगीतमय नाटक का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 25 फरवरी से 12 मार्च तक मंचन किया जाएगा। इस नाटक में बाबा साहब की भूमिका निभाने वाले अभिनेता रोहित रॉय का मानना है कि मंच पर उनका किरदार निभाना मेरे भाग्य में ही लिखा था। रॉय ने कहा, मैंने टीवी थिएटर और फिल्मों से लेकर ओटीटी तक हर माध्यम पर हर तरह का अभिनय किया है। लेकिन जब मैं इस भूमिका की तैयारी कर रहा था तब जिस चीज ने मेरी मदद की वह थी उनके (आंबेडकर) और मेरे जीवन की समानता। हम दोनों को संघर्ष करना पड़ा। रॉय ने को दिए साक्षात्कार में कहा, उन्होंने (आंबेडकर) अपनी अकादमिक उपलब्धियों और क्षमता के बावजूद अपने जीवन के अंत तक समाज को यह बताने के लिए संघर्ष किया कि सभी मनुष्य समान हैं।

पूर्ण रूप से सौर ऊर्जा पर निर्भर होगी एनडीएमसी

केवल अक्षय ऊर्जा प्रदाताओं के साथ ही किए जाएंगे नए खरीद समझौते

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद में बुधवार को बैठक संपन्न हुई। बैठक में पूर्ण हरित ऊर्जा उपभोक्ता बनाने का इरादे से तीस्ता के माध्यम से 142 मेगावाट जलविद्युत की खरीद को मंजूरी दी गई यानी इस समझौते को तीन साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है।

पालिका परिषद ने 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा लेने की यात्रा शुरू की है। अब थर्मल पावर जनरेटिंग स्टेशनों के साथ बिजली खरीद समझौते का नवीनीकरण नहीं होगा। नए समझौता मेसर्स पीटीसी इंडिया लिमिटेड के माध्यम से रुपये 5.03 / किलोवॉट की दर से लागू होगा। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद की आयोजित परिषद की बैठक की अध्यक्षता पालिका परिषद के अध्यक्ष धर्मेंद्र ने की, जिसमें पालिका परिषद उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय, विधायक और पालिका परिषद के सदस्य वीरेंद्र सिंह कादियान के अलावा पालिका परिषद के अन्य सदस्यों कुलजीत सिंह चहल, गिरीश सचदेवा, विशाखा सैलानी और पूर्वी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त विकास आनंद के साथ पालिका परिषद की सचिव ईशा खोसला भी शामिल थी।

स्मार्ट सड़कें

पालिका परिषद ऐसी स्मार्ट सड़कें विकसित कर रही है, जो न केवल सौंदर्य की दृष्टि से उन्नत होगी बल्कि सुरक्षा से समझौता किए बिना सुविधा डिजाइन की गई हैं। परिषद ने सड़कों के पुनर्विकास के लिए एक परियोजना को मंजूरी दी है।

आठ एवेन्यू सड़कों का पुनर्निर्माण

कुछ एवेन्यू सड़कों की हालत खराब हो गई है और पांच साल की अवधि पूरी हो गई है, इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि एवेन्यू सड़कों पर सवारी की गुणवत्ता में सुधार के लिए इन एवेन्यू सड़कों का सुदृढ़ीकरण और पुनर्विकास कोल्ड मिलिंग तकनीकी प्रक्रिया के साथ किया जाना आवश्यक है जिससे सड़कों का मौजूदा स्तर भी बना रहे। तिलक मार्ग, केजी मार्ग, पंडारा रोड, आदि के पुनर्निर्माण में कुल लागत सवा सात करोड़ रुपये आएगी।

सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को मंजूरी दी गई

सेक्टर-7, पुष्प विहार, साकेत, नई दिल्ली में कर्मचारियों के लिए 120 टाइप-2 फ्लैटों के लिए 100 केएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को मंजूरी दी गई है। एसटीपी को ठीक से चालू करने के लिए इसमें विभिन्न यांत्रिक और फिल्टर भागों को स्थापित करने की आवश्यकता होती है। रखरखाव की लागत के साथ 50 लाख के विस्तृत अनुमान को मंजूरी दे दी है।

मुठभेड़ में दो कुख्यात लुटेरे गिरफ्तार

आरोपियों के पास से हथियार बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली के वज़ीराबाद इलाके में पुलिस के साथ हुई एक मुठभेड़ के बाद लूटपाट के कई मामलों में शामिल दो कुख्यात बदमाशों को उनके दो अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक यह गिरफ्तारी मंगलवार को सूचना के मिली कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में डकैती के कई मामलों में शामिल जितेंद्र और नरेश मंडल नामक दो कुख्यात बदमाश कुछ अन्य लोगों के साथ एक कार में वज़ीराबाद आएंगे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस ने वज़ीराबाद के आरसीसी नाला रोड पर जाल बिछाकर रात करीब 10.40 बजे कुख्यात लुटेरों के संदिग्ध वाहन को रोका। उत्तरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी के मुताबिक जैसे ही पुलिस ने कार को रोकने की कोशिश की, चार लोग बाहर निकल कर भागने लगे और उनमें से एक ने गोली चला दी।

पुलिस उपायुक्त के मुताबिक पुलिसकर्मियों ने भी जवाबी कार्वाई की और जितेंद्र के बाएं पैर में गोली मार दी। कुछ देर की गोलीबारी के बाद चारों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के निवासी जितेंद्र कुमार मौर्य (26), राकेश कुमार मौर्य (29) और रविंद्र (26) और झारखंड के निवासी नरेश कुमार मंडल (27) के रूप में हुई है। इनके पास से दो देशी पिस्तौल, पांच कारतूस, कारतूस का एक खोखा और एक कार बरामद हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जितेंद्र को इलाज के लिए अरुणा आसफ अली अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भारत के साथ पाकिस्तान में भी गधे की बारात नाटक ने मचाई धूम

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

देश के अनेक राज्यों में मंच पर कला, हास्य और सामाजिक सरोकारों का संदेश देने वाले नाटक गधे की बारात का अब तक 318 बार मंचन किया जा चुका है। दर्शकों के जहन में गहरी छाप छोड़ने वाले इस नाटक ने खूब वाहवाही लूटी है। जिसने जितनी बार इस नाटक को देखा, हर बार इसमें नयापन महसूस किया। नाटक के कलाकारों द्वारा सटीक डायलॉग और कला का बेहतरीन प्रदर्शन नाटक की खूबी कही जा सकती है।

गधे की बरात ने अब तक कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। हरियाणा में किसी भी नाटक के आज तक के सब से अधिक मंचन का रिकॉर्ड भी अब गधे की बरात के पास है। इस

गधे की बारात नाटक का 318 बार हो चुका है मंचन

नाटक की पूरी टीम को हरियाणा कलाकार वेलफेयर एसोसिएशन करेगी सम्मानित

नाटक का पहला मंचन 1990 में हुआ था। यह आज तक यानी 32 साल के बाद भी बदस्तूर जारी है। यह सप्तक की कार्यकारिणी की सूझबूझ का ही परिणाम है कि अपने काम धंधों या फिर पारिवारिक जरूरतों के हिसाब से कई कलाकार अलग-अलग शहरों

फोटो नंबर-01: गधे की बारात नाटक के मंचन के दौरान कलाकार। फोटो नंबर-02: हरियाणा कलाकार वेलफेयर एसो. के अध्यक्ष डॉ. अर्जुन वशिष्ठ।

में चले गए हैं, लेकिन जब नाटक के मंचन का समय आता है तो सभी एक मंच पर खड़े दिखाई देते हैं। इतने लंबे समय तक कलाकारों को जोड़ कर रखना कोई आसान काम नहीं है। नाटक का मंचन पाकिस्तान के लाहौर में भी किया जा चुका है। अन्य किसी भी कलाकार दल को आज तक ऐसा मौका नहीं मिला है।

कलाकार वेलफेयर एसो. करेगी सम्मानित : डॉ. अर्जुन

हरियाणा कलाकार वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अर्जुन वशिष्ठ कहते हैं कि सप्तक कल्चरल सोसाइटी रोहतक के कलाकारों को उनकी इस अद्वितीय उपलब्धि के लिए सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने यह भी बताया कि आज तो सरकारी विभाग और अकादमियां नाटक के मंचन कराने लगे हैं, लेकिन इस नाटक के मंचन उस वक्त होने शुरू हुए थे जब विभाग के लिए नाटक कोई प्राथमिकता नहीं थी। इस नाटक का चोटिल व्यंग्य ही इसकी खूबसूरती है। अब राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा इसका चयन नॉर्थ ईस्ट थियेटर एक्सचेंज प्रोग्राम में किया जाना अपने आप में एक बहुत ही बड़ी उपलब्धि है।

हिमाचल, यूपी, राजस्थान में भी हुआ मंचन : त्रिखा

सप्तक संस्था के प्रधान विश्वदीपक त्रिखा के मुताबिक हरियाणा के ये भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है कि बिना किसी सरकारी सहायता या ग्रांट के इस नाटक का चयन इतने बड़े फेस्टिवल में हुआ है। एक और रिकॉर्ड सप्तक के नाम है। हरियाणा में सबसे पहले इंडो-पाक थियेटर फेस्टिवल का आयोजन रोहतक में 2003 में सप्तक द्वारा ही किया गया था। जिसके बाद अब तक एक ही और संस्था द्वारा इंडो-पाक थियेटर फेस्टिवल फिर से कराया जा सका। मसूरी की राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में भावी आईएएस अधिकारियों के लिए दो बार इस नाटक का मंचन कराया जाना भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है। हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के तमाम मेलों में इस नाटक का मंचन एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

चिंतल्स पैराडिसो हादसे की जांच पारदर्शी हो : राव इंद्रजीत सिंह

केंद्रीय मंत्री बोले, जांच में पारदर्शिता नजर भी आनी चाहिए

मामले में अब तक की गई कार्रवाई को लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री ने अधिकारियों की ली बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

केंद्रीय राज्यमंत्री राव इन्द्रजीत सिंह ने कहा कि गुरुग्राम के सेक्टर-109 स्थित चिंतल्स पेराडिसो रिहायशी सोसायटी में हुए हादसे की जांच में पूरी पारदर्शिता बरती जाए। इस जांच में लोगों को पारदर्शिता नजर भी आनी चाहिए। वे बुधवार को यहां लोक निर्माण विश्राम गृह में चिंतल्स पेराडिसो हादसे में अब तक हुई कार्रवाई की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इस मामले में हो रही जांच से स्थानीय निवासियों की संतुष्टि होना जरूरी है। भविष्य में इस प्रकार के हादसे ना हों, इसके लिए शीर्ष वरियता प्राप्त संस्थानों के एक्सपर्ट्स को पैनल पर रखा जाए ताकि कहीं से भी निर्माण में कमी के बारे में शिकायत प्राप्त होने पर एक्सपर्ट्स की टीम बनाकर उससे स्ट्रक्चरल ऑडिट करवाया जा सके। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम उत्तर भारत का तेजी से विकसित होता शहर है और इस शहर के बारे में किसी भी स्तर पर विश्वास की कमी नहीं होनी चाहिए। नियमों के उल्लंघन करने वालों पर कानून के अनुसार कार्रवाई हो।

उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था बनाने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में भी आरडब्ल्यूए की बैठक हुई थी। इसी कड़ी में बुधवार की बैठक आयोजित की गई। प्रदेश में सुरक्षित, सुविधाजनक व भविष्य की जरूरत के अनुसार ग्रपु हाउसिंग सोसायटी विकसित करने की दिशा में काम किया जाएगा और इन सोसायटियों में रहने वाले लोगों की समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा।

एक्सपर्ट कर रहे हैं घटना की जांच : उपायुक्त

बैठक में उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने केंद्रीय मंत्री राव इद्रंजीत सिंह को अब तक चिंटल पेराडिसो हादसे तथा एनबीसीसी सोसायटी के मामले में अब तक हुई कार्यवाही के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि चिंटल पेराडिसो हादसे की जांच की जा रही है। अतिरिक्त उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा की अध्यक्षता में गठित कमेटी यह जांच कर रही है। इसके अलावा आईआईटी दिल्ली के एक्सपर्ट्स की टीम हादसे के कारणों की जांच कर रही है। बिल्डर तथा सोसायटी के डायरेक्टर्स के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज करके तफ्तीश की जा रही है। इस सोसायटी के डी-टावर के सभी परिवारों को शिफ्ट कर दिया गया है। इन प्रभावित परिवारों को तीन विकल्प दिए गए हैं।

डीटीपी से भी किए सवाल-जवाब

बैठक में जिला नगर एवं योजनाकार विभाग के डीटीपी आरएस भाट ने बताया कि चिंटल पैराडिसो सोसायटी के डी-टावर में 64 फ्लैट हैं, जिनमें से 58 फ्लैट अलॉट किए गए थे। जिनमें 45 परिवार रह रहे थे। इनमे से 23 फ्लैट ऑनर थे और 22 किराएदार थे। इनमें से 7 परिवारों ने स्वेच्छा से कहीं और शिफ्ट कर लिया है, जबकि 3 अन्य परिवार भी अपने स्तर पर शिफ्ट कर रहे हैं। अन्य 27 परिवारों को ब्लॉक ए, बी, सी और जे में शिफ्ट कर दिया हैं। इस सोसायटी वासियों द्वारा इससे पहले जुलाई में दी गई शिकायत के बारे में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह द्वारा पूछे जाने पर डीटीपी आरएस भाट ने बताया कि उस समय बालकनी की छत का हिस्सा गिरा था, जिसके बारे में शिकायत मिलते ही बैठक बुलाकर बिल्डर को आवश्यक कार्यवाही करने की हिदायत दी गई थी। बिल्डर के मेंनटेनेंस इंजीनियरिंग विंग को ही काम करना था। बिल्डर को भी स्ट्रक्चरल ऑडिट करवाने के लिए कहा गया था। बैठक में पुलिस आयुक्त कला रामचंद्रन ने बताया कि चिंटल पेराडिसो मामले में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। मामले की पुलिस तफ्तीश की जा रही है। आईआईटी दिल्ली के एक्सपर्ट्स की टीम की जांच रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की कार्यवाही उसी आधार पर की जाएगी क्योंकि पुलिस कार्रवाई में सबूतों की आवश्यकता होती है।

गुरुग्राम में सीएम उड़नदस्ता के छापों से मचा हड़कंप

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री उड़दनदस्ता गुरुग्राम समेत पूरे प्रदेश में सक्रिय हो गया है। दस्ते की ओर से रोजाना कहीं ना कहीं छापेमारी करके गलत गतिविधियों को उजागर किया जा रहा है। ऐसे में गलत काम करने वालों में हड़कंप मचा है। उड़नदस्ता कब और कहां पर छापेमारी कर दे, इस तरह का भय गलत काम करने वालों में पैदा हो गया है।

मंगलवार की देर रात भी मुख्यमंत्री उड़नदस्ता गुरुग्राम की टीम ने थाना क्षेत्र बिलासपुर में पचगांव-तावडू रोड पर गांव फालिजवास मार्किट में किराये के भवन में बालाजी नाम से अवैध निजी अस्पताल पर रेड की। यह अस्पताल बाघनकी गांव निवासी बिट्टू यादव पुत्र महेश कुमार द्वारा चलाया जा रहा था। अस्पताल में करीब 15 बेड की सुविधा दी गई थी। संचालक के पास स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई वैध कागज नहीं मिले। यानी अस्पताल चलाने का उसके पास लाइसेंस नहीं था। वह 24 घंटे अस्पताल चलाता था और इमरजेंसी मरीजों को दाखिल करके उपचार सुविधा देता था।

मुख्यमन्त्री उड़नदस्ता, जिला ड्रग कन्ट्रोलर व स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम का गठन करके बालाजी अस्पताल में छापेमारी की गई। इस दौरान डाक्टर की सीट पर सोनू कुमार पुत्र बलजीत वासी गांव नन्दगढ़ जिला

गुरुग्राम के बिलासपुर थाना के अंतर्गत पचगांव-तावडू रोड पर गांव फालिजवास मार्केट में बना अवैध बालाजी अस्पताल।

जीन्द अपने गले में स्टैथेस्कोप डाले हुए बैठा हुआ मिला। अस्पताल संचालक बिट्टू यादव अस्पताल में अन्य 10 नर्सिंग व साफ-सफाई स्टॉफ के साथ हाजिर मिला। छापेमारी टीम द्वारा सोनू डाक्टर से उसकी डाक्टर की डिग्री मांगी तो वह कुछ नहीं दिखा सका।

डॉक्टर के फर्जी हस्ताक्षर भी मिले

सोनू ने टीम को बताया कि भर्ती मरीजों का उपचार डॉक्टर धर्मेंद्र द्वारा किया जाता है। डाक्टर धर्मेन्द्र को अस्पताल संचालक द्वारा फोन करके अस्पताल में बुलाया गया। पूछताछ पर डाक्टर धर्मेन्द्र ने बताया कि वह बालाजी अस्पताल में एक अगस्त 2021 से सेलरी/शेयरिंग बेस पर कार्य कर रहा है। डाक्टर धर्मेन्द्र ने बताया कि मरीजों के इलाज की फाइलों में उसके कोई हस्ताक्षर नहीं हैं, बल्कि पिछले दो माह से वह इस अस्पताल में नहीं आ रहा है। मरीजों की फाईलों पर उसके नाम की स्टांप का दुरुपयोग किया जा रहा है।

मास्क न लगाने पर मासूम छात्रा को स्कूल के बाहर ही रोका

अभिभावकों ने दर्ज कराया है इस पर विरोध

गुरुग्राम। यहां एक निजी स्कूल में पहुंची तीन साल की मासूस छात्रा को इसलिए स्कूल में प्रवेश नहीं दिया कि उसने मास्क नहीं लगा रखा था। इसकी जानकारी लगने पर बच्ची के परिजनों ने भी स्कूल के खिलाफ विरोध जाहिर किया है। यह हाल तो तब है जब सरकार ने पांच साल से उम्र के बच्चों के लिए मास्क जरूरी श्रेणी में नहीं रखा है।

जानकारी के अनुसार साउथ सिटी फेज-1 स्थित शिक्षांतर स्कूल में अभिभावकों ने बवाल किया। गुस्साए अभिभावकों ने स्कूल द्वारा बच्ची के साथ किए गए व्यवहार पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। उनका आरोप रहा कि इस तरह से बच्ची को स्कूल में प्रवेश करने से नहीं रोका जा सकता। अभिभावकों ने इस दौरान कई तर्क दिए, सरकारी नियम-कायदे बताए। फिर भी उनकी कोई बात नहीं सुनी गई और स्कूल के शिक्षक मास्क लगाने की बात पर अड़े रहे।

बच्ची की मां मानसी ने स्कूल की ओर से किए गए ऐसे व्यवहार पर मोर्चा खोल दिया। उन्होंने एक वीडियो बनाकर सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे इस विषय पर आगे आएं और अपनी आवाज बुलंद करें। स्कूल द्वारा इतने छोटे बच्चे को मास्क न लगाने पर मानसिक रूप से परेशान करना सही नहीं है। बुधवार को काफी संख्या में अभिभावक स्कूल पहुंचे। बच्ची की मां मानसी ने बताया कि स्कूल प्रबंधन ने उनके साथ बैठक करने के बाद केवल उनकी बच्ची को स्कूल में बिना मास्क जाने की अनुमति देने की बात मानसी नहीं मानी। उन्होंने कहा कि अन्य बच्चों को भी मास्क लगाने के लिए बाध्य न किया जाए।

महिला ने लगाया छेड़छाड़ का आरोप

सोहना। सरमथला में दो पक्षों के बीच हुए झगड़े में महिला ने अपने विरोधियों पर छेड़छाड़ करने और बीच बचाव में आये पति पर लाठी, डंडा, तलवार आदि से हमला कर घायल करने का आरोप लगाया। पुलिस ने पीड़िता महिला की शिकायत पर दो महिलाओं समेत छह नामजदों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सरमथला निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि रविवार को वह घर से किसी काम के लिए निकली थी। उसके घर के पास रास्ते में सुमंता का मकान पड़ता है। अपने घर के सामने सुमंता, उसके तीन बेटे संजय, विजय और अजय, पत्नी सरोज व पुत्रवधू योजना बनाकर खड़े थे। जिनके हाथों में लाठी, डंड, तलवार, फरसा आदि थे। अजय ने पास पहुंचने पर उसे फरसा दिखाते हुए उस पर हमला कर दिया। उसके शोर मचाने पर उसका पति मौके पर बचाव के लिए आया। आरोपियों ने उस पर भी हमला करके गंभीर रुप से घायल कर दिया।

पकड़ी गई गायों को वापस नहीं छोड़ा जाएगा : पंचायती फैसला

निचली अदालत ने तस्करी में पकड़ी गई 46 गायों को छोड़ने का दिया है आदेश

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

गोशाला सिलानी से किसी भी कीमत पर गायों को नहीं छोड़ा जाएगा। पंचायत द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी अदालत के दिए गए फैसले के खिलाफ याचिका दायर करेगी।

बुधवार को सिलानी में स्थित गोशाला में आयोजित पंचायत में आस-पास के 20 से 25 गांवों के ग्रामीणों ने भाग लिया। जिसमें सिलानी, हाजिपुर, भिरावटी, हिलालपुर, मानूवास, किरन की खेड़ली, खरौदा, हरचंदपुर, दौला,

सिलाई स्थित गोशाला में पंचायत में भाग लेते ग्रामीण।

दमदमा, खेड़ला, सहजावास, लोहटकी, बालूदा, नूनेरा, कालियाका, घामडौज, अलीपुर आदि गांवों से आए करीब 200 लोगों ने भाग लिया। पंचायत की अध्यक्षता कालियाका निवासी सरपंच दीपचंद ने की। मुख्य वक्ताओं में सतबीर पहलवान, योगेश शर्मा, सुभाष बंसल, जतनबीर सिंह आदि थे। पंचायत का उद्देश्य सिलानी गोशाला में पलवल में स्थित निचली अदालत द्वारा 46 गाय को छोड़े जाने का कड़ा विरोध। करीब दो घंटे तक चली पंचायत में वक्ताओं ने जिला पलवल के गांव डूंगरपुर में गो तस्करों से बजरंग दल कार्यकर्ताओं द्वारा पकड़ी गई 90 में से 46 गाय को छोड़ने के आदेश का कड़ा विरोध जताना था। अदालत के आदेश के खिलाफ जल्द से जल्द याचिका दायर की जाएगी।

पंचायत की अध्यक्षता कर रहे सरपंच दीपचंद ने बताया कि पलवल में गो तस्करों के खिलाफ पुलिस ने 327 नंबर मुकदमा 2021 में दर्ज किया था। जिसके आधार पर गाय को किसी भी सूरत में नहीं छोड़ा जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

तीरंदाजी प्रतियोगिता में चार खिलाड़ी मोहाली में लेंगे भाग

सोहना। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी दिल्ली द्वारा ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी तीरंदाजी (नेशनल यूनिवर्सिटी गेम) 2021-22 का आयोजन 24 से 28 फरवरी 2022 को चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मोहाली में हो रहा है। सोहना स्टेडियम में चल रहे तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र के भी चार खिलाड़ी प्रतियोगिता में अपना हुनर का प्रदर्शन करने के लिए भाग ले रहे हैं। जिनमें निरंकारी कॉलेज सोहना के ललित बैचलर डिग्री ऑफ आर्ट द्वितीय वर्ष सुमित बैचलर डिग्री ऑफ आर्ट द्वितीय वर्ष के छात्र रीकरव राउंड 70 मीटर इवेंट में व मनीषा बीकॉम तृतीय वर्ष की छात्रा इंडियन राउंड 30. 50 मीटर इवेंट में गुरुग्राम यूनिवर्सिटी गुरुग्राम की तरफ से प्रतिनिधित्व करेंगे और स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी हिसार की तरफ से गौरव शर्मा डिप्लोमा इन योगा का छात्र रीकरव राउंड 70 मीटर इवेंट में प्रतियोगिता में भाग ले रहा है। कोच भगवत सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग ले रहे चारों खिलाड़ियों में काफी जोश और उत्साह है। उन्हें उम्मीद है कि चारों ही खिलाड़ी अपनी-अपनी प्रतियोगिता में पदक जीतकर लौटेंगे।

पिकअप की टक्कर से दादा की मौत, नाती घायल

सोहना। बल्लभगढ़-सोहना मार्ग पर तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर ने बाइक सवार 63 वर्षीय दादा की मौत और 15 वर्षीय नाती गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल किशोर को फरीदाबाद के निजी अस्पताल में दाखिल कराया। आरोपी अज्ञात चालक मौके पर पिकअप छोड़ फरार हो गया। मंगलवार शाम साढ़े पांच बजे गांव लाला खेड़ली निवासी 63 वर्षीय राजपाल बाईखेड़ा की तरफ से बाइक पर अपने 15 वर्षीय पौत्र सागर को बैठाकर घर आ रहे थे। बल्लभगढ़-सोहना मार्ग को पार करते समय सोहना की तरफ से आ रही पिकअप ने राजपाल की बाइक को सीधी टक्कर मार दी। राजपाल, सागर बाइक सहित पिकअप के नीचे फंस गए। पिकअप तीनों को 10 से 15 फीट दूर तक घसीटते हुए ले गई। आस पास के लोगों ने पिकअप के नीचे से राजपाल व सागर को बाहर निकाला। इस दौरान वाहन चालक मौके से फरार हो गया। राजपाल व सागर को फरीदाबाद के बीके अस्पताल में दाखिल कराया। जहां राजपाल को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने सागर को फरीदाबाद के निजी अस्पताल में दाखिल कराया। सोहना सदर थाना पुलिस ने मौके पर प्रत्यक्षदर्शी राजपाल के भतीजे संजय की शिकायत पर पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

निरंकारी सत्संग के श्रद्धालुओं ने चलाया सफाई अभियान

गुरुग्राम। निरंकारी बाबा हरदेव सिंह महाराज के जन्म दिवस 23 फरवरी को गुरुग्राम के बसई रोड और सेक्टर 31 तथा अन्य निरंकारी भवनों के आसपास के क्षेत्रों, आवागमन के मार्गों आदि से सफाई की। इस सफाई अभियान का नेतृत्व गुरुग्राम ब्रांच के संयोजक एमसी नागपाल ने किया। इसमें संत निरंकारी सेवादल, मिशन के स्वयंसेवक तथा अन्य सक्रिय भक्त, भाई-बहन ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि सन्त निरंकारी मिशन द्वारा बाबा हरदेव सिंह की स्मृति में संपूर्ण भारतवर्ष में 100 के करीब निरंकारी सत्संग भवनों में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविरों का आयोजन किया। संत निरंकारी मिशन द्वारा प्रति वर्ष स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया है, जिसमें मानव कल्याण की भलाई के लिए बाबा हरदेव सिंह का यही दृष्टिकोण था कि प्रदूषण अंदर हो या बाहर, दोनों ही हानिकारक हैं।

किसानों को फसलों की अधिक पैदावार बढ़ाने का पाठ पढ़ाया

सोहना। किसान मेले में किसानों को रासायनिक खादों का उपयोग करके दोगुणा फसल पैदावार बढ़ाने का पाठ पढ़ाया। किसानों को मूंग की फसल के लिए फ्री में बीच वितरण किया। शहर के देवीलाल खेल स्टेडियम में कृषि विभाग की तरफ से किसान मेले का आयोजन किया। जिसका मुख्य उद्देश्य किसान अपने खेतों में अधिक पैदावार के लिए यूरिया का उपयोग न करके रासायनिक खाद का इस्तेमाल करें। कृषि विशेषज्ञ और इफको विभाग के अधिकारियों ने किसानों को अच्छी व अधिक पैदावार के लालच में यूरिया का उपयोग न करने की सलाह दी। यूरिया के विषय में बताते हुए इफको के डॉक्टर राजेन्द्र सिंह ने बताया कि यूरिया कैंसर जानलेवा लाइ-इलाज बीमारी बना रहा है। इसलिए अपने फसलों में रासायनिक खाद का उपयोग कर फसल को निरोग बनाएं। यूरिया के उपयोग से मिट्टी में पैदावार क्षमता घट रही है। डॉक्टर भरत सिंह ने किसानों को कम पानी उपयोग वाली फसलें उगाने और अच्छी पैदावार लेने का पाठ पढ़ाया। कृषि विभाग के एसडीओ जगबीर सिंह ने किसानों को मिट्टी में पैदावार अच्छी बनाए रखने के लिए फसलों को बदल-बदल कर बिजाई करने की जानकारी दी और उससे होने वाले लाभ के विषय में बताया। धान की न बिजाई करने पर किसान को सात हजार और बाजरा की बिजाई न करने पर चार हजार रुपये प्रति एकड़ बोनस राशि दी जा रही है। किसानों को अपनी फसल का बीमा कराने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में किसानों को 50 फीसदी उपकरण खरीद पर छूट दी जा रही है। सोहना के एडीओ अरुण सोलंकी ने किसानों को समय-समय पर फसल व सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी के लिए खंड अधिकारी कार्यालय में आने के लिए सलाह दी।

भोंडसी टोल पर छह मार्च को होगी महापंचायत

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत लगाया यह शिविर

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना से गुरुग्राम-बल्लभगढ़ मार्ग पर बने टोल प्लाजाओं के विरोध में एलीवेटेड मार्ग पर भोंडसी में बने टोल टैक्स पर छह मार्च को महापंचायत होगी। महापंचायत में 20 से 25 गांवों के ग्रामीण टोल प्लाजाओं पर लगने वाले टोल का कड़ा विरोध करेंगे। महापंचायत में भारी संख्या में लोगों को बुलाने के लिए गांव-गांव पत्र लिखकर निमंत्रण दिया जा रहा है।

सोहना से गुरुग्राम, बल्लभगढ़, वायां रेवासन पलवल और वायां तावडू कुंडली-सोनीपत मार्ग पर बने टोल प्लाजाओं के विरोध में छह मार्च को क्षेत्र के करीब 25 गांवों के ग्रामीणों की महापंचायत होगी। महापंचायत का आयोजन सतबीर पहलवान कर रहे हैं। उनकी टीम गांव-गांव जाकर ग्रामीणों को आमंत्रण दे रही है। महापंचायत

गुरुग्राम-सोहना एलीवेटेड मार्ग के गांव भोंडसी में बना टोल प्लाजा पर होगी। जहां पर हजारों की संख्या में गांव भोंडसी, धामडौज, अलीपुर, हरियाहेड़ा, गढ़ीबाजीदपुर, रिठौज, सहजावास, बहलपा, खेड़ला, दमदमा, अभयपुर, लोहटकी, सिरसका, दौला, हरचंदपुर, निमौठ, लाला खेड़ली, नूनेरा, खरौदा, सिलानी, सांचौली, मोहम्मदपुर गूर्जर, सोहना ढाणी आदि ग्रामीण महापंचायत में आएंगे।

क्या कहते हैं आयोजक कमेटी प्रधान : महापंचायत के आयोजक कमेटी प्रधान सतबीर पहलवान ने बताया कि सोहना से किसी भी दिशा में सड़क मार्ग से जाने के लिए यहां के लोगों को टोल देना पड़ रहा है। इतना अत्याचार अंग्रेजी शासन में भी क्षेत्र के लोगों पर नहीं था। सोहना से वायां रेवासन केएमपी से जाने के लिए टोल, सोहना से कुंडली-सोनीपत केएमपी मार्ग से जाने के लिए तावडू में टोल, सोहना से बल्लभगढ़ जाते समय नूनेरा में टोल और अब गुरुग्राम-दिल्ली जाने के लिए भोंडसी में टोल देना होगा।

अब दूसरों की दुनिया का उजाला बनेंगी माता लाजो देवी इंसा की आंखें

निधन के बाद 75 वर्षीय माता लाजो देवी की आंखें दान

भिवानी। शहर के राम नगर निवासी 75 वर्षीय माता लाजो देवी इंसा बुधवार को भले ही सांसारिक जीवन से विदा हो गई हों, लेकिन उनकी आंखें अभी इसी दुनिया में रहेंगी। उनकी आंखों से दूसरों की दुनिया रोशन होगी। मरणोपरांत उनकी इच्छा के अनुसार परिवार ने उनके नेत्र दान किए।

डेरा सच्चा सौदा की ब्लड व आई डोनेशन समिति के जिम्मेवार मनीष इन्सां व सेवादार पंकज इन्सां ने माता लाजो देवी इंसा के बारे में बताया कि माता लाजो देवी इंसा ने संत डा. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा की प्रेरणा पर चलते हुए नेत्र दान का संकल्प लिया हुआ था। माता लाजो देवी पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थी। बुधवार को

माता लाजो देवी इंसा। फाइल फोटो।

उनका निधन हो गया। वे अपने पीछे एक बेटा-बहु और तीन बेटियां, दामाद, दोहते, पोते सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन के उपरांत मनोज इंसान ने भिवानी के डेरा सच्चा सौदा की आई डोनेशन टीम के जिम्मेदार मनीष इंसा से संपर्क किया। टीम की ओर से शहर के जालान आंखों के अस्पताल के नेत्र बैंक को सूचित किया गया। जिसके बाद डॉ. अडविन की अगुवाई में टीम उनके घर पहुंची तथा उनकी आंखें सुरक्षित रख लीं। जिनका उपयोग अब किसी नेत्रहीन को दृष्टि देने में किया जाएगा।

अमेजन इंडिया में परिवर्तन का नेतृत्व कर रही महिलाएं!

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जैसे-जैसे इंडिया इंक कार्यस्थल पर लैंगिक समानता के फायदों को समझ रहा है वैसे-वैसे 87: कंपनियां लैंगिक विविधता के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हो रही हैं, जो 2012 में 56: के मुकाबले काफी ज्यादा है जब मैककिन्से ने पहली बार वूमैन एट वर्क का सर्वे किया था। संगठनों ने अपना मानसिक मॉडल बदल दिया है और ऐसी नीतियों का क्रियान्वयन कर लिया है, जो महिलाओं को सशक्त बनाती हैं और विविधता एवं समावेशन की विधियों का पालन कर कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए समानतापूर्ण अवसर सुनिश्चित करती हैं।

अग्रगामी सोच वाले अनेक संगठनोंए जैसे अमेजन इंडिया के लिए लैंगिक समानता मुख्य प्राथमिकता है फिर चाहे महिलाओं के एक समान प्रतिनिधित्व पर बल दिया जाना हो या फिर विविधता के लिए भर्ती या महिला उद्यमियों का सहयोग करना हो। अमेजन महिलाओं के अनुपात के लिए लक्ष्य स्थापित करता है विभिन्न कार्यों के लिए भर्ती में 50: रिज्यूमे महिलाओं के होने के साथ सही इनपुट पर बल देता है, और महिलाओं को भर्ती में सफल होने एवं अपने कार्य में आगे बढ़ने में समर्थ बनाने के लिए मेंटरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकास करता है। अमेजन पर हजारों महिलाएं अपनी पहचान बना रही हैं और पुरानी मान्यताओं को तोड़ रही हैं, उन्हीं में से दो दिल्ली स्थित अमेजन कर्मचारी एवं सैलर की कहानी यहां दी जा रही हैए जिन्होंने नई ऊंचाइयां छूकर सप्लाई चेन एवं उद्यमशीलता में गैरपारंपरिक मार्ग चुनकर अपना करियर स्वयं बनाया।

12 साल तक भारतीय सेना को अपनी सेवाएं देने के बादए मेजर अपर्णा गुलाटी रिटायर्ड ने अपना करियर बदलने और नागरिक जीवन में एक अन्य सफल करियर बनाने का निर्णय लिया। अपनी मां से प्रेरणा लेकरए अपर्णा सदैव अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती थी, फिर चाहे उसे अत्यधिक ऊंचे इलाकों में अपनी सेवाएं देना हों या फिर अमेजन पर टीम का नेतृत्व करना हो। वह आर्मी मेडिकल कोर में एक डॉक्टर कार्डियेक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट लेफ्टिनेंट कर्नल कुणाल सरीन की विवाहिता हैं। अपर्णा को शादी के बाद भी महिलाओं की स्वतंत्रता एवं सफल करियर का समर्थन करने वाला जीवनसाथी मिला।

आज अपर्णा गुलाटी उत्तरी क्षेत्र के लिए सेलर फ्लेक्सए मिडिल माईल ऑपरेशंस का नेतृत्व करती है। अपनी इस भूमिका में वह उत्तर भारत में बाहरी फुलफिलमेंट नोड्स से शिपमेंट पिकअप ऑपरेशंस की योजना बना कर उनका क्रियान्वयन करती है और उन्हें क्षेत्र में सॉर्ट सेंटर्स के साथ जोड़ती है। अमेजन में केवल 9 महीने काम करने के बावजूद, अपर्णा को एक बड़ा ऑपरेशन एवं टीम का नेतृत्व करने का अवसर दिया गया। अपने इस सफर के बारे में अपर्णा ने बताया, अमेजन की संस्कृति समावेशी है। यहां हर व्यक्ति के दृष्टिकोण को सुना जाता हैए फिर उसकी पृष्ठभूमि चाहे कोई भी हो। यहां प्रतिभागिताए टीम वर्क को प्रोत्साहित किया जाता है और हर व्यक्ति का सम्मान होता है तथा उन्हें समावेशन और समानता का अहसास मिलता है। हम हर दिन सुधार करनेए इनोवेट करने और चुनौतियां स्वीकार करने का प्रयास करते हैं ताकि हम बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान कर सकें।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 24 फरवरी, 2022

पहले कुदरत ने मारा अब अधिकारी कटवा रहे चक्कर

बीके अस्पताल में मनोरोग विशेषज्ञ नहीं होने के कारण परेशान हो रहे मनोरोगी

कविता। फरीदाबाद

बीके अस्पताल में सर्टिफिकेट के लिए लगी दिव्यांगों की भीड़।

सर्टिफिकेट के लिए मानसिक रोगियों की लगी भीड़।

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल में मनोरोग विभाग में चिकित्सक न होने से मानसिक रोगी बच्चों को सर्टिफिकेट बनवाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसा ही बीके अस्पताल में देखने को मिला। जहां मनोरोग विशेषज्ञ के अभाव में बच्चों को या तो सेक्टर-14 के नशामुक्ति केन्द्र में भेजा जा रहा है या फिर उन्हें रोहतक के चक्कर कटवाये जा रहे हैं। जिसके कारण उन्हें एक सर्टिफिकेट के लिए महीनों चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

ये है पूरा मामला

15 साल का लक्ष्मण पहले ही कुदरत की मार के कारण परेशान है। अब जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा चक्कर कटवाए जा रहे हैं। लक्ष्मण मानसिक रूप से बीमार है। उसकी पेंशन शुरू कराने के लिए उसके पिता ने ऑनलाइन फार्म भरा था, लेकिन यहां आने पर उसे एक विशेष जांच कराने के लिए सेक्टर-14 स्थित रेडक्रॉस द्वारा चलाये जा रहे नशा मुक्ति केन्द्र में एक जांच कराने के लिए भेज दिया गया। व्यक्ति को इस केन्द्र के बारे में कुछ नहीं पता था। जिस कारण वह कार्ड पर लिखे पते के बारे में यहां से वहां पता करने लगा। इसी तरह यहां प्रमाण पत्र बनवाने आए लोगों ने बताया कि जिला स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन अधिकारी उन्हें टाल कर वापस भेज देते हैं।

ऐसा ही उनके साथ हर बार होता है। लक्ष्मण की तरह ही वहां मौजूद अन्य दिव्यांगजनों ने बताया कि उन्हें यहां आने पर पहले तो कुछ मालूम नहीं चलता। जिसके कारण से वह लौट गए थे। किसी ने उन्हें ऑनलाइन एप्लाई की बात कही। जिसके बाद उन्हें यहां बुलाया जा रहा है, लेकिन कुछ न कुछ कमी बताकर उन्हें वापस लौटा दिया जाता है। लोगों का कहना था कि गरीबी में वह यहां से वहां चक्कर काटने को मजबूर हैं। उनका कहना था कि परिवार पहले ही कुदरत की मार झेल रहे हैं। वहीं जिला स्वास्थ्य अधिकारी उन्हें यहां से वहां चक्कर कटवा रहे हैं।

दस साल से फरार लूट का आरोप गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-17 की टीम ने 10 साल से लूट के मामले में फरार चल रहे आरोपी जमिल को नीलम चौक फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी जमिल पलवल के गांव कोट का रहने वाल है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि वर्ष 2012 में प्याली चौक कोतवाली में ट्रैक्टर-ट्राली और 1800 रुपये लूट में आरोपी ने ट्रॅक्टर-ट्राली को मुख्य आरोपी शली (गैंग) से लेकर आगे बेचा था। पुलिस ने पहले 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जिसमें आरोपी रहीश निवासी फतेहपुर तगा फरीदाबाद, अर्शद उर्फ राणा, सुबी, अनीश, जमशेद और शली गांव घुडासन पलवल के रहने वाले हैं। आरोपी शाकीर उर्फ नशेडी और काशम उत्तर प्रदेश के विसम्बरे गांव के रहने वाले हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांग कल्याण शिविर में पहुंचे पूर्व उद्योग मंत्री

सेक्टर 7 स्थित माहश्वेरी भवन में आयोजित शिविर में दिव्यांग को ट्राईसाइकिल देते पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल व अन्य संस्था के सदस्य।

फरीदाबाद। महेश्वरी सेवा ट्रस्ट फरीदाबाद द्वारा जिला रेडक्रॉस सोसायटी एवं समाज कल्याण विभाग फरीदाबाद तथा भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर के सहयोग से फरीदाबाद के सेक्टर 7ए में माहेश्वरी सेवा सदन के अंदर एक विशाल नि:शुल्क दिव्यांग कल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 20 से 24 फरवरी तक लगाए जाने वाले कैंप में अब तक 1100 विकलांग व्यक्तियों के रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं और लगभग 800 व्यक्तियों को संस्था द्वारा कैंप से लाभ दिया जा चुका है। जिला प्रशासन के तत्वावधान में आयोजित कैंप में दिव्यांगों को कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, पोलियो ग्रस्त व्यक्तियों को कलीपर्स, बैशाखियां, हाथ से चलाने वाली व्हील चेयर, ट्राईसाइकिल और कानों के सुनने वाली मशीन आदि नि:शुल्क वितरित किये जा रहे हैं। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री विपुल गोयल ने संस्था के सभी पदाधिकारियों के इस नेक कार्य की सराहना की। रमेश झंवर ने बताया कि हमारी संस्था आगे भी लोगों की ऐसे ही सेवा करती रहेगी। मौके पर महेश गट्टानी, अध्यक्ष, नारायण प्रसाद झंवर, रमेश चंद्र, विकास कुमार, मनीष राघव, सुशीला देवी, रमेश झंवर, घनश्याम बिनानी, इंदू बिनानी, पुष्पा झंवर, मनीष नेवर, दुर्गा मुन्द्रा, डॉक्टर आरके मुन्द्रा, श्रवण विरमानी, हरि सोमानी, आनंद बागड़ी, राजू सोमानी, शैलेश मुद्रा, नवल मुद्रा आदि लोग मौजूद थे।

श्री राम कथा में बही ज्ञान की गंगा

फरीदाबाद। राजीव कॉलोनी प्राचीन शिव मंदिर में चल रही श्री राम कथा के चतुर्थ दिवस भगवान श्री राम के बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। काशी से पधारे महाराज आचार्य सर्वेश पाण्डे ने बताया भगवान राम की बाल लीला से हमें अपने बच्चों में संस्कार देना चाहिए भगवान बाल्यकाल में जो आचरण करते हैं। जो व्यवहार करते हैं जो संस्कार दिखाते हैं। वह संस्कार आज हम अपने बच्चों को नहीं दे पा रहे, इसके लिए आवश्यक है कि आप भगवान के चरित्र को श्रवण कर ज्यादा से ज्यादा बच्चों को बताएं समझाएं संस्कार परिवार से ही मिलता है, व्यवहार और संस्कार बाजार में मिलने वाली चीजें नहीं है। जिस तरह प्रेम भाव श्रद्धा आनंद यह शरीर के अंदर से प्रवाहित होता है। बाजार में नहीं मिलता इसी तरह संस्कार व्यवहार भी बच्चों को परिवार से मिलता है। सब गुड मॉर्निंग में गुड नाइट में चले जा रहे हैं भारतीय संस्कृति में एक छोटा व्यक्ति बड़े व्यक्ति को प्रणाम करता है तो उसको आशीर्वाद देता है। गुड मॉर्निंग गुड मॉर्निंग गुड मॉर्निंग बोलता है तो दोनों बराबर हो गए बड़े छोटे का महत्व नहीं रह गया, इसलिए इस कलयुग में कलयुग के पाप को बढ़ने से रोकने के लिए जरूरी है श्री राम जी की कथा का श्रवण करें। कथा के चतुर्थ दिवस महाराज से आशीर्वाद लेने के लिए फेडरेशन ऑफ प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन फरीदाबाद के चेयरमैन विमल पाल जी पधारे उनके साथ सेक्टर 37 से स्कूल के प्रबंधक शिव दरस यादव, खेड़ी गांव से भारद्वाज महाराज से आशीर्वाद लेने पहुंचे।

व्यापार मंडल ने जजपा अध्यक्ष का किया सम्मान

फरीदाबाद। जिले की सभी सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संस्थाओं और व्यापार मंडल फरीदाबाद के प्रधान राजेश भाटिया ने जजपा संस्थापक डॉ. अजय सिंह चौटाला के भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह की प्रारंभ सुबह 10 बजे अरावली स्कूल सूरजकुंड रोड नजदीक मानव रचना कॉलेज से रोड शो के द्वारा किया गया जोकि, अनखीर चौक, सेक्टर-21, गांधी कालोनी, एनएच-5 होते हुए, बीके चौक, नेहरू ग्राउंड बीकानेर रोड, कल्याण सिंह चौक, श्री सिद्धपीठ हनुमान मंदिर, मिलाप दवाखाना चौक होते हुए व्यापार मंडल के प्रधान राजेश भाटिया द्वारा निर्धारित समारोह स्थल तक डॉ. अजय सिंह चौटाला को लाया गया। रोड शो के दौरान सभी सामाजिक धार्मिक व व्यापारी संगठनों ने जगह-जगह पर स्वागत द्वार लगाए और पुष्प वर्षा, पुष्प मालाओं और मिठाई द्वारा उनका स्वागत किया। यहां पर जजपा के रंग से फरीदाबाद को रंगा गया। महिलाओं की भागीदारी भी कार्यक्रम में अच्छी रही। डॉ. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि सबको पता है कि दो साल के अंतराल में हरियाणा सरकार का जो विकास का पहिया घूमना था, वह आप के अनुरूप नहीं घूम पाया। जो दो सालों में कमियां रही हैं, वह आगामी तीन सालों में विकास होगा। सम्मान समारोह के आयोजक व ब्यापार मंडल फरीदाबाद के प्रधान राजेश भाटिया के साथ, महासचिव-बंसीलाल कुकरेजा, उपप्रधान-अमर बजाज, उपप्रधान-सोमनाथ ग्रोवर, संजय शर्मा (पीके), संयुक्त सचिव-गगन अरोड़ा, ओल्ड फरीदाबाद के प्रधान-नीरज मिगलानी, सुधीर भाटिया, राजेश भाटिया (कानपुर वाले), रिंकल भाटिया, मनोज कुमार रतड़ा, अजय शर्मा, अनिल अरोड़ा, आशीष अरोड़ा, प्रेम बब्बर व जजपी के राष्ट्रीय सचिव-कृष्ण जाखड़, राष्ट्रीय सचिव-ठाकुर राजाराम, ग्रामीण जिला अध्यक्ष-तेजपाल डागर, शहरी जिला अध्यक्ष-अरविंद भारद्वाज, युवा जिला अध्यक्ष-नलिन हुड्डा व अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

डालसा ने किया जागरूक

फरीदाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर के आदेशानुसार वह मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में मानव रचना यूनिवर्सिटी के ला के स्टूडेंट व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल एडवोकेट रविंदर गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर, ओम प्रकाश सैनी व शिवकुमार ने गांव अंखिर में घर-घर जाकर उनकी कानूनी कानूनी समस्याओं के प्रति जागरूक किया। जिसमें सैनिटेशन व एनवायरमेंट से संबंधित, एजुकेशन से संबंधित, कास्टीज्म,अनोर्गनाइज्ड लेबर, हेल्थ एंड हाइजीन, जेंडर इनिक्वालिटी, नशे से ,डोमेस्टिक वायलेंस, ह्यूमन ट्रैफिकिंग से संबंधित व अन्य समस्याओं को जाना व वहां रहे गांव वालों को इन समस्याओं से संबंधित कानूनों के बारे में जानकारी दी गई तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण किस प्रकार गरीब व असहाय लोगों की मदद करता है उसके बारे में बताया गया।

महिला पुलिस कर्मी की हत्या कर पति ने लगाई फांसी

मृतका हवलदार सरोज के पिता की शिकायत पर थाना सेक्टर 31 में हत्या का मामला दर्ज किया गया है

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीके अस्पताल की मोरचरी के बाहर खड़े मृतक दंपति के परिजन।

मृतक सरोज और धर्मन्द्र की फाइल फोटो।

सेक्टर 30 स्थित पुलिस लाइन में रहने वाली महिला हवलदार की बीती रात उनके पति ने गला दबा कर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद भी गले में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिये।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह थाना सेक्टर-31को सूचना मिली कि पुलिस लाइन क्वार्टर नंबर 60 में हत्या और आत्महत्या का वारदात हो गई है। सूचना पर तुरंत थाना प्रबंधक सेक्टर 31, एसीपी, डीसीपी मुख्यालय, क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक टीम घटना स्थल पर पहुंच कर निरीक्षण किया गया। महिला का शव बेड पर था और पुरुष का शव पंखे से लटक रहा था। दोनों के परिजनों को सूचित कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल भेजा गया। मृतका सरोज महिला थाना एनआईटी में मुख्य सिपाही के पद पर कार्यरत थी। जिसकी उसके पति ने गला दबाकर हत्या कर दी थी और खुद को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

बालधन, थाना जाटुसाना निवासी मृतका सरोज की शादी नानगवास निवासी धर्मेंद्र के साथ 2005 हुई थी। मृतका सरोज 2010 में हरियाणा पुलिस में भर्ती हुई थी और 2018 में हवलदार बनी। वर्तमान में महिला थाना एनआईटी में कार्यरत थी। धर्मेंद्र अपनी टैक्सी चलाता था। मृतका सरोज एवं धर्मेन्द्र का 14/15 साल का एक बेटा है। हत्या और आत्महत्या की वारदात के समय बेटा ट्यूशन गया हुआ था। ट्यूशन से वापसी आने पर जब दरवाजा नहीं खोला गया तो बेटा सामने रह रहे एक अन्य पुलिस परिवार के घर पर सो गया। अक्सर बेटा जब मां ड्यूटी पर होती थी और पिता भी गाड़ी लेकर चला जाता था तो पड़ोस में ही सो जाता था। सुबह 7.30 बजे जब दूध वाला आया 2/3 बार बेल देने पर अंदर से दरवाजा नहीं खोला तब उसने पड़ोसियों को इस बारे में सूचना दी।

पड़ोसियों ने खिड़की से झांक कर देखा तो सरोज बेड पर पड़ी हुई थी और धर्मेंद्र फांसी पर लटका हुआ था, पड़ोसियों ने थाना सेक्टर 31 पुलिस को सूचना दी। दोनों के परिजन बीके हॉस्पिटल पहुंचे। पोस्टमार्टम कराकर दोनों के शव परिजनों के हवाले किए गए हैं। मृतका हवलदार सरोज के शोक के लिए ससुराल, पति के गांव मे सलामी गार्द भेजी गई है। दोनों का अंतिम संस्कार सरोज के ससुराल, पति के गांव में किया जाएगा।

खबर का असर: खबर छपते ही उतार दिया उल्टा बोर्ड

पायनियर में छपी खबर के बाद उल्टे बोर्ड को उतार लगाया पुराना बोर्ड।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पायनियर में छपी खबर की कटिंग

बीके और नीलम चौक के बीच इलेक्शन कमीशन का उल्टा बोर्ड लगा दिया था। जिसे पायनियर ने अपने 23 फरवरी के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया और बताया कि किस तरह से सरकारी योजनाओं का लाभ आम आदमी तक पहुंचाने और लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए सरकार पैसा पानी की तरह बहा रही है।

इसी कड़ी में सरकार मतदान के प्रति भी जागरूक कर रही है। इसके लिए जिला प्रसाशन की तरफ से जोर शोर से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। ताकि लोग जागरूक हो सके। लेकिन अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही से यह पैसा व्यर्य हो रहा है। जिसमें पायनियर की तरफ से नीलम चौक के निकट लगे जागरुकता बोर्ड को दर्शाया गया, कि लोगों को जागरूक करने के लिए लगाया गया चुनाव आयोग का बोर्ड उल्टा लगा दिया गया। मंगलवार को पूरा दिन बोर्ड के ऐसा लगा होने की खबर से बुधवार को कर्मचारियों के हाथ पांव फूल गए और बोर्ड को कर्मचारियों ने उतार दिया और वहां मंत्री के जन्मदिन का पुराना बोर्ड लगा दिया और चुनाव आयोग के बोर्ड को उतारकर नगर निगम मुख्यालय के बाहर लगा दिया।

जेसी बोस की दो विद्यार्थियों ने उत्तीर्ण की नेट परीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की तरफ से आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी- नेट) में जेसी बोस विश्व विद्यालय के फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट एवं मीडिया स्टडीज के दो विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है।

शनिवार को जारी हुए नतीजों में विश्वविद्यालय की इंग्लिश विभाग की 2020 -21 बैच की छात्रा सान्या खेतरपाल व मीडिया विभाग की 2016 -18 बैच की छात्रा कविता सिंह ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस परीक्षा के माध्यम से जेआरएफ उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को भारत सरकार की तरफ से सहायक प्रवक्ता की अहर्ता समेत शोध कार्य के लिए फेलोशिप प्रदान की जाती है। नेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए अहर्ता प्राप्त करते हैं। दोनों ही विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्व विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं विभाग के चेयरपर्सन एवं डीन प्रोफेसर अतुल मिश्रा ने भी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है व कहा है की विश्व विद्यालय में हर तरह की पात्रता एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए संसाधन उपलब्ध हैं विद्यार्थी इन संसाधनों का प्रयोग करके अपने लक्ष्य को पा सकते हैं। मीडिया विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर पवन सिंह एवं अंग्रेजी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर दिव्यज्योति ने कहा की यह विश्वविद्यालय एवं विभाग के लिए गर्व का विषय है की विभाग के दो विद्यार्थियों ने इस परीक्षा को उत्तीर्ण किया है।

किराना स्टोर्स का कारोबार 150 फीसदी बढ़ा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोविड-19 महामारी के चलते तकरीबन सभी उद्योगों में डिजिटल बदलाव आए हैं, क्योंकि इंफेक्शन को फैलने से रोकने के लिए सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करना अनिवार्य हो गया है। स्थानीय रीटेल स्टोर्स की बात करें, तो महामारी के बाद से इनके संचालन में भी बड़ा बदलाव आया है, पहली बार उनके कारोबार डिजिटल हो गए हैं।

इस बदलाव को अपनाना ज्यादातर रीटेलर्स के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था, जिन्हें भारतीय ई-कॉमर्स की असमानताओं के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस बीच, हाइपरलोकल ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस लवलोकल, स्थानीय रीटेलरों को इस डिजिटल बदलाव में मदद कर रहा है। महामारी की शुरुआत के बाद से ही कंपनी तकरीबन एक लाख किराना स्टोर्स को डिजिटल रूपांतरण में और उनके कारोबार को 150 फीसदी तक बढ़ाने में मदद कर चुकी है। किराना स्टोर्स सीमित इंवेंटरी के साथ कम मार्जिन पर काम करते हैं। लवलोकल उन्हें अपनी प्रोडक्ट रेंज बढ़ाने में मदद करता है। उनकी डिजिटल दुकान से होने वाले कमाई के कारण फिजिकल किराना स्टोर का मुनाफा बढ़ जाता है, और कुछ मामलों में तो उनकी डिजिटल कमाई, फिजिकल कमाई से भी अधिक हो जाती है। बिना किसी अतिरिक्त लागत के मुनाफा बढ़ना, किराना स्टोर के लिए फायदेमंद होता है- इस मुनाफे से अपने प्रोडक्ट्स की रेंज को बढ़ा सकते हैं, ज्यादा सेल्स और ज्यादा मुनाफा पा सकते हैं और आस-पास के क्षेत्रों तक अपनी पहुंच बढ़ा सकते हैं।

आकांक्षा हजारी, संस्थापक एवं सीईओ, लवलोकल ने कहा, 'स्थानीय कारोबार भारत में 40 फीसदी से अधिक नौकरियों में योगदान देते हैं। वे हमारी अर्थव्यवस्था और समुदायों की रीढ़ हैं। लवलोकल तकनीकी खामियों को दूर कर सुनिश्चित करता है कि हमारे स्थानीय रीटेलर न सिर्फ अपने कारोबार को बनाए रख सकें बल्कि इंडिया 2.0 और इस दायरे से बाहर भी इनका अस्तित्व बना रहे और वे अच्छा मुनाफा कमाते रहें।' लवलोकल का उपयोग करने वाले किराना स्टोर के मालिकों का कारोबार बढ़ा है; लवलोकल पर डिजिटल दुकान के माध्यम से उनका मुनाफा दोगुना हो गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें ऑनबोर्डिंग, मार्जिन या कमीशन के लिए अतिरिक्त शुल्क नहीं चुकाना पड़ता है। ज्यादातर किराना स्टोर मालिकों का कहना है कि उनकी डिजिटल सेल्स अब उनके कारोबार का 50 फीसदी हिस्सा बनाती है। कुछ मामलों में तो उनकी 70 फीसदी कमाई डिजिटल स्टोर से ही हो रही है।

निगम कर्मियों ने किया रोष प्रदर्शन

फरीदाबाद। नगर निगम कर्मचारियों ने लगातार दूसरे दिन भी भोजन अवकाश के समय निगम मुख्यालय के प्रांगण में जनसभा आयोजित कर रोष प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्यव्यापी आंदोलन के तहत प्रदेश के पालिका, परिषदों और नगर निगम के कर्मचारी मंगलवार से ही रोष प्रदर्शन कर रहे हैं। अब 25 फरवरी को प्रदेश के सभी 90 शहरों के मुख्य बाजारों में उल्टी झाड़ू कर सरकार की वादा खिलाफी के खिलाफ तथा अपनी मांगें लागू कराने को प्रदर्शन करेंगे। गेट मीटिंग एवं प्रदर्शन की अध्यक्षता संघ के जिला प्रधान गुरचरण सिंह खांडिया ने की और मंच संचालन सफाई कर्मचारी यूनियन के सचिव कृष्ण चिंडालिया ने किया। मीटिंग में संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री, उप महासचिव सुनील चिंडालिया, उपाध्यक्ष कमला सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव बलबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

सुविधाएं देने में भाजपा सरकार फेल साबित हुई: कौशिक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रदेश कांग्रेस महासचिव बलजीत कौशिक के नेतृत्व में विधायक व निगम अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन करते लोग।

पेयजल में सीवर का बदबूदार व गंदा पानी के विरोध में फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सेक्टर-19 वासियों ने पूर्व विधायक आनन्द कौशिक के अनुज एवं प्रदेश कांग्रेस महासचिव बलजीत कौशिक के नेतृत्व में विधायक व निगम अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। सेक्टर-19 वासियों ने कौशिक को बताया कि कई माह से लगातार क्षेत्र में दूषित पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। बार-बार इस गंदे पेयजल की शिकायत पार्षद, विधायक व निगम प्रशासन को कर-कर के थक चुके हैं किन्तु अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं हो सका है।

इस प्रदर्शन में बलजीत कौशिक ने उपस्थित लोगों को कहा कि कांग्रेस सरकार में कभी भी क्षेत्र में पेयजल समस्या नहीं हुई। पूर्व विधायक आनन्द कौशिक ने क्षेत्र की पेयजल की समस्या को देखते हुए यहां मीठे पानी का बूस्टर बनवाया था, आरएमसी सड़कों का जाल पूरी विधानसभा क्षेत्र में बिछाने का काम किया, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार इन सड़कों की मरम्मत तक नहीं करा पा रहे है। वहीं पेयजल की समस्या से आम जन परेशान है। प्रदेश कांग्रेस महासचिव बलजीत कौशिक ने निगम आयुक्त डा. यशपाल यादव से फोन पर बात कर पेयजल समस्या का समाधान करने को कहा। जिस पर यादव ने जल्द से जल्द से पेयजल समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद कौशिक ने कहा कि अगर निगम प्रशासन इस समस्या का समाधान समय रहते नहीं करेगा तो वह क्षेत्रवासियों के साथ निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन करेंगे। स्थानीय निवासी दीपक गुप्ता, आरके अग्रवाल, पवन गुप्ता, रतन गुप्ता, अनूप शर्मा, एलएन मित्तल, विजय वर्मा, जीडी शर्मा, सुरेश पंजाबी, उदयचंद, डीपी शर्मा, राजकुमार अरोड़ा, एलआर कौशिक, विजय कपूर, मेहरचंद पाराशर, विकास फागना, रामप्रवेश कुमार, शिव रतन, माया गुप्ता, राजकुमार वर्मा, राजेश गुप्ता, मुकेश अरोड़ा, डीडी शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, अरुण, कपिल, एम. ज्योति, दिनेश, नवीन आदि उपस्थित थे।

गणितज्ञ प्रो. सुशील कुमार बने जेसी बोस के कुलपति

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जाने-माने गणितज्ञ तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के गणित विभाग के प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने बुधवार को जेसीबोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति का पदभार ग्रहण किया। वे विश्वविद्यालय के सातवें कुलपति हैं। उन्होंने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति श्री राज नेहरू का स्थान लिया है, जो 3 नवंबर, 2021 को प्रोफेसर दिनेश कुमार के कार्यकाल की समाप्ति के बाद से विवि के कार्यवाहक कुलपति के रूप में कार्य कर रहे थे।

कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, संकाय और स्टाफ सदस्यों ने विश्वविद्यालय पहुंचने पर प्रो. सुशील कुमार तोमर का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर निवर्तमान कुलपति श्री राज नेहरू, जोकि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय तथा प्रो दिनेश कुमार जोकि हाल ही में गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति बने है, ने विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण करने पर प्रो. तोमर को शुभकामनाएं दी।

प्रो. तोमर ने पदभार ग्रहण करने से पहले महान वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रो. एस एन मिश्रा-सेवानिवृत्त, जीवन विज्ञान संकाय, एमडीयू, प्रो. आशीष अरोड़ा, पीटीयू, जालंधर और रोहतक से डॉ. जय भगवान भी उपस्थित थे।

अपनी नियुक्ति पर हरियाणा के राज्यपाल और कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय का आभार व्यक्त करते हुए प्रो. तोमर ने कहा कि नई शिक्षा नीति का प्रभावी कार्यान्वयन और चल रहे शैक्षणिक एवं बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं को गति देना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

हनुमानजी चार धाम प्रोजेक्ट की तीसरी प्रतिमा का शिलान्यास

108 फीट की होगी प्रतिमा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उद्योगपति निखिल नंदा ने 2008 में हनुमानजी चार धाम प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। इस श्रेणी में पहला प्रोजेक्ट 2010 में जाखू मंदिर (शिमला) में पूरा किया गया था, जिसका अनावरण हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने किया था। दूसरी प्रतिमा मोरबी, गुजरात में स्थापित की जा रही है। इसकी शुरुआत 2016 में हुई थी और मार्च, 2022 में इसका काम पूरा हो जाएगा। अब रामेश्वरम, तमिलनाडु में तीसरी प्रतिमा का शिलान्यास बुधवार, 23 फरवरी को किया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय महासचिव दत्तात्रेय होसबले समेत विभिन्न गणमान्य लोगों की उपस्थिति में एचसी नंदा ट्रस्ट और निखिल नंदा ने शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर आरएन चौबे (आईएएस मेंबर यूपीएससी के पूर्व सचिव) भी उपस्थित रहे। शिमला के जाखू हिल और गुजरात के मोरबी के बाद अब इस तीसरी प्रतिमा को हरीश चंदर नंदा एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट स्थापित करा रहा है। 8100 फीट की कुल ऊंचाई के साथ जाखू स्थित हनुमान प्रतिमा को दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा माना जाता है। सालभर यहां लाखों हनुमान भक्त दर्शनार्थ आते हैं। यह हनुमानजी को समर्पित एक आधुनिक धाम बन गया है। महत्वाकांक्षी परियोजना के बारे में एचसी नंदा ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री निखिल नंदा ने कहा, 'करीब 15 वर्ष पहले हनुमानजी ने मुझे इस पवित्र काम के लिए चुना और उनके ही आशीर्वाद से मैं देश के चारों कोनों में हनुमानजी के चार धाम स्थापित कर रहा हूं। यह सोचकर खुशी हो रही है कि हम इस लक्ष्य के निकट पहुंच रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'श्रीराम के चरण पड़ने के कारण रामेश्वरम को बहुत पवित्र स्थल माना जाता है। इसलिए हनुमानजी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए इससे अच्छी कोई जगह नहीं हो सकती है। लंका जाने के लिए हनुमानजी ने यहीं से छलांग लगाई थी। मुझे विश्वास है कि यहां हनुमानजी की यह प्रतिमा सभी के लिए आकर्षण एवं श्रद्धा का केंद्र बन जाएगी।'

पंजाब में नशाखोरी

कठोर कदम जरूरी

पंजाब में नशाखोरी एक बड़ी समस्या है और इससे कठोरता से निपटा जाना चाहिए। राज्य को तत्काल कदम उठा कर नशे की विभीषिका समाप्त कर एक पूरी पीढ़ी की रक्षा करनी चाहिए। 20 फरवरी को हुए विधानसभा चुनाव में भी यह बड़ा मुद्दा रहा। सभी राजनीतिक पार्टियों ने कार्रवाई का वादा किया है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि अब तक नशे के व्यापारियों व प्रभावशाली लोगों को क्यों नहीं पकड़ा गया जिनमें कथित रूप से अनेक राजनेता शामिल हैं। विडंबना है कि ग्रामीण चुनाव क्षेत्रों के गांवों में जाने पर राजनीतिक प्रचारकों को स्थानीय नशा-विरोधी समितियों का सामना करना पड़ा जो अपने गांव में आने वाले सभी बाहरी लोगों पर नशे का व्यापारी होने का संदेह करती हैं। यह विभीषिका की भयावहता है। बताया गया कि एक निर्वाचन क्षेत्र में नशे के जाल में फंसे 55 लोग पिछले दशक में मर गए हैं। यह भी विडंबना है कि प्रिवेंशन एंड कंट्रोल आफ सब्सटेंस एब्यूज़ के दूसरे संस्करण का रोडमैप पंजाब में चुनाव के एक दिन पहले जारी हुआ। इसे पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च-पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में कम्युनिटी मेडिसिन के प्रोफेसर डा.जे.एस. ठाकुर ने तैयार किया है। इसके अनुसार पंजाब में 30 लाख लोग शराब समेत एक या दूसरे किस्म के नशों का प्रयोग करते हैं और अब यह कोई खास खबर नहीं है। चिन्ताजनक तथ्य यह है कि 1.7 लाख करोड़ लोग अफीम, भांग व सांस से लिए जाने वाले उत्तेजकों या शामकों के नशे के आदी हैं। नशे के शिकार लोगों की उचित संख्या का पता शायद नहीं लगता है क्योंकि

पंजाब सरकार द्वारा 2015 में कराए एक सर्वेक्षण के अनुसार राज्य में इनकी संख्या 2,30,000 थी। यह संख्या बढ़ रही है। अफीम का सेवन करने वाले देश के एक तिहाई लोग पंजाब में हैं। नशे के लिए औषधियों का प्रयोग करने वालों में पंजाब तीसरा सबसे बड़ा राज्य है। पंजाब में नशे के शिकार अधिकांश लोग हानिकारक या निर्भर श्रेणी में आते हैं। कुछ लोग सांस से साइकोएक्टिव दवाओं का सेवन करते हैं और इनकी गिनती भी बढ़ रही है। एक श्रेणी के नशों का प्रयोग बच्चे और बूढ़े भी करते हैं। कुछ विरल क्षेत्रों में हैल्यूसिनोजेन प्रयोग की बात भी कही जाती है। अब परंपरागत नशों, जैसे भांग, कोकीन व हेरोइन के बजाय संश्लेषित नशों जैसे ट्रामाडोल का रुझान अधिकांश कस्तों में बढ़ रहा है। सवाल है कि इसके बारे में क्या किया जा सकता है? यदि पंजाब को नशे के दुष्चक्र से बाहर निकालना तथा एक पूरी पीढ़ी को बचाना है तो तीन आयामों पर तत्काल ध्यान दिया जाना चाहिए। पहला, राज्य में नशा प्रवेश के रास्ते बंद करने चाहिए। अतीत में यह सीमावर्ती राज्य स्वाभाविक रूप से सीमापार से सप्लाई का प्रवेश बिंदु बना है। लोगों को राज्य पुलिस पर ज्यादा विश्वास नहीं है कि वह नशे के बड़े व्यापारियों को पकड़ेगी। दूसरा, नशे का परिवहन सुनिश्चित कर लाखों रुपये कमाने वाले प्रमुख लोगों तथा इसका वितरण करने व इस पर नियंत्रण रखने वाले गिरोहों की पहचान होनी चाहिए। इस संदर्भ में कुछ प्रमुख राजनेताओं के नाम लिए जाते हैं। तीसरे और महत्वपूर्ण रूप से नशे के शिकार लोगों को बचाना जरूरी है। पंजाब सरकार के पास लोगों को नशे के चंगुल से छुड़ाने की व्यापक व्यवस्था है। लेकिन केवल समन्वित दृष्टिकोण तथा तीनों आयामों का मिश्रण ही कारगर हो सकता है। क्या नई सरकार इस समस्या पर लगाम लगाने का प्रयास करेगी?

चुनावों में खैरात बांटने का बोझ

केवल सुप्रीम कोर्ट ही इस दुष्टतापूर्ण व्यवहार को समाप्त कर मूल्यवान प्राकृतिक संसाधनों को अनैतिक राजनीतिक वर्ग के चंगुल से छुड़ा सकता है।

गोविंद भट्टाचार्जी
(लेखक, सीएजी कार्यालय के पूर्व महानिदेशक हैं।)

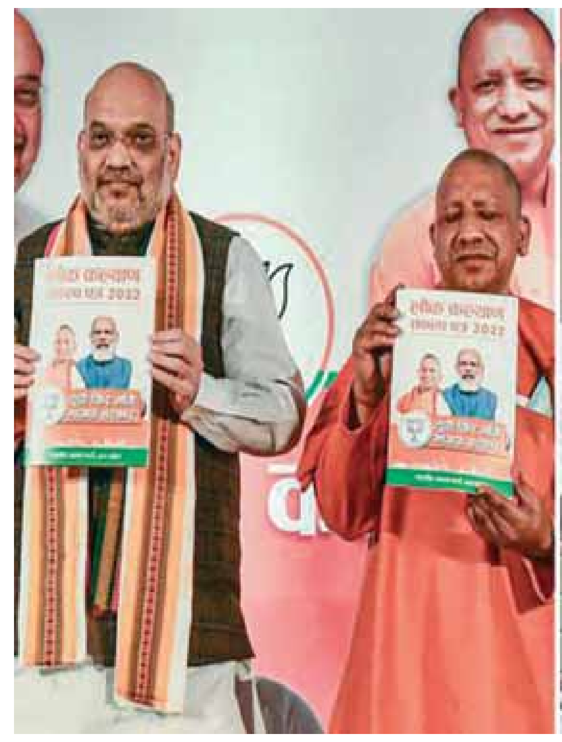

भारतीय पौराणिक साहित्य में एक दैवी वृक्ष कल्पतरु की कल्पना की गई है जो सहायता मांगने वाले सबकी इच्छा पूरी करता है। चुनाव के समय में सभी राजनीतिक पार्टियां कल्पतरु की तरह सभी प्रकार के वादे करती हैं और लालची तथा प्रभावित करने योग्य मतदाताओं के लिए खैरात की बरसात होने लगती है। हर पार्टी संसाधनों की चिन्ता किए बिना दूसरी पार्टी को पछाड़ने में लग जाती है। इस प्रक्रिया में हर चुनाव एक प्रकार से मूर्खतापूर्ण नाटकीयता में बदल जाता है। इस संबंध में उत्तर प्रदेश व पंजाब के वर्तमान विधानसभा चुनावों पर गौर किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में सपा ने परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली, सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली, गरीब और वृद्ध महिलाओं को 1,500 रुपये पेंशन का वादा किया है जिस पर 25,500 करोड़ खर्च आएगा। आप ने 30,000 करोड़ के किसानों के कर्ज माफ करने, 25 लाख नौजवानों में से प्रत्येक बेरोजगार को 5,000 रुपये महीने, 18 वर्ष से अधिक आयु की प्रत्येक महिला के लिए प्रति माह 1,000 रुपये भत्ते तथा परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली के वादे किए हैं।

इन सबसे खजाने पर 55,780 करोड़ का बोझ पड़ेगा। किसान आंदोलन से परेशान भाजपा ने सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली का वादा किया है। उसने दो करोड़ स्मार्टफोन तथा टेबलेट का वादा छात्रों के लिए तथा हर साल होली व दीपावली पर दो मुफ्त गैस सिलिंडरों का वादा किया है। इन सब पर केवल 26,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। कांग्रेस ने कक्षा 12 पास करने वाली लड़कियों को स्मार्टफोन व ई-स्कूटर, 25 लाख वृद्ध महिलाओं के लिए मासिक पेंशन तथा आशा कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़ाने का वादा किया है। इस पर 817 करोड़ रुपये खर्च होंगे जो अन्य की तुलना में बहुत कम है। शायद यह विजय की संभावनाओं को देखते हुए किया गया है। 2021-22 बजट पूर्व अनुमानों के अनुसार उत्तर प्रदेश का राजकोषीय घाटा 90,130 करोड़ तथा 6.53 करोड़ का दायित्व था जो जीएसडीपी का 34 प्रतिशत है। पिछले वित्त वर्ष में इसने 41,430 करोड़ रुपये ब्याज अदायगी पर खर्च किए। इन वादों के लिए कर्ज लेना पड़ेगा जिसके वित्तीय नतीजों से राज्य का विकास व आर्थिक प्रगति प्रभावित होगी। पंजाब भारत का एक सर्वाधिक कर्ज के बोझ से लदा राज्य है जहां कर्ज व जीएसडीपी का अनुपात 53 प्रतिशत से अधिक है और पिछले वित्त वर्ष में उसकी अर्थव्यवस्था 1.85 प्रतिशत संकुचित हुई है। 2021-22 में बजट अनुमानों के अनुसार उसका राजकोषीय घाटा 24,000 करोड़ तथा 2.83 लाख करोड़ का दायित्व था। उस पर कर्ज की ब्याज अदायगी का बोझ ही अकेले 20,000 करोड़ है और वह राजकोषीय रूप से ढलान पर है। लेकिन इसके बावजूद आप ने 300 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा किया है जिससे राज्य का बिजली सब्सिडी खर्च 25,000 करोड़ से अधिक हो जाएगा जो पहले ही 10,668 करोड़ है। इसके नतीजे सभी क्षेत्रों में दिखाई देंगे। बिजली सप्लाई का ढांचा पहले ही राजस्व की कमी का शिकार है और इन खैरातों के कारण डिस्काम को जेन्कोस को अपना भुगतान करने में कठिनाई होगी। इस कारण बैंकों का एनपीए भी बढ़ सकता है। आप ने हर महिला मतदाता को 1,000 रुपये प्रति माह देने का वादा किया है। भाजपा ने किसानों का कर्ज माफ करने के साथ 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा किया है। पीछे रहने के भय से कांग्रेस ने बिजली दरों में कमी करने के साथ ही किसानों को मुफ्त बिजली, प्रति परिवार को 2,000 रुपये प्रति माह व 8 मुफ्त गैस सिलिंडर तथा कक्षा 10 पास करने वाली हर लड़की को 15,000 रुपये देने के वादे किए हैं। इससे पंजाबी मतदाता भले ही खुश हों, पर उनका राज्य कर्ज में गले तक डूब गया है। इन खैरातों से दो प्रकार का असर होगा- भूमिगत जल में और कमी आएगी तथा कृषि अर्थव्यवस्था चौपट होगी।

दुर्भाग्य से तमिलनाडु ने खैरात बांटने को एक कला में बदल कर उसका हर चुनाव में प्रयोग किया है। यदि ऐसा न होता तो हमारे सामने खैरात के कुछ नए विचार सामने आते। 2011 के चुनाव में अन्नाद्रमुक ने बकरियां, सोना, कलर टीवी, ब्लेंडर व पंखे देने का वादा किया और उसे पूरा किया, जबकि कुछ प्राप्तकर्ताओं के पास बिजली के कनेक्शन तक नहीं थे। राज्य में एक लाख करोड़ की खैरात के वादे अक्सर शिक्षा और स्वास्थ्य पर राज्य के कुल खर्च से भी अधिक हो जाते थे। इससे दु:खी होकर एक वकील एस. सुब्रमण्यम ने सर्वोच्च न्यायालय में एक पीआईएल दायर कर खैरातों से चुनाव के प्रभावित होने पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने प्रार्थना की कि इसे लोक प्रतिनिधित्व कानून-आरपीए के अंतर्गत 'रिश्वत' घोषित किया जाए। राजनीतिक पार्टियों का तर्क है कि वे कल्याणकारी राज्य के संवैधानिक लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं और उनको अपने चुनाव घोषणापत्रों में यह घोषणा करने का अधिकार है कि सत्ता में आने पर वे अपने मतदाताओं की किस प्रकार सेवा करेंगी। इस प्रकार उनके द्वारा किए जाने वाले वादे रिश्वत या मतदाताओं को अनावश्यक रूप से प्रभावित करने के प्रयास नहीं हैं।

2013 में दिए फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि 'निसंदेह किसी प्रकार की खैरात से लोग प्रभावित होते हैं। इससे बड़ी सीमा तक स्वतंत्र एवं स्वच्छ चुनाव की जड़ें हिल जाती हैं। सरकारी खर्च पर ऐसी खैरातों के वादे से चुनाव प्रक्रिया प्रदूषित होती है तथा सबको समान स्तर प्रदान करने का काम प्रभावित होता है।' लेकिन उसने यह नहीं स्वीकार किया कि यह आरपीए के अंतर्गत 'भ्रष्ट व्यवहार' है। उसने निर्वाचन आयोग को आदेश दिए कि वह उपयुक्त दिशानिर्देश तैयार करे। चूंकि संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को चुनाव की निगरानी, निर्देशन व नियंत्रण के अर्निबंधित अधिकार देता है, इसलिए उसका दायित्व है कि इस मामले में कदम उठाए। लेकिन शायद राजनीतिक दलों के दबाव में उसने इस व्यवहार को एक प्रकार से वैध ठहरा दिया है। उसके निर्देश में कहा गया है, 'राज्य द्वारा कल्याणकारी उपायों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। लेकिन राजनीतिक पार्टियों को ऐसे वादे करने से बचना चाहिए जो चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता को नुकसान पहुंचाते हों या जिनका लक्ष्य मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करना हो। वादों तथा राजनीतिक पार्टियों द्वारा उनके क्रियान्वयन के बारे में पारदर्शिता होनी चाहिए। वादे विश्वसनीय भी होने चाहिए। जहां खैरात का प्रस्ताव किया गया हो, पार्टियों को मोटेतौर से यह भी बताना चाहिए कि वे इन वादों को पूरा करने के लिए पैसे कैसे एकत्र करेंगी।' इस प्रकार दिशानिर्देशों से राजनीतिक पार्टियों के लिए मैदान खुला रहता है कि वे ऐसे वादे करें जो अदालत के दिशानिर्देशों के खिलाफ न हों। निर्वाचन आयोग भूल गया कि परिपक्व लोकतंत्र में राजनीतिक पार्टी मतदाताओं से केवल अच्छी व भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था का वादा करती है। लेकिन जहां सुशासन कठिन है, वहीं खैरात बांटने के वादे आसान हैं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि खैरात बांटना अस्थाई उपाय है, जबकि कमी, अधिक लागत, क्षमता की कमी जैसी स्थाई समस्यायें बनी रहती हैं। उन्हीं संसाधनों से इनके समाधान के दीर्घकालीन उपाय खोजने होंगे। सर्वोच्च न्यायालय में एक और वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय ने पीआईएल दायर कर केन्द्र को इस संबंध में कानून बनाने का निर्देश देने को कहा है।

चूंकि राजनीतिक पार्टियों की प्रवृत्ति खैरात बांट कर मतदाताओं को प्रभावित करने की है, जबकि पीआईएल के अनुसार, यह न केवल 'लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने पर गंभीर खतरा है, बल्कि इससे लोकतांत्रिक मूल्यों तथा संविधान की भावना को भी खतरा पैदा होता है।' याचिका में निर्वाचन आयोग से एक निर्देश देकर यह सुनिश्चित करने को कहा है कि किसी पार्टी को चुनाव निशान का आबंटन इस शर्त पर होना चाहिए कि वह सरकारी पैसे से खैरात का कोई आश्वासन नहीं देगी या वादा नहीं करेगी। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस रमन्ना के नेतृत्व में तीन न्यायाधीशों की एक पीठ ने मामले की सुनवाई जनवरी में की। न्यायाधीशों के अनुसार, 'निसंदेह यह एक गंभीर मामला है। खैरातों के लिए बजट नियमित बजट से अधिक हो जाता है। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही कहा है, इससे समान आधार बाधित होता है।' राजनेता वर्ग निश्चित रूप से ऐसे किसी प्रयास का भारी विरोध करेगा और निर्वाचन आयोग के झुक जाने की संभावना है। ऐसे में केवल सर्वोच्च न्यायालय ही इस दुष्टतापूर्ण व्यवहार पर रोक लगा सकता है और बहुमूल्य राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधनों को हमारे अनैतिक राजनेता वर्ग के चंगुल से बचा सकता है।

अर्थव्यवस्था में स्टार्टअप का योगदान

> स्टार्टअप अवधारणा की सफलता के लिए मानव संसाधनों का समुचित उपयोग जरूरी है।

उत्तम चक्रवर्ती
(लेखक, जयपुरिया मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में शिक्षक हैं।)

स्टार्टअप देश के आर्थिक विकास के पीछे प्रेरक शक्ति हो सकते हैं क्योंकि उनके पास रोजगार के अवसर पैदा करने और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचने का भारत का सपना पूरा करने की क्षमता है। भारत अब तक 81 से अधिक यूनिकॉर्न स्टार्टअप के साथ सबसे तेजी से बढ़ते यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स में से एक बन गया है। अधिकांश यूनिकॉर्न कंपनियां सॉफ्टवेयर आधारित हैं, अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने के लिए उच्च तकनीक पर निर्भर हैं और अपने दैनिक जीवन की गतिविधियों पर गहरी छाप छोड़ती हैं। ये सभी निजी स्वामित्व में हैं। स्टार्टअप के विचार को विकसित करना आसान नहीं है। यह अभी भी एक नई अवधारणा है और लोग इसकी संभावनाओं के बारे में निश्चित नहीं हैं। धीरे-धीरे, विचार तेजी पकड़ रहा है। स्टार्टअप्स का समाज के हर क्षेत्र पर बहुत प्रभाव पड़ता है। इसने खाना पकाने से लेकर मनोरंजन, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक सभी क्षेत्रों को अपने भीतर समाहित किया है। रोजगार के व्यापक अवसर पैदा हुए हैं जिससे सरकार को बेरोजगारी की स्थिति से निपटने में कहीं अधिक मदद मिली है। कुछ सीमा तक यह काम आसान हो गया है। स्टार्टअप्स ने उद्यमियों के लिए खुद का मालिक बनने और बाद में सामाजिक और आर्थिक रूप से देश के विकास का हिस्सा बनने का अवसर पैदा किया है। इस महामारी के दौर में स्टार्टअप्स ने हमारे जीवन को सुरक्षित बनाया है। लोग घर के अंदर रह सकते हैं और फिर भी वे किराने के सामान से लेकर बैंकिंग से लेकर चिकित्सा आपूर्ति और परामर्श तक अपनी दैनिक आवश्यकताओं का ध्यान रख सकते हैं, अपना काम कर सकते हैं और अपने बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं का ध्यान रख सकते हैं। किराना और सब्जियों से संबंधित स्टार्टअप के साथ गठजोड़ करने के बाद

किसानों को अब उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिल रहा है। कपड़े और कपड़ों से संबंधित स्टार्टअप के साथ आने के बाद बुनकरों को भी कुछ लाभ मिल रहे हैं। हमें एक बात याद रखनी चाहिए कि किसी विचार या अवधारणा को उसकी वृद्धि और विकास के लिए समर्थन की आवश्यकता होती है। स्टार्टअप अवधारणा के विकास के लिए न केवल लोगों बल्कि देश की सरकार से भी समर्थन की आवश्यकता है। भारत सरकार ने इनके प्रति अपना विश्वास दिखाया है और स्टार्टअप इंडिया पहल की घोषणा की है। 16 जनवरी को स्टार्टअप डे के रूप में मनाया गया। प्रधान मंत्री ने घोषणा की कि अगले 100 वर्षों के भीतर भारत के नवप्रवर्तक देश को दुनिया भर में गौरवान्वित करेंगे। स्टार्टअप प्रकृति में गतिशील और बहुमुखी हैं। भारत सरकार को युवा पीढ़ी पर भरोसा है। इसने उद्यमियों को अधिक स्टार्टअप स्थापित करने और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए योजनाएं तैयार की हैं। नीतियों में सुधार किया जा रहा है और स्टार्टअप्स की पैसे से सहायता की जा रही है। भारत एक विशाल देश है जहां बड़ी संख्या में लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, स्टार्टअप जैसे विचारों से अनभिज्ञ लोगों के इस वर्ग को अवधारणा के बारे में जागरूक करना एक कठिन कार्य होगा। स्टार्टअप के महत्व और संभावनाओं के बारे में लोगों के इस वर्ग को जागरूक करने के लिए सरकार को आवश्यक कदम उठाने चाहिए। भारत के मानव संसाधन का उचित उपयोग स्टार्टअप की नई अवधारणा की सफलता की कुंजी होगी। जमीनी स्तर पर पहल की जानी चाहिए, उचित प्रशिक्षण और शिक्षा दी जानी चाहिए। शार्क टैंक इंडिया जैसा टीवी शो स्टार्टअप की अवधारणा को फैलाने में एक बड़ी मदद हो सकता है क्योंकि विभिन्न क्षेत्रों के युवा उद्यमी अपने व्यापार मॉडल का प्रदर्शन करने के लिए शो में आते हैं और इस तरह निवेशकों को अपने व्यवसाय में निवेश करने और उन्हें बढ़ने में मदद करने के लिए आकर्षित करते हैं। यह लोकप्रिय हो जाता है यह अधिक उद्यमियों और निवेशकों को भी आकर्षित करेगा। स्टार्टअप भारत सरकार के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य का समर्थन करता है जैसे कि रोजगार के अवसर पैदा करना, ग्रामीण क्षेत्रों को शहरी क्षेत्रों से सड़कों की स्थापना करके जोड़ना। इसके अलावा, सरकार महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रही है और लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए व्यवसाय विकास के लिए सहायता प्रदान कर रही है जो एसडीजी का एक हिस्सा है।

आप की बात

हरियाणा में स्थानीय आरक्षण

सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा में प्राइवेट सेक्टर जॉब्स में स्थानीय प्रत्याशियों के लिए 75 फीसदी आरक्षण लागू करने के फैसले पर लगी रोक हटाई है, राज्य सरकार इस फैसले पर ज्यादा आक्रामक तेवर अपनाती दिख रही है।भारत में अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक स्टडी में महंगाई दर को एडजस्ट करते हुए देखा और पाया कि 1994 में एक करोड़ रुपये के निवेश से 33 फैक्ट्री वर्कर्स काम पाते थे, लेकिन 2015 में वह संख्या मात्र आठ तक सिमट गई। लोकल युवाओं के लिए जॉब रिजर्वेशन की नीति यह ट्रेंड नहीं बदल पाएगी। उलटे, एक राज्य में ऐसी नीति आने के बाद अन्य राज्य सरकारों पर भी दबाव बढ़ेगा। राज्य अलग-थलग पड़ेंगे और अलगाववादी भावनाएं मजबूत होंगी। इसलिए बेहतर होगा कि राज्य सरकारें जॉब रिजर्वेशन के बजाय रोजगार सृजन पर ध्यान दें। कल को देश के अन्य राज्य राज्यों में शत-प्रतिशत आरक्षण कर देंगे तो यह देश के संघीय ढांचे पर सबसे बड़ा प्रहार होगा! एक तो जातिगत आरक्षण के चलते वैसे ही सरकारी नौकरियों का अकाल है, ऐसे में राज्यो में स्थानीय आरक्षण के बाद प्रतिभाओं के लिए अवसर न्यूनतम हो जाएंगे।

सुभाष बुड़ावनवाला, रतलाम

राम रहीम पर मेहरबानी

एक ओर बीजेपी अपनी चुनावी रैलियों में दहाड़ती फिरती है की उनके शासन में, अपराधियों एवं दुष्कर्मियों का ठिकाना उनका महल नहीं बल्कि काल कोठरी है । उसी दल का राज्य हरियाणा की सरकार, आज के तारीख का सबसे बड़ा अपराधी, हत्या एवं दुष्कर्म के आरोपी को, पंजाब चुनाव के ठीक पहले न सिर्फ बेल दिलवाती है। उसके बाद उसे जेड प्लस की सुरक्षा मुहैया कराती है। इतना ही नहीं राम रहीम के सुरक्षा के लिए हमेशा दो सौ पुलिस तैनाती की व्यवस्था करती है। हमने देखा कैसे इनका केंद्रीय मंत्री अपने भाषणों में, किसानों को न सिर्फ धमकी देता है। बल्कि कुछ ही दिनों में उस धमकी को अमल में लाकर, किसानों को अपने गाड़ियों से कुचला जाता है। उस मामले में भी न तो टेनी से इस्तीफा लिया जाता है ना ही उनके पुत्र को जमानत न मिले, ऐसी व्यवस्था की जाती है। ऐसे में बीजेपी की कथनी और करनी में फर्क साफ़ साफ़ दिख रहा है, नारों में कुछ और बोला जाता है तथा जमीन में ठीक सके उलटे काम किया जा रहा है।

जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

लालू को सजा

बिहार मे लालू को पांचवे प्रकरण में सजा से कानून के हाथ लंबे होने की बात उजागर हुई है मगर इसमें समय की जो हीला हवाली हुई है वह दुखदाई है। बड़े प्रकरणों मे लंबा समय जाया होना जांच को प्रभावित करता है। चारा घोटाला के अन्य पांचों मामले में लालू दोषी करार दिए गए जो यह साबित करता है कि सत्ता का दुरुपयोग कितना हो सकता है? दुर्भाग्य लालू का रहा कि जनता ने बिहार की सत्ता से उन्हें च्युत कर दिया अन्यथा उनके शासन काल में न तो मामला खुलता न अदालत में दोष लगता। इस मामले से एक बात और साबित हो गई है कि जनता का जागृत होना जरूरी है ताकि किसी भी घोटाले का पर्दाफाश होते ही उस नेता को सत्ता की बजाय जेल के सींखचों के पीछे भेजा जा सके। देर से ही सही फिर भी न्याय हुआ है जो यह साबित करता है कि कानून के दर पर देर है अंधेर नहीं।

अमृतलाल मारू, धार

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

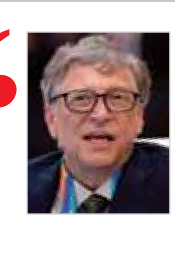

भारतीय वैक्सीन निर्माताओं को धन्यवाद, दुनिया का लगभग हर देश अब बच्चों को निमोनिया और रोटावायरस जैसी बीमारियों से बचाने के लिए टीके लगा पा रहा है, जो दशकों से बच्चों की मौत का प्रमुख कारण रही हैं।

बिल गेट्स
अमेरिकी उद्योगपति

आतंकवादी गतिविधियों के लिए अफगानिस्तान की धरती के इस्तेमाल के बारे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की आशंका अभी भी एक गहरी चिंता बनी हुई है।

एस जयशंकर
विदेश मंत्री

केंद्रीय जांच एजेंसियां माफिया की तरह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उन राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बना रही हैं जिन्होंने उनके झूठ को उजागर किया है।

संजय राउत
शिवसेना सांसद

तीन सीटें ऐसी भीं जिन पर दो-दो मौजूदा विधायक आमने-सामने

विवेक श्रीवास्तव। लखनऊ

पश्चिम से बुंदेलखंड और रुहेलखंड होते हुए अब उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव मध्य और पूर्वांचल की ओर बढ़ चला है। प्रदेश की सत्ता पर काबिज होने के लिए सभी राजनीतिक दल और उनके प्रत्याशी एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए हैं। मुख्य मुकाबला इस बार सत्तारूढ़ भाजपा और प्रमुख विपक्षी दल सपा के बीच दिख रहा है। कहीं-कहीं पर बसपा, कांग्रेस के अलावा छोटे दलों के उम्मीदवार भी चुनाव को रोचक बना रहे हैं। पांचवे चरण में 27 फरवरी को जिन जिलों में मतदान होना है उनमें शामिल बहराइच, प्रतापगढ़ और प्रयागराज की तीन ऐसी सीटें भी हैं जिन पर मुकाबाला कांटे का हो गया है। दरअसल यह तीनों ऐसी सीटें हैं जहां एक सीट पर दो-दो मौजूदा विधायक अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

फूलपुर में प्रवीण सिंह पटेल को टक्कर दे रहे हैं मुज्तबा सिद्दीकी

प्रवीण सिंह पटेल

मुज्तबा सिद्दीकी

प्रयागराज जिले की फूलपुर विधानसभा सीट इस समय चर्चा में है। यहां पर भाजपा की ओर से उनके मौजूदा विधायक प्रवीण सिंह पटेल चुनाव मैदान में हैं। वहीं उनके मुकाबले में बसपा छोड़कर सपा में आए समाजवादी पार्टी की ओर से प्रतापपुर के मौजूदा विधायक मुज्तबा सिद्दीकी टक्कर दे रहे हैं।

फू लपुर विधानसभा सीट से 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा से प्रवीण सिंह पटेल, सपा से मंसूर आलम, बसपा से मोहम्मद मसूर शेख चुनाव मैदान में थे। भाजपा केम प्रवीण सिंह पटेल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सपा के मंसूर आलम को 26613 वोट से हराकर इस सीट पर पहली बार कमल खिलाया था। बसपा के मसूर शेख तीसरे और निर्दलीय राम किशुन सिंह चौथे स्थान पर रहे थे।फूलपुर सीट से सपा की ओर से मैदानर में उतरे मुज्तबा सिद्दीकी ने वर्ष 2017 के चुनाव में बसपा के टिकट पर प्रतापपुर विधानसभा सीट से अपना दल के प्रत्याशी करन सिंह को तकरीबन 2600 मतों से शिकस्त दी थी। हालांकि पिछले वर्ष ही बसपा से उनका मोह भंग हुआ और उन्होंने सपा ज्वाइन कर ली। उन्हें सपा पहले प्रतापपुर से ही उम्मीदवार बनाना चाह रही थी लेकिन बाद में पार्टी ने मुर्तजा सिद्दीकी को फूलपुर से टिकट दे दिया।

रानीगंज सीट पर धीरज ओझा के खिलाफ ताल ठोंक रहे डॉ.आरके वर्मा

धीरज ओझा

डॉ. आरके वर्मा

प्रतापगढ़ जिले की रानीगंज विधानसभा सीट पर भी दो-दो मौजूदा विधायक आमने-सामने टक्कर दे रहे हैं। इस सीट पर बीजेपी की ओर से मौजूदा विधायक धीरज ओझा उर्फ अभय कुमार एक बार फिर से ताल ठोंक रहे हैं। वहीं दूसरी ओर उन्हें टक्कर देने के लिए अपना दल (एस) से पाला बदलकर आए विश्वनाथगंज सीट के मौजूदा विधायक डॉ.आरके वर्मा को सपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की ओर से धीरज ओझा ने बसपा के शकील अहमद को कड़ी टक्कर देते हुए न सिर्फ पराजित किया बल्कि सपा उम्मीदवार और तत्कालनी मौजूदा विधायक प्रोफेसर शिवाकांत ओझा को तीसरे स्थान पर ढकेल दिया था। समाजवादी पार्टी ने इस बार विनोद दूबे को टिकट दिया तो प्रोफेसर शिवाकांत ओझा नाराज होकर भाजपा में शामिल हो गए लेकिन वहां भी उनकी बात नहीं बन पाई। वहीं बीजेपी के मौजूदा विधायक धीरज ओझा ने इस बार भी अपनी पार्टी से इसी सीट पर टिकट हासिल कर लिया। उनका टिकट घोषित होते ही सपा ने अपना प्रत्याशी बदलकर साल 2017 में भाजपा गठबंधन में शामिल अपना दल (एस) के टिकट पर विश्वनाथगंज सीट से विधायक निर्वाचित हुए डॉ.आरके वर्मा को उम्मीदवार बना दिया। भाजपा और अपना दल एस की संयुक्त गठबंधन से विश्वनाथगंज से दो बार के विधायक रहे डॉ. आरके वर्मा अब भाजपा के मुखर विरोधी होकर सपा की माला जप रहे हैं। वर्मा सपा खेमे में महीनों से सक्रिय चल रहे थे। सपा के बड़े कार्यक्रम में उनकी मौजूदगी भी रहती थी। जिसके चलते अपना दल (एस) ने कुछ दिनों पहले पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते विधायक आरके वर्मा को पार्टी से निलंबित कर दिया था।

बहराइच सदर सीट पर अनुपमा जायसवाल व यासर शाह में कड़ा मुकाबला

अनुपमा जायसवाल

यासर शाह

बहराइच जिले की बहराइच सदर विधानसभा सीट पर भी दो-दो मौजूदा विधायक चुनाव मैदान में हैं। इस बार सदर सीट पर बीजेपी ने एक बार फिर से अपनी मौजूदा विधायक और पूर्व मंत्री अनुपमा जायसवाल पर भरोसा जताया है। तो वहीं दूसरी और उन्हें टक्कर देने के लिए सपा ने जिले के दिग्गज नेता रहे स्वर्गीय डा.वकार अहमद शाह के बेटे और पूर्व मंत्री यासर शाह को उतारा है। बहराइच सदर विधान सभा की सीट पर सपा के टिकट पर 1993 से 2012 तक लगातार डॉ. वकार अहमद शाह चुनाव जीतते रहे थे और 23 साल तक उन्हें कोई इस सीट से हरा नहीं पाया था मगर 2012 का चुनाव जीतने के कुछ दिन बाद ही वकार अहमद शाह बीमार पड़ गए और लगभग 5 साल की लंबी बीमारी के बाद उनका देहांत हो गया था। उसके बाद बहराइच सदर की इस सीट से डॉ. वकार अहमद शाह की पत्नी रूवाब सईदा ने 2017 में चुनाव लड़ा और वो भाजपा की महिला प्रत्याशी अनुपमा जायसवाल से चुनाव हार गईं। इस बार अपने पिता की विरासत पर फिर से काबिज होने के लिए यासर शाह मैदान में उतरे हैं। याशर शाह साल 2012 में बहराइच की मटेरा सीट से विधायक निर्वाचित हुए थे। 2017 की मोदी लहर के दौरान भी उन्होंने सपा के टिकट पर चुनाव लड़कर भाजपा और बसपा की चुनौती को ध्वस्त करते हुए इस सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा था। इस बार उन्होंने मटेरा सीट से अपनी पत्नी मारिया शाह को मटेरा विधानसभा से उतारा है और खुद सदर सीट पर किस्मत आजमा रहे हैं।

पूर्वांचल में सपा के संकटमोचक खुद संकट में

● भाजपा के कालीचरण राजभर व बसपा की सैयद शादाब फातिमा के साथ त्रिकोणीय मुकाबले में फंसे हैं सपा गठबंधन से प्रत्याशी ओमप्रकाश राजभर

शिव विजय सिंह। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के लिए संकट मोचन बनकर चुनावी समर में उतरे सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर स्वयं संकट में फंसे हुए हैं। भाजपा और बसपा ने मिलकर जहूराबाद विधानसभा सीट पर ऐसी घेराबंदी की है कि ओमप्रकाश राजभर की खुद की नैया मझधार में फंस गई है। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि अपनी नैया पार लगाएं या फिर समाजवादी पार्टी की। उत्तर प्रदेश में विधानसभा के 7 चरणों में से चार चरणों के चुनाव हो चुके हैं अभी फिलहाल तीन चरणों क्रमश: पांचवें, छठे एवं सातवें चरण के चुनाव होने बाकी हैं जिसमें मध्य यूपी की कुछ सीटें एवं अधिकतर पूर्वांचल के सीटें हैं, पांचवा चरण का चुनाव 27 फरवरी, छठा चरण का मतदान 3 मार्च तथा सातवां चरण का मतदान 7 मार्च को होगा।

जहूराबाद विधान सभा सीट पर चुनाव सबसे अंतिम चरण यानी सातवें चरण में होना है। जहूराबाद सीट पर समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर चुनाव लड़ रहे हैं। ओमप्रकाश राजभर को समाजवादी पार्टी पूर्वांचल में अपना संकटमोचन मानकर चुनाव प्रचार के लिए सुरक्षित रखे हुए थी, क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तो सपा मुखिया अखिलेश यादव ने चुनाव प्रचार के लिए राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी का भरपूर प्रयोग किया। समाजवादी पार्टी की योजना के तहत पूर्वांचल में सपा ओमप्रकाश राजभर को प्रचार प्रसार में मजबूती से प्रयोग करती, लेकिन जहूराबाद विधानसभा सीट से सपा गठबंधन के प्रत्याशी ओमप्रकाश राजभर मौजूदा समय में भाजपा एवं बसपा के चक्रव्यूह में फंसते दिखाई पड़ रहे हैं। वर्ष 2017 में ओमप्रकाश राजभर ने जहूराबाद विधानसभा सीट पर जीत का परचम लहराया था।

इस बार फिर विधानसभा चुनाव 2022 में ओमप्रकाश राजभर ने जहूराबाद विधानसभा सीट पर दावेदारी कर दी। लेकिन 2017 की अपेक्षा इस बार जहुराबाद विधान सभा सीट की परिस्थितियां काफी बदली हुई है। वर्ष 2017 में ओमप्रकाश राजभर इस सीट पर भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़े थे जबकि इस बार ओमप्रकाश राजभर समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ रहे हैं। इतना ही नहीं जहुराबाद सीट पर शिकस्त देने के लिए भारतीय जनता पार्टी एवं बसपा ने अलग-अलग मोर्चा खोल दिया है। भाजपा ने इस सीट पर जहां कालीचरण राजभर को प्रत्याशी बनाया है ये वही काली चरण हैं जिन्होंने वर्ष 2002 व 2007 में बसपा उम्मीदवार के रूप में इस सीट पर अपना परचम लहराया था। वहीं दूसरी ओर बहुजन समाज पार्टी ने सैयद शादाब फातिमा को जहुराबाद सीट से अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। शादाब फातिमा 2012 में इसी सीट से विधायक रह चुकी हैं।

समाजवादी पार्टी में विवाद शुरू होने के बाद शादाब फातिमा शिवपाल की पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया में चली गई थी, इस चुनाव में शिवपाल यादव द्वारा समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करने के उपरांत सादाब फातिमा को यह उम्मीद थी कि उन्हें जहुराबाद विधानसभा सीट से सपा टिकट दे देगी, लेकिन समाजवादी पार्टी द्वारा इस सीट पर अपने गठबंधन के प्रत्याशी ओमप्रकाश राजभर को टिकट दे दिए जाने के बाद शादाब फातिमा नाराज हो गई और भाजपा में शामिल होकर सीधे-सीधे ओमप्रकाश राजभर को टक्कर देने के लिए इस सीट से बसपा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतर आई। जबकि कांग्रेस ने जहूराबाद सीट से ज्ञान प्रकाश सिंह मुन्ना को अपना प्रत्याशी बनाया है। कुल मिलाकर जहुराबाद विधानसभा सीट पर जबरदस्त तरीके से भाजपा, बसपा व सपा का त्रिकोणीय मुकाबला होता दिख रहा है। ऐसी स्थिति में स्वाभाविक है कि ओमप्रकाश राजभर के लिए संकट की स्थिति है, या तो वह अपनी विधानसभा संभालेंगे या फिर सपा के लिए चुनाव प्रचार करेंगे।

मूल मुद्दों से ध्यान भटका रही हैं सपा-भाजपा: प्रियंका

भाषा। लखनऊ

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान बेरोजगारी, महंगाई, महिला सशक्तिकरण, छोटे किसानों और कारोबारियों की मदद जैसे मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाकर आतंकवाद की बात कर रही हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि छुट्टा मवेशियों और महिलाओं के मुद्दों को कांग्रेस द्वारा अपने चुनाव अभियान में उठाए जाने के बाद अन्य पार्टियां इस पर बोल रही हैं। प्रियंका ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि सपा और भाजपा जैसी पार्टियां महंगाई कम करने, रोजगार देने, महिलाओं के सशक्तिकरण, छोटे और मझोले स्तर के कारोबारियों और किसानों की बेहतर कमाई में मदद करने के मुद्दों पर से ध्यान लगातार भटका रही हैं। कांग्रेस महासचिव ने पीटीआई-भाषा द्वारा भेजे गए सवालों के लिखित जवाब में छुट्टा पशुओं के मुद्दे पर कहा कि उनकी पार्टी लंबे समय से यह मुद्दा उठा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी छुट्टा पशुओं के मुद्दे को वर्ष 2019 से उठा रही है और अपने चुनावी घोषणा पत्र में मुआवजा देने की घोषणा भी की है। उन्होंने कहा चुनाव करीब होने की वजह से अचानक प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि उन्हें सूचित किया गया कि यह बड़ा मुद्दा है, पूरे उत्तर भारत में वर्षों से छुट्टा मवेशियों के कारण लोग नुकसान उठा रहे हैं और उन्हें अब यह समस्या पता चली है।

प्रियंका ने कहा कि योगी जी चुनाव के चौथे चरण के दौरान छुट्टा पशुओं से होने वाले नुकसान के लिए मुआवजे की घोषणा क्यों कर रहे हैं? कांग्रेस नेता ने पूछा कि जब वह सार्वजनिक रूप से आतंकवाद पर व्याख्यान दे रहे थे और 80 प्रतिशत तथा 20 प्रतिशत का तर्क दे रहे थे, तब क्या उन्हें इस समस्या की जानकारी नहीं थी? कांग्रेस महासचिव ने कहा कि विधानसभा चुनाव की घोषणा होने से पहले तक समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जनता की परेशानियों पर चुप्पी साधे रही। प्रियंका ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में आमूलचूल बदलाव की जरूरत है और कांग्रेस इस परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए खुद को तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि धार्मिक और जातीय आधार पर बंटे उत्तर प्रदेश के मतदाताओं के मन में कांग्रेस का संदेश बैठने में कुछ समय लग सकता है लेकिन इस बात का पूरा यकीन है कि एक दिन ऐसा जरूर होगा। चुनाव प्रचार के दौरान जनता की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस महासचिव ने कहा कि बड़ी संख्या में महिलाएं पार्टी के साथ आ रही हैं।प्रियंका ने दावा किया कि सपा और भाजपा ने कांग्रेस के चुनावी वादों की नकल की है और अचानक महिला कल्याण की बातें होने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूरन महिला सम्मेलन करना पड़ा।

मतदाताओं के बीच सुरक्षा, मुफ्त अनाज जैस मुद्दे चर्चा में

भाषा। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के आगे बढ़ने के साथ मतदाताओं के बीच कुछ चीजों को लेकर चर्चा आम है, जैसे सुरक्षा, सकुन और मुफ्त राशन। वहीं सत्तारूढ़ दल के नेताओं को बेरोजगारी और गुंडों के खिलाफ कार्वाई में भेदभाव करने के आरोपों का भी सामना करना पड़ रहा है। शहर पश्चिम में ई रिक्शा चलाने वाले 50 वर्षीय अनिल सोनकर का कहना है कि उसने सोचा था कि उसके बेटे को उससे बेहतर काम मिलेगा, भले ही वह स्नातक है, लेकिन अच्छी नौकरी मिलना मुश्किल है। हालांकि उसने गैंगस्टर अतीक अहमद के गिराए गए कार्यालय की ओर इशारा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीजें सुरक्षित की हैं और अब मैं गुंडों का सामना किए बिना रिक्शा चला सकता हूं। सोनकर ने कहा कि पिछले तीन दशक में पहली बार ना ही अतीक अहमद और ना उसके परिवार का कोई सदस्य इस बार चुनाव लड़ रहा है। शहर उत्तर में सड़क किनारे कपड़े बेचने वाले विनोद कुमार केसरवानी की सोच भी कुछ इसी तरह की है। पिछले कुछ समय से काम मंदा चलने के बावजूद उसका राजनीतिक जुड़ाव प्रभावित नहीं हुआ है। उसका कहना है, क्या समाजवादी पार्टी अर्थव्यवस्था को सुधारेगी। अब सुकून है, भाजपा को और एक मौका मिलना चाहिए।

एक चाय की दुकान पर बैठे रमेश कनौजिया कहते हैं, मुफ्त राशन जल्द ही बंद हो जाएगा। हम अपना खाना पाने के लिए कमाना चाहते हैं। अखिलेश यादव पर भी विचार किया जाना चाहिए। वहीं एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, सरकार को सभी अपराधियों को एक समान नज़र से देखना चाहिए। इस सरकार ने ऐसा नहीं किया। दूसरी ओर, अपने अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी बेरोजगारी, ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा पशु की समस्या जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा के खिलाफ हवा बनाने में लगी है और सत्तारूढ़ पार्टी से मुकाबला करने के लिए उसने जातिगत समीकरण बनाने के लिए विभिन्न समुदायों के लोगों को टिकट दिया है। इनमें से कई मुद्दे विभिन्न वर्गों के लिए निश्चित तौर पर काफी मायने रखते हैं, लेकिन भाजपा विकास, कानून व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं को अपने प्रचार के केंद्र में रखकर चल रही है और राष्ट्रवाद एवं हिंदुत्व का संदेश जाति से परे होकर सभी वर्गों के बीच जा रहा है।

कुछ मतदाता पूछते हैं कि सनातन धर्म के लिए किस पार्टी ने काम किया? विपक्षी दल प्रतिनिधित्व और रोजगार के मुद्दों को उठाकर विभिन्न समुदायों तक पहुंचकर सत्तारूढ़ दल को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष योगेश चंद्र यादव ने कहा कि प्रयागराज की कुल 12 विधानसभा सीटों में उनकी पार्टी ने ब्राह्मण, ठाकुर, कुर्मी, बिंद और अनुसूचित जाति के समुदायों के अलावा दो-दो यादवों और मुसलमानों को मैदान में उतारा है। वह आदित्यनाथ के खिलाफ पूर्वांचल में ब्राह्मणों के एक वर्ग में कथित असंतोष का भी हवाला देते हैं और दावा करते हैं इससे उनकी पार्टी को फायदा होगा।

मोदी ने गरीबों के लिए विकास योजनाएं लाकर जात-पात की दीवारें गिरा दीं: आरपीएन सिंह

भाषा। कुशीनगर

हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों के लिए विकास योजनाएं चलाकर जात-पात की दीवारें गिरा दी हैं और अब सभी जातियां मोदी के साथ हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को इसका भरपूर लाभ मिलेगा। पूर्व की पडरौना रियासत के मुखिया आरपीएन सिंह ने अपने पैतृक राजमहल दरबार में पीटीआई- भाषा से विशेष बातचीत में कहा, यह मैंने साफ तौर पर देखा कि उत्तर प्रदेश में दलित, पिछड़े, अति पिछड़े, सवर्ण सभी लोगों ने प्रधानमंत्री जी की योजनाओं, उनकी कार्यशैली और उनके भारत निर्माण से प्रभावित होकर जाति की दीवारें गिरा दी हैं। जब आरपीएन सिंह से पूछा गया कि भाजपा आपके जरिए मौर्य को सबक सिखाएगी तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर किसी पर टिप्पणी नहीं करते। इसी के साथ उन्होंने कहा कि जो लोग भाजपा में जीतकर जाते और मंत्री बन जाने पर सोचते कि मैं बहुत बड़ा नेता हूं, तो यह उनकी भारी भूल होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा में जो टिकट पाते हैं वे मोदी जी, योगी जी की कार्यशैली की वजह से जीतते हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और कुशीनगर जिले की तमकुहीराज विधानसभा सीट से दो बार से चुनाव जीत रहे अजय कुमार लल्लू के भविष्य के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह जनता तय करेगी।

अपने पिता पूर्व केंद्रीय मंत्री सीपीएन सिंह की मौत के बाद राजनीति में सक्रिय हुए आरपीएन सिंह 1996, 2002 और 2007 में लगातार तीन बार पडरौना विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक निर्वाचित हुए और वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा उम्मीदवार रहे स्वामी प्रसाद मौर्य को हराकर संसद पहुंचे। वह मनमोहन सरकार में गृह राज्य मंत्री समेत कई विभागों के मंत्री बने। भाजपा में शामिल होने के बाद अपने गृह जिले कुशीनगर की सातों विधानसभा सीटों पर पार्टी उम्मीदवारों को चुनाव जिताने के लिए प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के लड़की हूं लड़ सकती हूं नारे और उसका चुनाव में असर पूछने पर ने कहा कि इसका असर मुझे तो बिल्कुल नहीं दिख रहा है क्योंकि ज्यादातर उनके जो नेता हैं उनकी श्रीमती जी (पत्नियों) को टिकट दे दिया गया है। उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने मुकाबले में किसको देखती है, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि उनको देखती है जो इस देश के संविधान को नहीं मानते हैं और अपराधियों को शरण देते हैं। कुशीनगर जिले में करीब 18 फीसद मुस्लिम आबादी है ऐसे में मुसलमान समर्थकों के साथ कैसे समन्वय बनाएंगे। इसके जवाब उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का नारा दिया है, जिसमें सब कुछ है। राहुल गांधी और प्रियंका दोनों की राजनीतिक कार्यशैली में अंतर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कुछ तो अंतर होगा ही।

समय पर हो केंद्रीय योजनाओं, वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम का क्रियान्वयनः मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम बजट-2022 में की गई घोषणाओं व सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन पर जोर देते बुधवार को शासन में सुधार के कई तरीके सुझाए और कहा कि यदि ग्रामीण मुद्दों के लिए जिम्मेदार सभी एजेंसियां नियमित अंतराल पर एक साथ बैठकर तालमेल और समन्वय सुनिश्चित करें तो इससे ग्रामीण इलाकों के सर्वांगीण विकास में मदद मिलेगी। ग्रामीण विकास के लिए बजट संबंधी घोषणाओं पर एक वेबिनार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से सीमावर्ती गांवों का दौरा करने का भी आग्रह किया ताकि देश की सीमाओं के किनारे के आबादी वाले क्षेत्रों में भी समृद्धि की भावना तेज हो और वहां की स्थिति में सुधार हो। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना और ग्रामीण सड़क योजना से लेकर गांवों में ब्रॉडबैंड संपर्क बढ़ाने जैसी केंद्र सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य हासिल करने का आम बजट 2022 में एक स्पष्ट खाका है।

प्रधानमंत्री ने बजट में घोषित वाइब्रेंट विलेज का भी उल्लेख किया और कहा कि यह देश के सीमावर्ती गांवों के विकास में अहम भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास उनकी सरकार की नीति और कार्यक्रमों का प्रेरणा सूत्र है और कोशिश है कि हर व्यक्ति, हर वर्ग और हर क्षेत्र को विकास का पूरा लाभ मिले।

बजट में गांवों के विकास से संबंधित प्रावधानों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, इस बजट में सरकार द्वारा योजनाओं को पूरा करने के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप दिया गया है। बजट में पीएम आवास योजना, ग्रामीण सड़क योजना, जल जीवन मिशन, पूर्वोत्तर में संपर्क और गांवों की ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, ऐसी हर योजना के लिए जरूरी प्रावधान किया गया है। मोदी ने कहा कि बजट में जो वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम घोषित किया गया है, वह देश के सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए बहुत अहम है। उन्होंने कहा कि गांवों में डिजिटल संपर्क अब एक आकांक्षा ही नहीं है, बल्कि यह आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से गांवों में सुविधाएं ही नहीं मिलेंगी बल्कि यह गांवों में दक्ष युवाओं का एक बड़ा पूल तैयार करने में भी मदद करेगी।

प्रधानमंत्री ने इस साल के बजट में पीएम आवास योजना के लिए 48,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इस साल 80 लाख घर बनाने का लक्ष्य तय किया गया है और इसे तय समय में पूरा करने के लिए तेजी से काम करना होगा।

उन्होंने 2024 तक हर घर में नल का पानी पहुंचाने, भूमि संबंधी दस्तावेजों का डिजिटलीकरण और भूमि सीमांकन संबंधी कार्यों को प्रौद्योगिकी से जोड़ने जैसे पहलों का उल्लेख करते हुए ग्रामीण विकास के लिए शासन में सुधार के कई तरीके सुझाए।

आईआईएमबी में 513 छात्रों को मिले नौकरी के 662 प्रस्ताव

भाषा। बेंगलुरु

भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर (आईआईएमबी) के 2020-22 सत्र के पीजीपी और पीजीपीबीए पाठ्यक्रमों के छात्रों को लेटरल और फाइनल प्लेसमेंट में नौकरी के कुल 662 प्रस्ताव मिले। इसके साथ ही प्लेसमेंट के लिए उपस्थित सभी 513 छात्रों को प्लेसमेंट मिला। आईआईएमबी ने बुधवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी।

प्लेसमेंट प्रतिनिधि हर्ष अग्रवाल ने कहा कि कुल मिलाकर प्रस्तावों की संख्या में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आईआईएमबी के बयान के मुताबिक कंसल्टिंग कंपनियों ने 248 नौकरियों के प्रस्ताव दिए, जिसमें एक्सेंचर कंपनी ने सर्वाधिक 51 प्रस्ताव दिए। इसके बाद बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप ने 30 प्रस्ताव दिए। नौकरियों के प्रस्ताव देने वाली शीर्ष कंपनियों में किर्नी (27), बेन एंड कंपनी (26) और मैकिन्से एंड कंपनी ने 22 प्रस्ताव दिए। सूचना प्रौद्योगिकी और उत्पाद प्रबंधन क्षेत्र की कंपनियों में माइक्रोसॉफ्ट ने 15 जबकि ओयो ने 14 प्रस्ताव दिए।

ईडी ने 4,700 मामलों की जांच की 2002 से 313 गिरफ्तारियां हुईः केंद्र

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज की तारीख तक 4,700 मामलों की जांच की है और 2002 में धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) लागू होने के बाद से कथित अपराधों को लेकर सिर्फ 313 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

ऐसे मामलों में अदालतों द्वारा पारित अंतरिम आदेशों द्वारा कवर की गई कुल राशि लगभग 67,000 करोड़ रुपए है।

सरकार ने न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा कि विजय माल्या, मेहुल चोकसी और नीरव मोदी से जुड़े धन शोधन के मामलों में ईडी ने अदालती आदेश के बाद 18,000 करोड़ रुपए से अधिक जब्त किए हैं।

शीर्ष न्यायालय पीएमएलए के कुछ प्रावधानों की व्याख्या से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। मेहता ने पीठ से कहा कि कानून लागू होने के बाद से आज की तारीख तक ईडी द्वारा 4,700 मामले की जांच की गई है। उन्होंने कहा कि 2002 में पीएमएलए लागू होने के बाद से आज की तारीख तक सिर्फ 313 गिरफ्तारियां हुई हैं। 2002 से अब तक, 20 वर्षों में सिर्फ 313 गिरफ्तारियां। उन्होंने कहा, इसका यह कारण है कि बहुत कठोर सांविधिक सुरक्षा प्राप्त है।

पीठ के सदस्यों में न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार भी शामिल हैं। आंकड़ों का हवाला देते हुए मेहता ने कहा कि यह स्पष्ट है कि यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका, चीन, हांगकांग, बेल्जियम और रूस जैसे देशों में मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम के तहत सालाना दर्ज मामलों की तुलना में पीएमएलए के तहत जांच के लिए बहुत कम मामले लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक वैश्विक धन शोधन रोधी नेटवर्क का हिस्सा है और ऐसे कई समझौते हैं जिनमें सभी सदस्य देशों को अपने संबंधित धन शोधन कानून को एक दूसरे के अनुरूप लाने की आवश्यकता होती है। मेहता ने कहा कि वैश्विक समुदाय ने पाया है कि मनी लॉन्ड्रिंग एक ऐसा खतरा है जिससे देशों द्वारा निजी स्तर पर निपटा या इलाज नहीं किया जा सकता है और इसके लिए वैश्विक प्रतिक्रिया देनी होगी।

इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बेलगाम घोड़ा न बने। हमें मनी लॉन्ड्रिंग के बारे में बहुत स्पष्ट होना पड़ेगा और एक राष्ट्र के रूप में हम सख्त हैं। वैश्विक समुदाय हमसे सख्त होने की उम्मीद करता है।, बहस गुरुवार को भी जारी रहेगी। सॉलिसिटर जनरल ने पहले पीठ को बताया था कि इस मामले में 200 से अधिक याचिकाएं हैं और कई गंभीर मामलों में अंतरिम रोक लगाई गई है, जिसके कारण जांच प्रभावित हुई है। इनमें से कुछ याचिकाओं में पीएमएलए के कुछ प्रावधानों की वैधता को चुनौती दी गई है।

सीमा शुल्क विभाग ने 600 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ नष्ट किया

मुंबई। मुंबई सीमा शुल्क विभाग ने जब्त किए गए लगभग 500 करोड़ रुपए मूल्य के 600 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ और एक करोड़ से अधिक विदेशी सिगरेट नष्ट करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। मादक पदार्थ पड़ोसी नवी मुंबई के तलोजा इलाके में एक अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र में नष्ट किया गया। सीमा शुल्क प्रधान आयुक्त (जोन-3) राजेश सनन ने कहा कि जब्त किए गए मादक पदार्थ में 293 किलोग्राम हेरोइन और 50 किलोग्राम मेफेड्रोन शामिल थी, जिसकी कुल बाजार कीमत लगभग 500 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, लगभग 15 करोड़ रुपए मूल्य की एक करोड़ से अधिक विदेशी सिगरेट को भी नष्ट किया गया।

न्यायालय ने 10वीं, 12वीं कक्षाओं की ऑफलाइन बोर्ड परीक्षाएं रद्द करने संबंधी याचिका खारिज की

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने इस साल केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और कई अन्य बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली 10वीं और 12वीं कक्षा की ऑफलाइन बोर्ड परीक्षा रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका बुधवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एएम खानविल्कर, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार की पीठ ने कहा कि ऐसी याचिकाओं से गलत उम्मीदें बंधती हैं और हर जगह भ्रम फैलता है। पीठ ने कहा कि इससे न केवल झूठी उम्मीदें बंधती हैं, बल्कि परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों में भी भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है। छात्रों और अधिकारियों को अपना अपना काम करने दें। अधिकारियों को फैसला लेने दें। अगर फैसला गलत है, तो उसे चुनौती दें।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि अधिकतर राज्यों के बोर्ड ने अब तक परीक्षा की तारीखों की घोषणा नहीं की है। पीठ ने कहा कि जब भी परीक्षा ली जानी है, बोर्ड इसकी घोषणा करेंगे और इसमें क्या समस्या है? सुनवाई की शुरुआत में याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता ने कोविड-19 महामारी के बीच शीर्ष अदालत द्वारा पिछले साल बोर्ड परीक्षा से जुड़े मामले में पारित किए गए आदेश का हवाला दिया। इस पर पीठ ने कहा कि पूर्व में जो हुआ था, वह वर्तमान में आदेश पारित करने का आधार नहीं हो सकता। याचिका में सीबीएसई और अन्य शिक्षा बोर्ड को अन्य माध्यमों से परीक्षा लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। सीबीएसई और अन्य शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं के लिए ऑफलाइन (स्कूल परिसर में) माध्यम से बोर्ड परीक्षाएं कराने का प्रस्ताव दिया है। सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं कक्षा के लिए 26 अप्रैल से बोर्ड परीक्षाएं कराने का फैसला किया है।

राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की याचिका पर नौ मार्च को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर स्थल घोषित करने के लिए केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध करने वाली भारतीय जनता पार्टी नेता सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर नौ मार्च को सुनवाई के लिए बुधवार को राजी हो गया। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ को स्वामी ने बताया कि याचिका पर पिछले कई महीनों से सुनवाई नहीं हुई और इसे कार्य सूची से हटाया नहीं गया है। पीठ ने कहा कि हम इस पर नौ मार्च को सुनवाई करेंगे।

मणिपुर विधानसभा चुनाव के लिए चुरचंदपुर में डोर-टू-डोर प्रचार करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

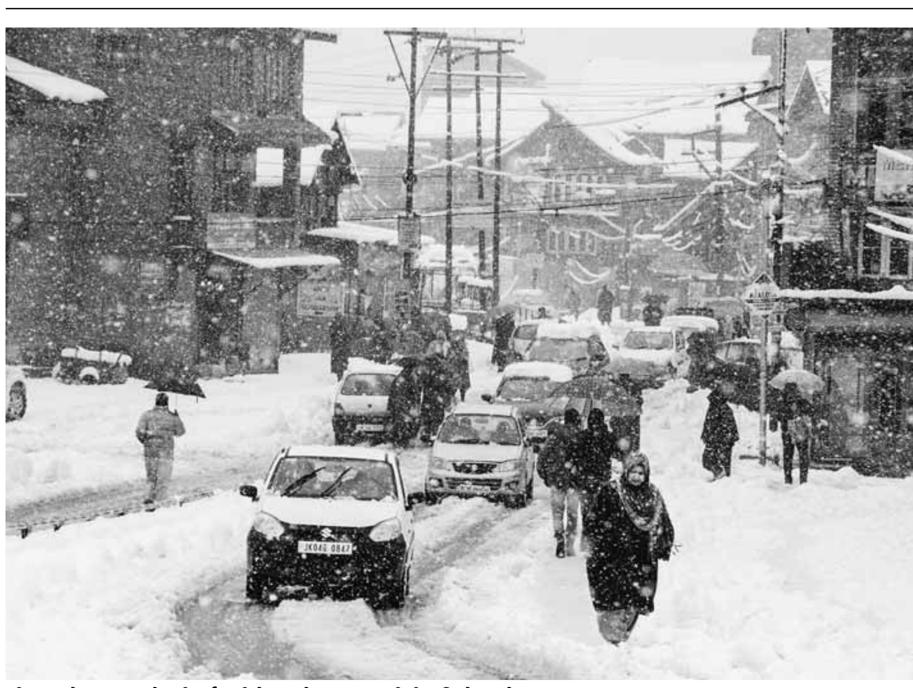

श्रीनगर में लगातार हो रही बर्फबारी के चलते सड़क पर धीमी गति से चलते वाहन

कोर्ट ने सीएफआई की भूमिका के बारे में कर्नाटक सरकार से ब्योरा मांगा

हिजाब विवाद

भाषा। बेंगलुरु

हिजाब मामले की सुनवाई कर रहे कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को राज्य सरकार को कैम्पस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई) की भूमिका के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि एक जनवरी को उडुपी के एक कॉलेज की छह छात्राएं तटीय शहर में सीएफआई द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शामिल हुई थी।

इसका आयोजन कॉलेज प्रशासन द्वारा उन्हें कक्षाओं में हिजाब पहन कर प्रवेश करने देने से मना किए जाने के खिलाफ किया गया था। सरकारी पीयू कॉलेज फॉर गर्ल्स का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एस.एस. नगानंद, इसके प्राचार्य और एक शिक्षक ने बुधवार को उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ से कहा कि हिजाब विवाद सीएफआई से जुड़ी कुछ छात्राओं द्वारा शुरू किया गया था। इस पर मुख्य न्यायाधीश रीतुराज अवस्थी ने जानना चाहा कि सीएफआई क्या है और इसकी क्या भूमिका थी। पूर्ण पीठ में मुख्य न्यायाधीश अवस्थी, न्यायमूर्ति जे एम खाजी और न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित शामिल हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि संगठन राज्य में प्रदर्शनों का समन्वय एवं आयोजन कर रहा था। उन्होंने कहा कि यह एक स्वैच्छिक संगठन है, जो अपना प्रसार कर रहा है और छात्राओं (कक्षाओं में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग कर रही) के पक्ष में समर्थन जुटा रहा है। एक अन्य वकील ने कहा कि सीएफआई एक कट्टरपंथी संगठन है, जिसे महाविद्यालयों से मान्यता प्राप्त नहीं है। मुख्य न्यायाधीश अवस्थी ने जानना चाहा कि क्या इस बात से राज्य सरकार अवगत है। इस पर नगानंद ने कहा कि खुफिया ब्यूरो यह जानता है।

इसके बाद कि मुख्य न्यायाधीश ने राज्य सरकार को महाधिवक्ता प्रभुलिंग के. नवदगी के मार्फत इसका पता लगाने का निर्देश दिया। जब नवदगी ने कहा कि कुछ सूचना है, तब मुख्य न्यायाधीश ने हैरानी जताई कि कैसे अचानक इस संगठन का नाम सामने आया है।

नगानंद ने अदालत को बताया कि कुछ शिक्षकों को सीएफआई ने धमकी दी थी।

उन्होंने कहा कि शिक्षक शिकायत दर्ज कराने से डर रहे थे लेकिन अब उन्होंने पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराई है। जब न्यायमूर्ति दीक्षित ने पूछा कि शिक्षकों को धमकी कब दी गई थी, नगानंद ने कहा कि दो दिन पहले।

मलिक की गिरफ्तारी के बाद राकांपा मंत्रियों ने की बैठक, मुख्यमंत्री से मिलेंगे शरद पवार

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक की धन शोधन के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद उत्पन्न स्थिति पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कुछ मंत्रियों ने बुधवार शाम यहां पार्टी प्रमुख शरद पवार के आवास पर बैठक की।

राकांपा सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार, मंत्री छगन भुजबल, हसन मुशरिफ और राजेश टोपे बैठक के लिए दक्षिण मुंबई में शरद पवार के आवास सिल्वर ओक में उपस्थित थे।

उन्होंने बताया कि यह बैठक, मलिक की गिरफ्तारी के बाद उत्पन्न स्थिति पर चर्चा करने और पार्टी की भविष्य की रणनीति पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। उन्होंने बताया कि मलिक के इस्तीफा देने की स्थिति में उनका विभाग पार्टी के उनके सहकर्मियों को दिया जाएगा। महाविकास आघाडी सरकार में, राकांपा के वरिष्ठ नेता मलिक के पास अल्पसंख्यक कार्य विभाग के अलावा कौशल विकास विभाग भी है। वहीं राकांपा प्रमुख के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से उनके (ठाकरे के) दक्षिण मुंबई स्थित आधिकारिक आवास वर्षा पर शाम में बाद में मुलाकात करने की संभावनर है।

इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं एमवीए सरकार में मंत्री बालासाहेब थोराट और अशोक चव्हाण ने शरद पवार से मुलाकात की तथा मलिक की गिरफ्तारी के बाद उत्पन्न स्थिति पर चर्चा की।

कांग्रेस नेता सुनिल केदार भी बैठक में शामिल हुए। एमवीए में राकांपा, शिवसेना और कांग्रेस शामिल हैं।

हम किसी भी संभावित खतरे को लेकर चौकन्ना और तैयार हैं : सेना प्रमुख

भाषा। बेंगलूरु

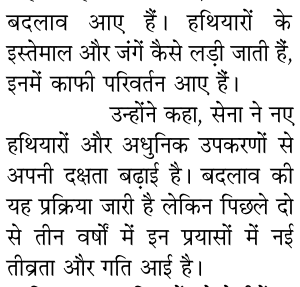

थलसेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने बुधवार को कहा कि भारतीय सेना देश की सीमाओं पर शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी संभावित खतरे को लेकर चौकन्ना तथा तैयार है। उन्होंने आज लड़े जाने वाले युद्धों के तरीके में आए बदलावों की तरफ इशारा करते हुए कहा कि सेना ने नए हथियारों और आधुनिक उपकरणों से अपनी दक्षता बढ़ाई है।

सेना प्रमुख चार पैराशूट बटालियनों को यहां प्रतिष्ठित प्रेजीडेंट्स कलर्स से सम्मानित करने के बाद बोल रहे थे। इसे सेना में निशान सम्मान के नाम से भी जाना जाता है। जनरल नरवणे ने कहा कि भारतीय सेना आज चुनौतिपूर्ण दौर से गुजर रही है। आप हमारी सीमाओं पर घटनाक्रम से भली भांति परिचित हैं। सेना सीमाओं पर शांति तथा स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं निश्चित तौर पर कहना चाहता हूं कि हम किसी भी संभावित खतरे को लेकर चौकन्ना तथा तैयार हैं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जंग के क्षेत्र में काफी बदलाव आए हैं। हथियारों के इस्तेमाल और जंगें कैसे लड़ी जाती हैं, इनमें काफी परिवर्तन आए हैं।

उन्होंने कहा, सेना ने नए हथियारों और अधुनिक उपकरणों से अपनी दक्षता बढ़ाई है। बदलाव की यह प्रक्रिया जारी है लेकिन पिछले दो से तीन वर्षों में इन प्रयासों में नई तीव्रता और गति आई है।

जिन चार बटालियनों को प्रेजीडेंट्स कलर्स से सम्मानित किया गया, उनमें 11 पैरा (विशेष बल), 21 पैरा (विशेष बल), 23 पैरा और 29 पैरा शामिल हैं। यहां पैराशूट रेजीमेंट प्रशिक्षण केंद्र (पीआरटीसी) में कलर प्रेजेंटेशन परेड आयोजित की गई। जनरल नरवणे ने कहा कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की ओर से पैरा बटालियनों को निशान से सम्मानित करना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने चार बटालियनों के सभी अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पैराशूट रेजीमेंट भारतीय सेना की सर्वश्रेष्ठ रेजीमेंट में से एक है और इसकी अपनी प्रतिष्ठित विरासत है तथा इसे युद्ध मैदानों में शौर्य और साहस के लिए पहचाना जाता है। उन्होंने कहा, देश को उसकी उपलब्धियों पर गर्व है। सेना प्रमुख ने पैशशूट रेजीमेंट के देश के लिए जान न्यौछावर करने वाले सभी सैनिकों को श्रद्धांजलि भी दी। इस मौके पर सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

परेड में आठ पैरा ट्रूपर्स ने कॉम्बैट फ्री फॉल का प्रदर्शन भी किया। हालांकि, तेज हवाओं के कारण पैरामोटर उड़ान का प्रदर्शन रद्द कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रेजीटेंड्स कलर्स पुरस्कार युद्ध तथा शांति दोनों के दौरान राष्ट्र को दी गई असाधारण सेवा की पहचान के लिए किसी सैन्य टुकड़ी को दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान है। इसे निशान के नाम से भी जाना जाता है।

कर्नाटक में बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या के मामले में दो और गिरफ्तार

भाषा। शिवमोगा

कर्नाटक के शिवमोगा में बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की हत्या के मामले में दो और व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही जिला प्रशासन ने निषेधाज्ञा की अवधि शुक्रवार तक बढ़ा दी है। राज्य के गृहमंत्री अरगा ज्ञानेंद्र ने बुधवार को कहा कि उन्होंने घटना की पृष्ठभूमि में, जिले के दो पुलिस थानों में तैनात पुलिसकर्मियों के विरुद्ध जांच के आदेश दिए हैं। शिवमोगा के कोटे और डोड्डापेट पुलिस थाने के प्रदर्शन की जांच करने की जरूरत को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि हमें यह पता लगाना है कि पिछले पांच साल में इन दोनों पुलिस थानों में कितने पुलिस अधिकारी और पुलिसकर्मी थे तथा उन्होंने इन (गिरफ्तार किए गए आठ) आरोपियों पर किस प्रकार निगरानी रखी, जिनका इतना बड़ा आपराधिक इतिहास है।

प्रतीक्षा को लेकर बीएमसी को अभ्यावेदन दाखिल करे बच्चन दंपति : अदालत

भाषा। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनकी पत्नी जया बच्चन को निर्देश दिया कि वे उपनगरीय जुहू में उनके बंगले प्रतिक्षा के एक हिस्से के अधिग्रहण के लिए जारी नोटिस के खिलाफ बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) को अभ्यावेदन दाखिल करें। बच्चन दंपति ने नगर निकाय द्वारा जारी नोटिस को चुनौती देते हुए इस सप्ताह की शुरुआत में उच्च न्यायालय का रुख किया था।

न्यायमूर्ति आरडी धनुका और न्यायमूर्ति एसएम मोदक की खंडपीठ ने उन्हें दो हफ्ते के भीतर बीएमसी को एक अभ्यावेदन दाखिल करने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने कहा कि जब अभ्यावेदन दाखिल हो जाएगा तो बीएमसी छह हफ्ते बाद इस पर सुनवाई कर निर्णय लेगी। निर्णय होने के बाद याचिकाकर्ताओं के खिलाफ तीन सप्ताह तक कोई दंडात्मक कार्वाई नहीं की जाएगी।

अदालत ने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर बच्चन दंपति के वकीलों की व्यक्तिगत सुनवाई भी की जा सकती है। याचिका में बीएमसी के नोटिस को रद्द करने और नगर निकाय को भूमि अधिग्रहण की दिशा में कोई कार्वाई करने से रोकने के लिए निषेधाज्ञा जारी करने की मांग की गई थी। बच्चन दंपति को 20 अप्रैल 2017 को दो नोटिस जारी किए गए थे, जिसमें कहा गया था कि उनकी आवासीय संपत्ति के पास के भूखंडों के कुछ हिस्से सड़क की नियमित लाइन के भीतर हैं और बीएमसी का इरादा संबंधित दीवारों व संरचनाओं के साथ ऐसी जमीन का अधिग्रहण करने का है।

बच्चन दंपति ने बीएमसी कार्यालय पहुंचकर नोटिस के बारे में जानकारी जुटाने और नगर निकाय के अधिकारियों के साथ इस मामले पर चर्चा करने के लिए अपने प्रतिनिधियों की नियुक्ति की थी।

व्यावसायिक उद्देश्य के लिए बैंक की सेवाएं लेने वाला व्यक्ति उपभोक्ता नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि व्यावसायिक उद्देश्य के लिए बैंक की सेवाओं का इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता नहीं है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ता के दायरे में आने के लिए एक व्यक्ति को यह स्थापित करना होगा कि सेवाओं का इस्तेमाल केवल स्वरोजगार के माध्यम से आजीविका कमाने के लिए किया गया था। पीठ ने कहा कि इसका कोई सीधा-सपाट फॉर्मूला नहीं हो सकता है और इस तरह का निर्धारण हर मामले में रखे गए सबूतों के आधार पर करना होगा। पीठ ने कहा कि जब कोई व्यक्ति उक्त अधिनियम में परिभाषित उपभोक्ता शब्द के दायरे में आने के लिए व्यावसायिक उद्देश्य से सेवा का इस्तेमाल करता है, तब उसे यह स्थापित करना होगा कि सेवाओं का इस्तेमाल केवल स्वरोजगार के माध्यम से आजीविका कमाने के मकसद से किया गया था।

यूक्रेन संकट के बीच शेयर बाजारों में लगातार गिरावट

सेंसेक्स 69 अंक और टूटा

भाषा। मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट बुधवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में भी जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 68.62 अंक नीचे आ गया। यूक्रेन संकट को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 68.62 अंक यानी 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,232.06 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 28.95 अंक यानी 0.12 प्रतिशत टूटकर 17,063.25 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान दोनों सूचकांक एशिया के अन्य बाजारों की तरह सकारात्मक दायरे में रहे। क्योंकि निवेशकों को यह उम्मीद थी कि यूक्रेन सीमा के पास रूसी सेना की गतिविधियों के बाद रूस पर पश्चिमी देशों की पाबंदियों से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रुख नरम पड़ेगा और युद्ध से बचने की कुछ गुंजाइश बनेगी। लेकिन बाद में बिकवाली दबाव से नुकसान में रहे। सेंसेक्स के शेयरों में एनटीपीसी, एलएंडटी, नेस्ले और आईसीआईसीआई बैंक में सर्वाधिक गिरावट आई।

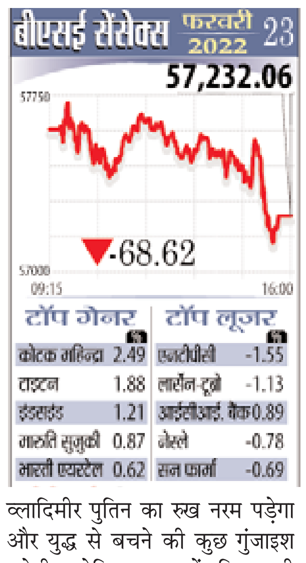

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ घरेलू बाजार की शुरुआत सकारात्मक रही। हालांकि, अत्यधिक उतार-चढ़ाव और बिकवाली दबाव से ए गिरावट के साथ बंद हुए। उन्होंने कहा, भू-राजनीतिक तनाव और ईंधन के बढ़ते दाम के देखते हुए दुनियाभर के बाजारों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव बना रह सकता है...। एशिया के ज्यादातर बाजार लाभ में रहे। अमेरिका, जापान और यूरोपीय देशों द्वारा रूस पर पाबंदी लगाए जाने से युद्ध की आशंका टलने की उम्मीद है।

रूस के अपनी सेना को यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र में भेजे जाने को लेकर तनाव बढ़ने से अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को नुकसान में रहा। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन में विद्रोहियों के नियंत्रण वाले दो क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता दे दी है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रूस के कदम को देखते हुए मंगलवार को वहां के विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव के साथ इस सप्ताह होने वाली बैठक रद्द कर दी। इस बीच, वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड वायदा की कीमत कुछ नरम होकर 96.74 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई। मंगलवार को यह 99.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे चढ़कर 74.61 पर पहुंच गया।

बीड़ी उद्योग का अस्तित्व संकट में सरकार से कर दरें घटाने की मांग

कोलकाता। बीड़ी उद्योग के प्रतिनिधियों और श्रमिक संगठनों ने सरकार से धूम्रपान के इस सस्ते माध्यम पर करों के बोझ को कम करने की मांग की है। उद्योग से जुड़े पक्षों का कहना है कि ऊंचे करों की वजह से आज यह उद्योग अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है। अखिल भारतीय बीड़ी उद्योग महासंघ द्वारा ऑनलाइन आयोजित बैठक में उद्योग के लोगों ने श्रमिकों के लिए वैकल्पिक रोजगार के अवसरों पर भी जोर दिया। महासंघ के संयुक्त सचिव अर्जुन खन्ना ने कहा, देश के दूरदराज के क्षेत्रों में राजस्व और रोजगार सृजन में बीड़ी उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। बीड़ी पर आज 28 प्रतिशत का जीएसटी लगाया जा रहा है, क्योंकि इसे अहितकर उत्पाद की श्रेणी में रखा गया है। इससे श्रमिकों विशेषरूप से बीड़ी उद्योग में काम करने वाली ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सरकार को यह समझना चाहिए कि कर की इतनी ऊंची दर की वजह से देश का यह सबसे पुराना उद्योग बंद होने के कगार पर है। इससे बड़े पैमाने पर लोग बेरोजगार हो जाएंगे, जिसका सामाजिक-आर्थिक प्रभाव होगा। इससे लाखों लोग गरीबी रेखा से नीचे चले जाएंगे। जीएसटी परिषद ने हाथ से बने उत्पादों पर कर की दर को तर्कसंगत कर पांच प्रतिशत कर दिया है। इसे बीड़ी उद्योग पर भी लागू किया जा सकता है। खन्ना ने कहा, भारत में बीड़ी उत्पादन में एक करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ है। इसमें काम करने वाली ज्यादातर महिलाएं हैं, जो नक्सली क्षेत्रों में रहती हैं। उनके पास कोई वैकल्पिक रोजगार नहीं है।

रूस-यूक्रेन टकराव से कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस की कीमतों में आ सकता है उछाल: मूडीज

भाषा। नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन के बीच टकराव से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और तरलीकृत गैस (एलएनजी) के दाम में तेज उछाल आ सकता है। इसका ऊर्जा आयातक देशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। साख निर्धारण और शोध से जुड़ी कंपनी मूडीज इनवेस्टर्स सर्विस ने बुधवार को यह कहा। मूडीज इनवेस्टर सर्विस के प्रबंध निदेशक माइकल टेलर ने कहा कि आयात की स्थिति में बदलाव से व्यापार पर असर दिख सकता है। हालांकि, मध्य एशिया में जिंस उत्पादक देशों के पास चीन को आपूर्ति बढ़ाने का विकल्प हो सकता है। आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी बाधाएं बढ़ेंगी और इससे क्षेत्र में मुद्रास्फीतिक दबाव बढ़ेगा।

हाल के दिनों में यूक्रेन और रूस के बीच तनाव बढ़ा है। रूस ने सोमवार को पूर्वी यूक्रेन के अलगावादियों के प्रभुत्व वाले क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता दे दी और वहां रूसी सेना तैनात कर दी। टेलर ने कहा, दोनों देशों के बीच संघर्ष की स्थिति में वैश्विक स्तर पर तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की वैश्विक कीमतों में तेज उछाल आ सकता है। यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र के कुछ निर्यातकों के लिए सकारात्मक होगा। जबकि काफी संख्या में शुद्ध रूप से ऊर्जा आयातकों पर इसका असर नकारात्मक होगा।

राहत की बात यह है कि कई एशियाई अर्थव्यवस्थाओं का एलएनजी के लिए दीर्घकालीन आपूर्ति अनुबंध है। इससे हाजिर मूल्य में उतार-चढ़ाव का असर कम होगा। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन पर हमले की आशंका तथा रूस पर पश्चिमी देशों की पाबंदियों से वैश्विक कच्चा तेल मानक ब्रेंट क्रूड मंगलवार को 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। रूस प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा निर्यातक और दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल जरूरतों का 85 प्रतिशत जबकि प्राकृतिक गैस की आवश्यकताओं का आधा हिस्सा आयात करता है।

भारतपे ने सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर की पत्नी को किया बर्खास्त

भाषा। नई दिल्ली

वित्तीय-प्रौद्योगिकी कंपनी भारतपे ने अपने कंट्रोल्स विभाग की प्रमुख और कंपनी के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक अशनीर ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर को वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में बर्खास्त कर दिया है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने बुधवार को इस बर्खास्तगी की पुष्टि कर दी लेकिन इसकी वजह नहीं बताई। इस बीच घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि भारतपे ने उनके सभी 244 कर्मचारी स्टॉक विकल्पों (ईसॉप) को भी निरस्त कर दिया है।

इस बारे में टिप्पणी के लिए भेजे गए ईमेल का माधुरी ने तत्काल कोई जवाब नहीं दिया है। उन्हें पिछले महीने ही प्रबंधन ने लंबी छुट्टी पर भेज दिया था। माधुरी के पति अशनीर ग्रोवर भी कोटक महिंद्रा बैंक के एक कर्मचारी के साथ अभद्र भाषा के इस्तेमाल की जानकारी सामने आने के बाद तीन महीने की छुट्टी पर चल रहे हैं। हालांकि, उन्होंने इन सभी आरोपों से इनकार किया है। ग्रोवर दंपती से जुड़े विवाद सामने आने के बाद कंपनी प्रबंधन ने जोखिम सलाहकार फर्म अल्वारेज एंड मार्शल को कामकाज की समीक्षा करने को कहा था।

सूत्रों के मुताबिक, इस समीक्षा में माधुरी के खिलाफ वित्तीय अनियमितता के मामले पाए गए हैं। माधुरी पर व्यक्तिगत सौंदर्य उपचार, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की खरीद और अमेरिका एवं दुबई की पारिवारिक यात्रा के लिए कंपनी के कोष का इस्तेमाल करने का आरोप है। इसके अलावा कथित तौर पर माधुरी ने अपने निजी स्टाफ को भुगतान भी कंपनी के खातों से किया और परिचित लोगों से फर्जी रसीदें बनवाकर पेश कीं।

सूत्रों के मुताबिक, अक्टूबर 2018 से भारतपे की वित्तीय प्रभारी माधुरी ने खुद ही इन बिलों को मंजूरी दी थी। इस बारे में संपर्क किए जाने पर कंपनी के प्रवक्ता ने बर्खास्तगी की कोई वजह न बताते हुए कहा कि 22 फरवरी से ही यह निर्णय प्रभावी हो गया है।

भारत कर सकता है 500 अरब डॉलर का हरित ऊर्जा निर्यात: मुकेश अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बुधवार को कहा कि स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में कदम बढ़ा रहा भारत प्रौद्योगिकी उन्नयन के दम पर दुनिया में ऊर्जा का नया अगुवा बन सकता है। साथ ही भारत अगले दो दशक में 500 अरब डॉलर मूल्य की हरित ऊर्जा का निर्यात करने की स्थिति में पहुंच जाएगा। अंबानी ने कहा कि भारत आज नवीकरणीय ऊर्जा निवेश के नजरिए से दुनिया की सर्वाधिक आकर्षक जगहों में से एक है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं उत्सर्जन-मुक्त ऊर्जा की तरफ कदम बढ़ाने का काम रातोरात नहीं हो सकता है और कोयला एवं आयातित तेल पर भारत की निर्भरता अगले दो-तीन दशकों तक बनी रहेगी।

रिलायंस समूह की कंपनियों में भी स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों की तरफ बढ़ा रहे अंबानी ने कहा, अगले दो-तीन दशकों में उत्सर्जन खत्म करने के लिए हमारे पास योजना होनी चाहिए। इस तरह हमें निकट भविष्य और मध्यम अवधि में निम्न-कार्बन और शून्य-कार्बन वाली रणनीतियों पर काम करना होगा। अंबानी ने एशियन इकनॉमिक डायलॉग में शिरकत करते हुए कहा कि नवीन एवं स्वच्छ ऊर्जा की लागत को कम करने में प्रौद्योगिकी अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि ऊर्जा अंतरण ही 21वीं सदी में भू-राजनीतिक बदलाव को निर्धारित करेगा।

अंबानी ने कहा, लकड़ी की जगह कोयले का इस्तेमाल बढ़ने पर भारत और चीन को पछाड़कर यूरोप वैश्विक स्तर पर सबसे आगे निकल गया था। उसी तरह तेल के आने से अमेरिका एवं पश्चिम एशिया साथ-साथ बढ़े। जब भारत स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनने के साथ इसका एक बड़ा निर्यातक भी हो जाएगा तो वह एक वैश्विक ताकत के रूप में उभरेगा। रिलायंस समूह के प्रमुख ने कहा कि इस ऊर्जा अंतरण की प्रक्रिया में हरित रोजगार पैदा होने के साथ ही बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा की बचत भी होगी। भारत इस समय अपनी तेल एवं कोयला जरूरतों का 85 प्रतिशत आयात करता है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में भारत का उदय एक आईटी महाशक्ति के रूप में हुआ है लेकिन अगले 20 वर्षों में यह ऊर्जा एवं जीवन विज्ञानों में एक महाशक्ति के तौर पर उभरकर सामने आएगा। उन्होंने कहा, मुझे तनिक भी संदेह नहीं है कि भारत दुनिया की एक नई ऊर्जा ताकत बन सकता है।

अंबानी ने कहा कि भारत आने वाले समय में न केवल ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर होगा बल्कि वह हरित ऊर्जा का निर्यात भी करेगा। भारत का प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल निर्यात 150 अरब डॉलर हो चुका है और 2030 तक इसके 500 अरब डॉलर से ज्यादा हो जाने की उम्मीद है। इसी तरह भारत के स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा निर्यात के भी अगले 20 वर्षों में 500 अरब डॉलर पर पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा, मेरा अनुमान है कि अगले 10-20 वर्षों में ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कम-से-कम 20-30 नई भारतीय कंपनियां रिलायंस जितनी बड़ी होंगी। तकनीकी प्रगति से ऊर्जा किफायती हो सकेगी। भारत ने 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

क्विक न्यूज

संगठनों के लिए साइबर अपराध के बारे में सूचना देने की जिम्मेदारी तय करने को नियमन बना रही सरकार

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बुधवार को कहा कि सरकार साइबर अपराध से प्रभावित संगठनों के लिए इसके बारे में संबंधित प्राधिकरण के समक्ष खुलासा करने की जिम्मेदारी तय करने को लेकर नियमन लाने की तैयारी में है। बेंगलुरु में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए आईबीएम सुरक्षा कमांड केंद्र की शुरूआत के मौके पर चंद्रशेखर ने कहा कि भारतीय-सीईआरटी (कंप्यूटर एमरजेंसी रेस्पॉन्स टीम) के पास अबतक 10 करोड़ साइबर घटनाओं के बारे में जानकारी दी गई है। जहां तक साइबर हमले का सवाल है, भारत दूसरा सबसे प्रभावित देश है। नए नियमन लाए जा रहे हैं। साइबर अपराधों के बारे में सूचना देने की जिम्मेदारी संगठनों की होगी। इस व्यवस्था के बाद वे ऐसी चीजों को दबा कर नहीं रख सकते। चंद्रशेखर ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि देश में साइबर क्षेत्र में जो भी जोखिम हैं और जो गतिविधियां हो रही हैं, उसके बारे में सरकार तथा सरकारी एजेंसियों के पास पूरी जानकारी हो। सरकार की प्राथमिकता साइबर क्षेत्र को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाना है। हम क्षमता बढ़ाने पर काफी निवेश कर रहे हैं। इंटरनेट भरोसेमंद और मुक्त होने के साथ सुरक्षित भी होना चाहिए। इंटरनेट पर काम करने वाले मध्यस्थों को ग्राहकों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। आईबीएम इंडिया के प्रबंध निदेशक संदीप पटेल ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में कंपनी का दूसरा सुरक्षा कमांड केंद्र और अपनी तरह का पहला केंद्र स्थापित करने की घोषणा की।

कोका कोला ने शाहरुख को बनाया थम्सअप का ब्रांड एम्बेसडर

नई दिल्ली। शीतलपेय कंपनी कोका-कोला ने फिल्म अभिनेता शाहरुख खान को अपने लोकप्रिय उत्पाद थम्स अप का ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। शाहरुख के साथ थम्स अप के नए विज्ञापन को सभी संचार माध्यमों में प्रदर्शित किया जाएगा। शाहरुख पहले कोका-कोला की प्रतिद्वंद्वी कंपनी पेप्सी के साथ जुड़े हुए थे। शाहरुख ने थम्स अप के साथ अपने जुड़ाव पर कहा कि यह ब्रांड कभी हार न मानने की सोच को प्रदर्शित करता है जो उनके मिजाज से पूरी तरह मेल खाता है। कोका कोला के एकीकृत विपणन अनुभव प्रमुख (भारत एवं दक्षिण-पश्चिम एशिया) सुमेली चटर्जी ने कहा कि 45 साल पुराने ब्रांड थम्स अप ने हमेशा ही लाखों लोगों को अपने सपनों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया है। थम्स अप पिछले ही साल एक अरब डॉलर का ब्रांड बना है। कोका कोला ने वर्ष 1993 में पार्ले बिसलेरी के रमेश चौहान से इसका अधिग्रहण किया था।

बॉश ने ऑटोजिला सोल्यूशंस में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई। प्रौद्योगिकी और सेवा प्रदाता कंपनी बॉश ने ऑटोजिला सॉल्यूशंस में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। ऑटोजिला एक बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) ई-कॉमर्स कंपनी है, जो वाहन कलपुर्जे, गैरॉज उपकरण और अन्य सहायक उपकरणों का कारोबार करती है। बॉश ने बुधवार को एक बयान में कहा कि ऑटोजिला सॉल्यूशंस में अल्पमत हिस्सेदारी का अधिग्रहण कंपनी को वाहन कलपुर्जों की खरीद आसान बनाने में मदद करेगा। साथ ही घरेलू स्वतंत्र आफ्टरमार्केट बाजार (मोटर वाहन उद्योग के लिए दूसरा बाजार) के लिए एक डिजिटल बी2बी बाजार में पहुंच प्रदान करेगा। कंपनी ने अधिग्रहण राशि का खुलासा किए बगैर कहा कि यह समझौता उसे अपने कार सर्विस केंद्रों के साथ-साथ स्वतंत्र गैरेजों के जरिए बाजार में उसकी स्थिति को मजबूत बढ़ावा देगा।

बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल ने एक हजार करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा कराए

नई दिल्ली। बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल ने 1,000 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के समक्ष शुरुआती दस्तावेज जमा कराए हैं। राजस्थान की कंपनी के दो प्रवर्तकों सहित कुछ शेयरधारक आईपीओ में 2.94 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। सेबी के पास जमा कराए गए दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार, बीकाजी वित्त वर्ष 2020-21 में 26,690 टन के साथ सालाना आधार पर बीकानेरी भुजिया की सबसे बड़ी उत्पादक है। कंपनी की योजना 2,93,73,984 शेयर तक बेचने की है। इन शेयरों की बिक्री दो प्रवर्तकों... रतन अग्रवाल और दीपक अग्रवाल द्वारा की जाएगी। दोनों प्रवर्तक 25-25 लाख शेयरों की बिक्री करेंगे। कंपनी को आईपीओ से 1,000 करोड़ रुपए जुटने की उम्मीद है।

सुजॉय चौधरी आईओसी के निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने सुजॉय चौधरी को अपने निदेशक मंडल में निदेशक (योजना एवं कारोबार विकास) नियुक्त किया है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने यह जानकारी दी। चौधरी की नियुक्ति 23 फरवरी से प्रभावी हो गई है। चौधरी (57) मेकेनिकल इंजीनियर और जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता से एमबीए (वित्त) हैं। उनके पास पेट्रोलियम उद्योग के इंजीनियरिंग, खुदरा बिक्री और पेट्रोरसायन (विपणन) क्षेत्रों में कामकाज का तीन दशक से अधिक का अनुभव है।

इंडिया रेटिंग्स ने आंकड़ों में संशोधन के कारण 2021-22 के जीडीपी वृद्धि अनुमान को 8.6 प्रतिशत किया

भाषा। मुंबई

साख निर्धारण एजेंसी इंडिया रेटिंग्स ने 2021-22 में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की वृद्धि दर 8.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। यह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के चालू वित्त वर्ष के लिए जताए गए 9.2 प्रतिशत के अनुमान से कम है। एनएसओ राष्ट्रीय आय का दूसरा अग्रिम अनुमान सोमवार को जारी करेगा। इंडिया रेटिंग्स के विश्लेषण के अनुसार एनएसओ 2021-22 के लिए जीडीपी 147.2 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगा सकता है। इसके आधार पर जीडीपी वृद्धि दर 8.6 प्रतिशत होगी। जबकि सात जनवरी, 2022 को जारी पहले अग्रिम अनुमान के तहत जीडीपी वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

एजेंसी ने कहा कि जीडीपी वृद्धि दर अनुमान में कमी का मुख्य कारण 2020-21 के लिए राष्ट्रीय आय के पहले संशोधित अनुमान को बढ़ाकर 135.6 लाख करोड़ रुपए किया जाना है। इसे 31 जनवरी, 2022 को जारी किया गया था। इसके कारण वित्त वर्ष 2020-21 में जीडीपी वृद्धि दर में 6.6 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि पूर्व में इसमें 7.3 प्रतिशत का संकुचन आने की बात कही गई थी। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2019-20 के लिए राष्ट्रीय आय के दूसरे संशोधित अनुमान में इसके 3.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया जबकि पूर्व में इसके चार प्रतिशत रहने की संभावना जताई गई थी। वहीं 2018-19 के तीसरे संशोधित अनुमान में जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखी गई।

इन संशोधनों की वजह से मांग पक्ष की ओर से जीडीपी वृद्धि को गति देने वाले प्रमुख कारक निजी अंतिम खपत व्यय, सरकार का अंतिम उपभोग व्यय, सकल स्थिर पूंजी निर्माण के आंकड़ों में भी बदलाव हुआ है। साथ ही तिमाही जीडीपी वृद्धि दर के आंकड़ों में भी इस साल बदलाव की संभावना है। चूंकि वित्त वर्ष 2019-20 के आर्थिक वृद्धि दर को संशोधित कर कम किया गया है, ऐसे में एजेंसी का मानना है कि 2019-20 की सभी चार तिमाहियों के आंकड़े मौजूदा अनुमान के मुकाबले कम होंगे।

इसका मतलब है कि 2020-21 के आंकड़ों को संशोधित कर बढ़ाया जा सकता है जबकि 2021-22 के तिमाही जीडीपी आंकड़ों को संशोधित कर कम किया जा सकता है। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार, 2021-22 की पहली और दूसरी तिमाही के आंकड़े पूर्व के अनुमान के मुकाबले 0.9 प्रतिशत से 1.1 प्रतिशत कम हो सकते हैं। वहीं तीसरी और चौथी तिमाही में यह क्रमश: 5.6 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत रह सकता है। यह पूर्व के अनुमान क्रमश: छह प्रतिशत और 5.7 प्रतिशत से कम है।

टाटा हाउसिंग मालदीव में करेगी 270 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली। टाटा समूह की रियल्टी फर्म टाटा हाउसिंग ने बुधवार को कहा कि वह मालदीव में दो लग्जरी आवासीय परियोजनाओं के विकास पर करीब 270 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह मालदीव के माले शहर में प्रस्तावित इन दोनों परियोजनाओं में 117 आवासीय इकाइयों का निर्माण करेगी। ये दोनों परियोजनाएं हवाईअड्डे के करीब विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही टाटा हाउसिंग ने कहा कि मालदीव में एक और अंतरराष्ट्रीय परियोजना भी शुरू की गई है। टाटा हाउसिंग ने करीब एक दशक पहले मालदीव में अपना कामकाज शुरू किया था। वह मालदीव सरकार के साथ भागीदारी में एक सामाजिक आवासीय परियोजना पूरी कर चुकी है। प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय दत्त ने मालदीव में अपनी परियोजनाओं के दूसरे चरण की शुरुआत का ऐलान करते हुए कहा कि कंपनी निकट भविष्य में द्वीपों के विकास पर काम करेगी।

अमेजन, फ्यूचर अपीलीय न्यायाधिकरण से याचिका पर निर्णय करने का आग्रह करें : सुप्रीम कोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन और फ्यूचर समूह से राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) से याचिका पर सुनवाई करने का आग्रह करने को कहा। याचिका में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा फ्यूचर समूह की कंपनी के साथ सौदे को लेकर अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी को दी गई मंजूरी को रद्द करने को चुनौती दी गई है। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायाधीश ए एस बोपन्ना और न्यायाधीश हिमा कोहली की पीठ ने यह सुझाव दिया और दिल्ली उच्च न्यायालय के पांच जनवरी के आदेश को चुनौती देने वाली अमेजन की याचिका पर सुनवाई के लिए नौ मार्च की तारीख तय की। फ्यूचर रिटेल के रिलायंस रिटेल के साथ 24,500 करोड़ रुपए के विलय सौदे को लेकर मध्यस्थता न्यायाधिकरण में जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

पीठ ने संक्षिप्त रूप से दलीलों को सुनने के बाद सुनवाई टाल दी। दलील में कहा गया कि एनसीएलएटी विलय सौदे से संबंधित अमेजन की एक और अपील पर सुनवाई कर रहा है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, मौजूदा विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) एक तरह से एनसीएलएटी के समक्ष दायर याचिका के परिणाम से संबंधित है। हम दोनों पक्षों को अपीलीय न्यायाधिकरण से मामले में निर्णय देने का आग्रह करने का निर्देश देते हैं। मामले की सुनवाई के लिए नौ मार्च की तारीख तय की जाए। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने नौ फरवरी को अमेजन की याचिका पर फ्यूचर समूह की कंपनियों को नोटिस जारी किए थे। अमेजन ने अपनी याचिका में दिल्ली उच्च न्यायालय के पांच जनवरी के आदेश को चुनौती दी है। न्यायालय ने फ्यूचर समूह की कंपनियों... फ्यूचर कूपन्स प्राइवेट लि. (एफसीपीएल) और फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) से जवाब तलब किया था और कहा था कि वह 23 फरवरी को बिना किसी स्थगन के मामले की सुनवाई करेगा।

पेज एक का शेष

यूक्रेन संकट...

का आदेश नहीं दिया है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस के लिए सख्त प्रतिबंधों को रोक रखा है जिससे आर्थिक रूप से विपरीत प्रभाव हो सकता हैं। हालांकि बाइडन ने कहा है कि यदि और आक्रामकता होती है तो वह इस पर आगे बढ़ेंगे। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने पश्चिमी नेताओं से प्रतीक्षा न करने का आग्रह किया। उन्होंने बुधवार को ट्विटर पर लिखा, हम भागीदारों से रूस पर अब और प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हैं। अब पुतिन को रोकने के लिए दबाव बढ़ाने की जरूरत है। उनकी और सहयोगियों की अर्थव्यवस्था पर वार करें। पहले से उठाए गए कदमों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, अमेरिका में रूसी राजदूत अनातोली एंटोनोव ने फेसबुक पर एक बयान में कहा कि प्रतिबंधों से कुछ हल नहीं हो सकता। यह कल्पना करना कठिन है कि वाशिंगटन में एक व्यक्ति है जो रूस से प्रतिबंधों के खतरे के तहत अपनी विदेश नीति को संशोधित करने की अपेक्षा करता है। पूर्वी यूक्रेन में, जहां रूस समर्थित विद्रोहियों और यूक्रेनी बलों के बीच आठ साल के संघर्ष में लगभग 14,000 लोग मारे गए हैं, हिंसा फिर से बढ़ गई है। यूक्रेन की सेना ने कहा कि विद्रोहियों की गोलाबारी में एक यूक्रेनी सैनिक मारा गया और छह अन्य घायल हो गए। अलगाववादी अधिकारियों ने अपने क्षेत्र में रात के समय कई विस्फोटों और तीन नागरिकों की मौत की सूचना दी।

यूक्रेन पर...

में काम करना होना चाहिए। इस बीच, बाबूश्किन ने कहा, रूस और भारत का गठजोड़ मजबूत एवं ठोस बुनियाद पर आधारित है। यह परस्पर विश्वास पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हमारा सहयोग किसी के लिए खतरा नहीं है और इसके साथ ही हम न्यायोचित और समानता पर आधारित बहुध्रुवीय विश्व स्थापित करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि भारत और रूस संबंध इसी स्तर पर बने रहेंगे।

महाराष्ट्र के...

तौर पर जुड़ा होना उन्हें केंद्रीय एजेंसी की जांच के दायरे में ले आया और उनसे पूछताछ की जरूरत पड़ी। उनकी पार्टी राकांपा के नेताओं ने कहा है कि ईडी के अधिकारी मलिक को सुबह करीब छह बजे उनके आवास से ले गए थे। उल्लेखनीय है कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व मुंबई क्षेत्र निदेशक समीर वानखेड़े के खिलाफ व्यक्तिगत और सेवा से जुड़े आरोपों के बाद पिछले कुछ महीनों से मलिक खबरों में रहे हैं।

उप्र में...

चुनाव से पहले आने से मतदान प्रतिशत गिरने का अंदेशा था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सपा का आरोप है कि लखीमपुर जिले की धौरहरा विधानसभा सीट पर बूथ संख्या-55 रानीपुरवा में भाजपा के नेता प्रशासन के अधिकारियों से मेहमाननवाजी करा रहे हैं और वोटरों पर दबाव बनाकर मतदान प्रभावित कर रहे हैं। सपा का आरोप है कि उन्नाव जिले में मोहान विधानसभा सीट के बूथ संख्या में जबरदस्ती समाजवादी पार्टी के एजेंट को बाहर कर दिया गया है। ब्लॉक प्रमुख वहां बैठी हैं, मतदाताओं को प्रभावित करने का काम किया गया। करहल के बूथ संख्या-266 प्राथमिक विद्यालय जसवंतपुर में मतदान का पिछला रिकॉर्ड टूट गया है। पांच बजे तक 73 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान जारी है। 20 फरवरी को इस बूथ पर 72.50 फीसदी वोट पड़े थे। पीलीभीत सदर क्षेत्र की ग्राम पंचायत गौनेरा के मजरा हरकिसनापुर में मुख्य मार्ग कच्चा होने से नाराज लोगों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया। गांव में 425 मतदाता हैं। सदर विधायक संजय सिंह गंगवार 12 बजे समझाने पहुंचे। सड़क बनवाने का भरोसा दिया लेकिन लोगों ने कहा कि पहले का वादा झूठा निकला, हम वोट नहीं डालेंगे। इस वजह से पौने तीन बजे तक एक भी वोट नहीं पड़ा। जिलाधिकारी पुलकित खरे ने बताया कि एसडीएम को भेजा। पीलीभीत जिले में बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के गांव इमलिया और पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र के गौनेरा गांव के मजरा हरकिसनापुर में विरोध और बहिष्कार रहा। इमलिया में सुबह दस बजे तक 20 मतदाता भी पोलिंग बूथ पर नहीं पहुंचे। रेलवे के अंडरपास में जलभराव की दिक्कत का हवाला देकर लोगों ने वोट डालने से मना कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंचे निर्वाचन अधिकारी योगेश कुमार गौड़ गांव पहुंचे। इमलिया में 579 मतदाता हैं। मतदाताओं को समझाया तब कहीं जाकर 11 बजे के बाद कुछ लोगों ने वोट डालना शुरू किया। ग्राम चोगुर्जी निघासन विधानसभा व तिकुनिया कोतवाली क्षेत्र की ग्राम पंचायत सूरतनगर का मजरा है। इसकी आबादी करीब 800 है। यहां 150 परिवार रहते हैं। और 400 मतदाता हैं। लेकिन उनके सामने मतदान केंद्र तक पहुंचने की दुश्वारियां किसी इम्तिहान से कम नहीं होती। ग्राम पंचायत से लेकर विधानसभा, लोकसभा तक के सभी चुनावों में यहां के मतदाताओं को अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जोखिम भरे ऊबड़-खाबड़ रास्ते व नाव का सफर तय कर आठ किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत सूरत नगर के ग्राम टांडा स्थित पंचायत घर में बनें मतदान केंद्र तक पहुंचना पड़ता है। हालांकि ऊबड़-खाबड़ रास्तों की जोखिम भरी नाव के सफर से छुटकारा पाने के लिए यहां के मतदाता अपने गांव में स्थित सरकारी विद्यालय में ही मतदान केंद्र बनाए जाने की मांग करते आ रहे हैं। मांग पूरी नहीं होने के चलते 2014 के उप विधान सभा चुनाव का बहिष्कार तक कर चुके हैं लेकिन यहां के वोटरों को मनाने के बाद जिला प्रशासन अभी तक अपना वादा पूरा नहीं कर सका है। बुधवार को कादीपुर बूथ पर सुबह सात बजे से ही मतदान शुरू हो गया था। दो घंटे नियमित रूप से मतदान होने के बाद सुबह नौ बजे एक अज्ञात व्यक्ति वोट डालने के लिए ईवीएम के पास पहुंचा और साइकिल वाले बटन पर फेवी क्विक डाल दिया। इसके बाद वहां से आराम से निकल गया। जब दो महिला मतदाता वहां वोट डालने के लिए ईवीएम के पास गईं तो देखा कि साइकिल वाला बटन चिपक गया है। महिला मतदाताओं ने इसकी शिकायत पीठासीन अधिकारी से की तब पता चला कि मतदान बाधित हो गया है। तत्काल पीठासीन ने सेक्टर मजिस्ट्रेट को मतदान बाधित होने की जानकारी दी। तब तक 133 मत पड़ चुके थे।

लद्दाख सीमा...

जटिल हो, कितना भी समय लगे, कितना भी मुश्किल हो, मुझे लगता है कि यह स्पष्टता हमारा मार्गदर्शन करती है। जयशंकर ने कहा कि इस समय सैनिकों का पीछे हटना ही लक्ष्य है और वह मुद्दों के समाधान को लेकर आशान्वित हैं।

मायावती ने...

बदल दिए थे। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी अगली सरकार बनाने का सपना देख रही है लेकिन उसका यह ख्वाब धरा का धरा रह जाएगा। सभी जानते हैं कि सपा जब सत्ता में होती है तो दलितों, पिछड़ों, गरीबों और ब्राह्मणों को सबसे ज्यादा प्रताड़ित किया जाता है। सपा के शासन में दंगे होते हैं और मुजफ्फरनगर का दंगा इसका उदाहरण है। चुनाव के नतीजे आने से पहले ही लोगों ने सपा को खारिज कर दिया है।

मेट्रो में...

है ताकि लोग जल्दी और सहूलियत के साथ अपनी यात्रा की योजना बना सकें। इंटरएक्टिव मैप का इस्तेमाल करने वाले लोग अपनी यात्रा के पूरे रूट पर स्टेशनों तथा इंटरचेंज की जानकारी ले सकते हैं। अपने चुने गए रूट पर यात्रियों को अगली उपलब्ध ट्रेन के समय के साथ ही साथ गंतव्य स्टेशन तक लगने वाले समय के अलावा किराये और स्टेशनों की संख्या की जानकारी भी मिलेगी है। एप पर मेट्रो रेल नेटवर्क के हर स्टेशन का विवरण मिलेगा। इनमें मैप पर स्टेशन की लोकेशन, लिफ्ट लोकेशन सहित एस्केलेटरों की उपलब्धता, महत्वपूर्ण नजदीकी स्थान तथा स्टेशनों पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी शामिल है। इसके अलावा होमपेज पर एडवांस्ड फैसिलिटी सर्च फीचर भी है जिससे यात्री उस स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं अथवा मेट्रो लाइन अथवा किसी की-वर्ड विशेष के बारे में क्लिक कर सर्च कर सकते हैं।

यूक्रेन ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की

कीव में वार्ता से पूर्व एक दूसरे का हाथ थामकर प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते यूक्रेन, पोलेंड एवं लुथियानिया के राष्ट्रपति

एपी। मॉस्को

● ब्रिटिश अधिकारियों ने कहा है कि वे आगे बढ़ने का फैसला करने से पहले सेना की गतिविधियों को सत्यापित करने का प्रयास करेंगे

यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने आक्रामक रुख को लेकर रूस पर कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाने की बुधवार को मांग की। कुलेबा ने ट्वीट किया, पुतिन को और आक्रामकता से रोकने के लिए हम भागीदारों से रूस पर अब और प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हैं। उन्होंने पिछले दिन मास्को पर लगाए गए अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। लेकिन उन्होंने देशों से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव और बढ़ाने का आग्रह किया। कुलेबा ने ट्वीट किया, उनकी अर्थव्यवस्था और सहयोगियों पर प्रहार करें। जोरदार प्रहार करें। अभी करें। वहीं लंदन में ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज ट्रूस ने रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की गति और पैमाने का बचाव करते हुए कहा कि सरकार यूक्रेन में बड़े स्तर पर घुसपैठ की स्थिति में इस्तेमाल के लिए कुछ उपायों को सुरक्षित रख रही है। ट्रूस ने स्काई न्यूज को बताया कि पश्चिमी ताकतें पुतिन की महत्वाकांक्षाओं को रोकने के लिए कुछ प्रतिबंधों को सुरक्षित रखना चाहती हैं। ब्रिटिश अधिकारियों ने कहा है कि वे आगे बढ़ने का फैसला करने से पहले सेना की गतिविधियों को सत्यापित करने का प्रयास करेंगें। ट्रूस ने कहा, हमने पुतिन से सुना है कि वह सैनिकों को भेज रहे हैं। हालांकि, हमारे पास अभी तक पूरा सबूत नहीं है कि क्या ऐसा हुआ है। हमें कीव सहित अन्य जगहों पर बड़े पैमाने पर आक्रमण की आशंका है। ब्रिटेन के विपक्षी नेताओं और रक्षा विशेषज्ञों ने कड़े प्रतिबंध नहीं लगाने के लिए सरकार की आलोचना की है, खासकर जब अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस के खिलाफ अधिक आक्रामक तरीके से कदम उठाया। पोप फ्रांसिस ने रूस-यूक्रेन विवाद में सभी पक्षों से ईश्वर के समक्ष अपनी अंतरात्मा की सुनने और युद्ध के खतरों से पीछे हटने का आग्रह किया है।

बुधवार को अपने साप्ताहिक सभा के अंत में एक अपील में फ्रांसिस ने कहा कि वह यूक्रेन में घटनाक्रम से दुखी और चिंतित हैं, जिसे उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून का अनादर कहा। हालांकि, उन्होंने यूक्रेन की सीमा पर रूसी सैनिकों के जमावड़े या यूक्रेन के दो अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने का उल्लेख नहीं किया। अपने संदेश में फ्रांसिस ने कहा, एक बार फिर निहित स्वार्थों से सबके लिए शांति को खतरा है।

वेटिकन रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च से संपर्क करने तथा उसके नेता पैट्रिआर्क किरिल और फ्रांसिस के बीच दूसरी बैठक बुलाने के प्रयासों के साथ कूटनीतिक और धर्म के रास्ते का अनुसरण कर रहा है। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है और कारोबारियों को रूसी साइबर हमले के जरिए जवाबी कार्वाई के लिए तैयार रहने को लेकर आगाह भी किया है। प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने बुधवार को कहा कि लक्षित वित्तीय प्रतिबंध और यात्रा पाबंदी यूक्रेन के प्रति रूसी आक्रामकता के जवाब में पहली कार्वाई होगी। ऑस्ट्रेलिया और रूस ने 2014 से एक-दूसरे पर प्रतिबंध लगाए हैं। यूक्रेन संघर्ष में रूस की भागीदारी के विरोध में ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रतिबंधों की शुरुआत की गई थी। मॉरिसन की कैबिनेट में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति ने प्रतिबंधों और यात्रा बंदिशों को मंजूरी दी जो रूसी सुरक्षा परिषद के आठ सदस्यों को लक्षित करते हैं। ऑस्ट्रेलिया पिछले प्रतिबंधों का विस्तार करने तथा दो रूसी बैंकों को लक्षित करने के अमेरिका और ब्रिटेन की कवायद के साथ भी जुड़ने पर सहमत हुआ है। न्यूजीलैंड की सरकार ने रूसी राजदूत जॉर्जी जुएव को बुधवार को शीर्ष राजनयिक अधिकारियों से मिलने के लिए बुलाया, जो रूस से यूक्रेन संकट को लेकर राजनयिक वार्ता पर लौटने का आग्रह कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री नानैया महुता वर्तमान में देश से बाहर हैं, लेकिन एक बयान में कहा गया कि राजदूत को हाल के दिनों में रूस द्वारा की गई कार्वाइयों के लिए न्यूजीलैंड की कड़ी आपत्ति को दर्ज कराने और यूक्रेन क्षेत्र में रूसी आक्रमण की निंदा से अवगत कराने के लिए बुलाया गया। बढ़ते संकट के बीच दक्षिण कोरिया की यूक्रेन में सैनिकों या अन्य प्रकार की सैन्य सहायता भेजने की कोई योजना नहीं है, लेकिन उसका कहना है कि वह रूस के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व में आर्थिक रूप से दबाब बनाने के अभियान में शामिल हो सकता है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि सियोल अपनी संभावित कार्वाइयों पर विचार कर रहा है लेकिन सैन्य सहायता या सेना की तैनाती में शामिल नहीं होगा। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यूक्रेन संकट पर गंभीर चिंता व्यक्त की और राजनयिक समाधान की मांग करते हुए पूर्वी यूक्रेन में शांति बहाल करने के उद्देश्य से संबंधित देशों से मिंस्क समझौतों का सम्मान करने का आह्वान किया। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने रूस और उसके द्वारा यूक्रेन के दो अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने पर प्रतिबंधों की घोषणा की है।

किशिदा ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार यूक्रेन में रूस द्वारा की जा रही कार्वाई के जवाब में जापान में रूसी सरकार के बॉन्ड को जारी करने तथा इसके वितरण पर प्रतिबंध लगाएगी। उन्होंने कहा कि जापान यूक्रेन के दो अलगाववादी क्षेत्रों से जुड़े लोगों को वीजा जारी करना भी रोक देगा, जापान में उनकी संपत्ति पर रोक लगा देगा तथा दोनों क्षेत्रों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगा देगा। किशिदा ने रूस की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि उसने यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय कानून का भी उल्लंघन किया है।

ऑस्ट्रेलिया ने रूस पर प्रतिबंधों की घोषणा की

एपी। कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया ने रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है और कारोबारियों को रूसी साइबर हमले के जरिए जवाबी कार्वाई के लिए तैयार रहने को लेकर आगाह भी किया है। प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने बुधवार को कहा कि लक्षित वित्तीय प्रतिबंध और यात्रा पाबंदी यूक्रेन के प्रति रूसी आक्रामकता के जवाब में पहली कार्वाई होगी। ऑस्ट्रेलिया और रूस ने 2014 से एक-दूसरे पर प्रतिबंध लगाए हैं। यूक्रेन संघर्ष में रूस की भागीदारी के विरोध में ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रतिबंधों की शुरुआत की गई थी। मॉरिसन की कैबिनेट में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति ने प्रतिबंधों और यात्रा बंदिशों को मंजूरी दी जो रूसी सुरक्षा परिषद के आठ सदस्यों को लक्षित करते हैं। ऑस्ट्रेलिया पिछले प्रतिबंधों का विस्तार करने तथा दो रूसी बैंकों को लक्षित करने के अमेरिका और ब्रिटेन की कवायद के साथ भी जुड़ने पर सहमत हुआ है।

वेलिंगटन: न्यूजीलैंड की सरकार ने रूसी राजदूत जॉर्जी जुएव को बुधवार को शीर्ष राजनयिक अधिकारियों से मिलने के लिए बुलाया, जो रूस से यूक्रेन संकट को लेकर राजनयिक वार्ता पर लौटने का आग्रह कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड की विदेश मंत्री नानैया महुता वर्तमान में देश से बाहर हैं, लेकिन एक बयान में कहा गया कि राजदूत को हाल के दिनों में रूस द्वारा की गई कार्वाइयों के लिए न्यूजीलैंड की कड़ी आपत्ति को दर्ज कराने और यूक्रेन क्षेत्र में रूसी आक्रमण की निंदा से अवगत कराने के लिए बुलाया गया।

सियोल: बढ़ते संकट के बीच दक्षिण कोरिया की यूक्रेन में सैनिकों या अन्य प्रकार की सैन्य सहायता भेजने की कोई योजना नहीं है, लेकिन उसका कहना है कि वह रूस के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व में आर्थिक रूप से दबाब बनाने के अभियान में शामिल हो सकता है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि सियोल अपनी संभावित कार्वाइयों पर विचार कर रहा है लेकिन सैन्य सहायता या सेना की तैनाती में शामिल नहीं होगा। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यूक्रेन संकट पर गंभीर चिंता व्यक्त की और राजनयिक समाधान की मांग करते हुए पूर्वी यूक्रेन में शांति बहाल करने के उद्देश्य से संबंधित देशों से मिंस्क समझौतों का सम्मान करने का आह्वान किया।

तोक्यो: जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने रूस और उसके द्वारा यूक्रेन के दो अलगाववादी क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने पर प्रतिबंधों की घोषणा की है। किशिदा ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार यूक्रेन में रूस द्वारा की जा रही कार्वाई के जवाब में जापान में रूसी सरकार के बॉन्ड को जारी करने तथा इसके वितरण पर प्रतिबंध लगाएगी। उन्होंने कहा कि जापान यूक्रेन के दो अलगाववादी क्षेत्रों से जुड़े लोगों को वीजा जारी करना भी रोक देगा, जापान में उनकी संपत्ति पर रोक लगा देगा तथा दोनों क्षेत्रों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगा देगा। किशिदा ने रूस की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि उसने यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय कानून का भी उल्लंघन किया है।

यूक्रेन पर जो बाइडन और व्लादिमीर पुतिन के बीच बढ़ सकता है गतिरोध

मास्को। रूसी संसद द्वारा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को देश से बाहर सेना के प्रयोग की अनुमति देने के बाद मंगलवार को यूक्रेन के मुद्दे पर मॉस्को और पश्चिमी देशों के बीच गतिरोध बढ़ गया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और यूरोपीय नेताओं ने इसके जवाब में रूस के बड़े व्यवसायियों और बैंकों पर प्रतिबंध लगा दिए। बाइडन और पुतिन ने संकेत दिया है कि यह गतिरोध आगे और बढ़ सकता है। पुतिन, यूक्रेन पर डेढ़ लाख सैनिकों के साथ हमला करने को तैयार हैं और बाइडन ने अभी तक रूस को आर्थिक रूप से अधिक नुकसान पहुंचाने वाले प्रतिबंध नहीं लगाए हैं। अमेरीरी राष्ट्रपति ने कहा है कि अगर हमला होता है तो पाबंदियां लगाई जाएंगी। पुतिन द्वारा यूक्रेन में विद्रोही सेनाओं के कब्जे वाले इलाकों को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने के बाद नाटो के पूर्व में रूस की सीमा पर स्थित बाल्टिक देशों में अतिरिक्त अमेरिकी सैनिक तैनात किए गए हैं। व्हाइट हाउस में बाइडन ने कहा कि क्रेमलिन ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है और यह यूक्रेन पर रूस के हमले की शुरुआत है। बाइडन ने कहा कि यदि पुतिन की सेनाएं और आगे बढ़ती हैं तो वह रूस पर और अधिक प्रतिबंध लगा देंगे।

ब्लिंकन ने अपने रूसी समकक्ष के साथ बैठक रद्द की

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने रूसी समकक्ष के साथ होने वाली बैठक रद्द करते हुए कहा कि रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण की शुरुआत कर दी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के फॉगी बॉटम मुख्यालय में यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ब्लिंकन ने कहा कि दुनिया को, रूस को उन अपराधों के लिए दंडित करने के लिए अपनी पूरी आर्थिक शक्ति के साथ जवाब देना चाहिए, जो उसने पहले ही किए हैं या जिन्हें करने की वह योजना बना रहा है। उन्होंने कहा, रूस की अर्थव्यवस्था पर कड़ा प्रहार करें। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के डोनेट्स्क और लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक कीं स्वतंत्रतौ को मान्यता देने के आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद क्षेत्र में तनाव और रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने की आशंका बढ़ गई है। पुतिन ने रूसी सैनिकों की वहां तैनाती के आदेश भी दिए हैं, जिसे क्रेमलिन ने मॉस्को समर्थक क्षेत्र में एक शांति अभियान करार दिया है। ब्लिंकन ने एक सवाल के जवाब में कहा कि यूक्रेन पर और अधिक रूसी आक्रमण जो अब शुरू हो गया है, इसका स्पष्ट अर्थ है कि कूटनीति को आगे बढ़ाने के लिए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ इस सप्ताह बैठक करने का अब कोई मतलब नहीं है। दोनों नेता 24 फरवरी को यूरोप में मुलाकात करने वाले थे। विदेश मंत्री ने कहा कि जैसा कि अमेरिका ने हमेशा कहा है कि वह यूक्रेन पर हमला रोकने और चीजें बदतर स्थिति में पहुंचने से रोकने के लिए कुछ भी करेगा। ब्लिंकन ने आरोप लगाया कि पुतिन ने यूक्रेन पर आक्रमण करने, यूक्रेन और उसके लोगों को नियंत्रित करने, यूक्रेन के लोकतंत्र को नष्ट करने की योजना बनाई है, जो यूक्रेन को रूस के हिस्से के रूप में पुन: प्राप्त करने का प्रयास प्रतीत होता है। ब्लिंकन ने कहा, इसलिए यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप में सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। यूक्रेन खतरे में है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति पुतिन खुले तौर पर और हिंसक रूप से कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं। तथा सिद्धांतों का उल्लंघन कर रहे हैं।

सुरक्षा संकट का सामना कर रही दुनिया: गुतारेस

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने यूक्रेन की सीमा पर सैनिकों की तैनाती के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आलोचना की और कहा कि दुनिया हाल के वर्षों में वैश्विक शांति और सुरक्षा को लेकर सबसे बड़े संकट का सामना करना रही है। उन्होंने रूस के कदम को यूक्रेन की संप्रभुता का उल्लंघन और मिन्स्क समझौते के लिए बड़ा झटका करार दिया। यूक्रेन में बिगड़ते हालात के मद्देनजर कांगो गणराज्य की अपनी निर्धारित यात्रा रद्द करने वाले गुतारेस ने कहा कि वह पूर्वी यूरोपीय देश के ताजा घटनाक्रमों से बहुत परेशान हैं, जिसमें संपर्क रेखा के पास संघर्ष-विराम उल्लंघन की घटनाओं में वृद्धि के अलावा जमीन पर टकराव का बढ़ता जोखिम शामिल है। मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में गुतारेस ने कहा, हमारी दुनिया हाल के वर्षों में वैश्विक शांति और सुरक्षा को लेकर सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है, खासतौर पर बतौर महासचिव मेरे कार्यकाल में। हम एक ऐसी घड़ी का सामना कर रहे हैं, जिसके बारे में मेरी दिली इच्छा थी कि यह कभी आए ही नहीं। यूएन महासचिव ने दोहराया कि दोनेत्स्क और लुहान्स्क जैसे क्षेत्रों की तथाकथित आजादी को मान्यता देने का रूस का फैसला यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का उल्लंघन है।उन्होंने इस कदम को सुरक्षा परिषद द्वारा समर्थित मिन्स्क समझौतों के लिए एक बड़ा झटका करार देते हुए कहा, इस तरह का एकतरफा कदम यूएन चार्टर के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन करता है और महासभा की तथाकथित मैत्रीपूर्ण संबंध घोषणा के खिलाफ है, जिसे अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने बार-बार कहा है कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून का प्रतिनिधित्व करता है। मिन्स्क समझौतों में वे अंतरराष्ट्रीय समझौते शामिल हैं, जिनमें यूक्रेन के दोनबास क्षेत्र में संघर्ष समाप्त करने की मांग की गई थी। पहला समझौता, जिसे मिन्स्क प्रोटोकॉल के रूप में जाना जाता है, 2014 में यूक्रेन पर त्रिपक्षीय संपर्क समूह द्वारा तैयार किया गया था। इसमें यूक्रेन, रूसी संघ और यूरोप स्थित सुरक्षा एवं सहयोग संगठन (ओएससीई) शामिल थे। फ्रांस और जर्मनी के नेताओं ने इस समझौते में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। बेलारूस की राजधानी मिन्स्क में व्यापक वार्ता के बाद पांच सितंबर 2014 को इस समझौते पर मुहर लगी थी।गुतारेस ने पूर्वी यूक्रेन में सेना भेजने के पुतिन के फैसले और इन सैनिकों को शांतिरक्षक बताए जाने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, मैं शांति स्थापना की अवधारणा के विकृत होने के बारे में भी चिंतित हूं। मुझे संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों की उपलब्धियों पर गर्व है, जिनके तहत बड़ी संख्या में शांतिरक्षक बलों ने नागरिकों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। गुतारेस ने कहा, जब एक देश के सैनिक दूसरे देश में उसकी सहमति के बिना प्रवेश करते हैं तो वे निष्पक्ष शांतिदूत नहीं होते हैं। वे बिल्कुल भी शांतिदूत नहीं हैं। महासचिव ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से शांति के लिए एकजुट होकर इस चुनौती का सामना करने और यूक्रेन के लोगों को युद्ध के संकट से बचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, मैं खूनखराबे के बिना इस संकट को हल करने के सभी प्रयासों का पूरी तरह से समर्थन करता हूं। हम शांतिपूर्ण समाधान की तलाश में पीछे नहीं हटेंगे। एक सवाल के जवाब में गुतारेस ने कहा कि मौजूदा संकट अंत में रूस और यूक्रेन, दोनों के लिए बहुत हानिकारक साबित होगा। पुतिन के इस दावे पर कि दोनेत्स्क और लुहान्स्क के खिलाफ कीव द्वारा की जा रही कार्वाई नरसंहार है, यूएन महासचिव ने कहा, नरसंहार एक अपराध है, जिसे स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है और जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप लागू किया जाना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि इस मामले में यह लागू होता है।

ललित मोदी के खिलाफ ब्रिटेन में मुकदमा दर्ज

भाषा। लंदन

भारतीय मॉडल से निवेशक बनीं गुरप्रीत गिल माग ने लंदन के हाई कोर्ट में कथित धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन को लेकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक ललित मोदी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है और उनसे लाखों डॉलर के मुआवजे की मांग की है। जज मुरे रोसेन क्यूसी की अगुवाई में इस सप्ताह चांसरी डिविजन में यह तय करने के लिए सुनवाई शुरू हुई कि क्या मोदी ने अप्रैल 2018 की विश्वव्यापी कैंसर उपचार परियोजना के लिए झूठे अभ्यावेदन दिए। मोदी ने लिखित सबूतों के जरिए इन आरोपों को खारिज किया है और बाद में इस मामले की सुनवाई के दौरान उनके मौखिक अभ्यावेदन देने की भी संभावना है। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, माग के मालिकाना हक वाली क्वांटम केयर लिमिटेड ने मोदी की कैंसर देखभाल से जुड़ी कंपनी आयन केयर के लिए दुबई में फोर सीजन्स होटल में एक आकर्षक निवेश प्रस्ताव रखा था। अदालत से कहा गया, गुरप्रीत माग और उनके पति डेनियल माग ने कहा कि मोदी ने उन्हें बैठक के दौरान सूचित किया था कि कई जाने-माने और प्रभावशाली लोगों ने आयन केयर के संरक्षक के रूप में काम करने और उसके प्रबंधन में भागीदारी करने पर सहमति जताई है तथा करीब 26 करोड़ डॉलर की वित्तीय प्रतिबद्धता जताई है। माग ने कहा कि मोदी ने उन्हें बताया था कि कई प्रभावशाली लोग एवं जानी मानी हस्तियां आयन केयर का ब्रैंड एम्बेसेडर बनने पर सहमत हुई हैं। लंदन में रहने वाले मोदी से सामाजिक रूप से परिचित माग से 20 लाख डॉलर निवेश करने को कहा गया। सिंगापुर में अधिवासित माग की कंपनी क्वांटम केयर ने 14 नवंबर, 2018 को 10 लाख डॉलर निवेश किए और शेष 10 लाख डॉलर निवेश नहीं किए गए, क्योंकि आयन केयर का कारोबार कभी शुरू ही नहीं हुआ। माग ने कहा कि इससे उन्हें नुकसान हुआ है, क्योंकि आयन केयर के लिए दिया गया धन वह किसी और कारोबार में निवेश नहीं कर पाईं। माग के वकील ने कहा, क्वांटम ने आरोप लगाया कि अप्रैल 2018 की बैठक के दौरान मोदी द्वारा दिए गए अभ्यावेदन झूठे थे और उन्हें जानकारी भी थी कि वे झूठी बातें हैं या उन्होंने ए अभ्यावेदन करते समय लापरवाही बरती। मोदी की ओर से अदालत में दर्ज अभ्यावेदन के अनुसार, उनकी पत्नी मीनल को मुहैया कराए गए कैंसर के उपचार के बाद उनके मन में आयन केयर के कारोबार का विचार आया था। मीनल का दिसंबर, 2018 में निधन हो गया था। वह पहले कैंसर से पीड़ित रही थीं। मोदी ने कहा कि उनका कारोबार सफल नहीं हो सका, लेकिन ऐसी कोई शिकायत नहीं है कि इस कारोबार का मॉडल या उसकी प्रौद्योगिकी को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया।

तेहरान पहुंचे ओमान के विदेश मंत्री

तेहरान। विएना में ईरान और विश्व शक्तियों के बीच जारी परमाणु वार्ता के बीच ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र अलबु सईदी अपने ईरानी समकक्ष के साथ बातचीत के लिए बुधवार को तेहरान पहुंचे।

सार्वजनिक सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती राज रानी पत्नी स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश बब्बर, एक संपत्ति प्लॉट नंबर पी-124, क्षेत्रफल 50 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 194, ग्राम घोंडली कॉलोनी गली नंबर 8, शंकर नगर एक्सटेंशन, इलाका शाहदरा, दिल्ली में स्थित है, जो मुख्तारनामा आम दिनांक 27.05.1995 के द्वारा मालिक हैं। उपरोक्त संपत्ति के स्वामित्व सम्बंधित मुख्तारनामा आम दिनांक 27.05.1995 के आधार पर श्री अभिषेक को बेचने का करार किया है उपरोक्त संपत्ति क्लिक्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेडद्वारा बंधक प्रस्तावित है। यदि किसी भी व्यक्ति को इस संपत्ति में कोई आपत्ति या दावा है, तो नीचे दिए गए पते पर इस नोटिस की तारीख से 15 दिनों में अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें, ऐसा न होने पर, यह माना जाएगा कि उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा या मुद्दे नहीं हैं।

राघव तिवारी (अधिवक्ता)
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
Mob.: +91-8076188328

सार्वजनिक सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुमन खुराना पत्नी श्री मदन खुराना एक आवासीय भूतल फ्लोर, बिना छत के अधिकार व दूसरी मंजिल छत के अधिकार के साथ क्षेत्रफल 73.1/3 वर्ग गज, आवासीय संपत्ति का दक्षिणी भाग संख्या- डी/62, खसरा नं. 38/16, राजस्व संपत्ति ग्राम ख्याला, दिल्ली राज्य दिल्ली कलोनी श्याम नगर, नई दिल्ली - 110045 में स्थित है उपरोक्त संपत्ति उपहार विलेख के रूप उपहार विलेख दिनांक 25.10.2018 पंजीकृत नंबर 12246 के द्वारा श्रीमती वंती देवी पत्नी श्री स्वर्गीय राम सरन दास खुराना जो स्वयं हकत्याग विलेख दिनांक 24.08.2018 को पंजीकृत नंबर 9892 के द्वारा स्वामी है, जो हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेडद्वारा बंधक प्रस्तावित है, आगे सूचित हो 1. राजेश कुमार खुराना 2. मदन खुराना पुत्रगण स्वर्गीय राम सरन दास खुराना 3. श्रीमती मीनू खुराना पुत्री दर्शन लाल खुराना 4. श्री गौरव खुराना पुत्र स्वर्गीय दर्शन लाल खुराना 5. तन्वी खुराना पुत्री दर्शन लाल खुराना 6. सविता पुत्री स्वर्गीय राम सरन दास खुराना 7. श्रीमती ममता पुरी पुत्री स्वर्गीय राम सरन दास खुराना 8. श्रीमती साधना हांडा पुत्री स्वर्गीय राम सरन दास खुराना 9. श्रीमती वंती देवी पत्नी स्वर्गीय राम सरन दास खुराना के अलावा स्वर्गीय राम सरन दास खुराना के अन्य कोई विधिक उत्तराधिकारी नहीं है व जीवित सदस्य प्रमाण पत्र भी उपलब्ध नहीं है।
यदि किसी व्यक्ति (ओं) को इस संपत्ति में कोई आपत्ति या दावा है, तो हमें इस नोटिस की तारीख से 10 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें। अगर कोई दावा नहीं आया तो यह माना जाएगा की किसी का कोई दावा या हक इस प्रॉपर्टी में नहीं है।

राघव तिवारी (अधिवक्ता)
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
Mob.: +91-8076188328

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of ICICI Bank Ltd. That Mr. Manmeet Singh & Mrs. Monika Chadha are the Claiming owners of Entire Second Floor without roof rights "said floor", Built on Property bearing No. R-29, area measuring 225.8 sq. yds, Village-Tatarpur, Najafgarh Road, Rajouri Garden, New Delhi; "the said property". by virtue of SMC dated 22.12.2021 issued by SDM, after demise of their mother Mrs. Baljeet Kaur, who was the owner of Terrace of First Floor with roof rights of the said property by virtue of sale deed dated 30.06.2011 registration No. 16114, All persons are hereby informed that above mentioned owner want to sell the Second Floor, to Mr. Arjun Singh who is taking Loan from ICICI Bank Ltd., for purchase of the said floor, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owners its sale /Mortgage/ litigation, and any kind of objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that I, Harbhajan Singh & Kuldip Singh S/o Late Sh. S. J.Jang Singh R/o B-1/425, Janak Puri, Delhi-110058 am the legal owner of B-1/425, Janak Puri, Delhi-110058, File No. F-21 (425) 1967 / LAB® which is allotted by the DDA. Original Allotment Letter, DDA Possession Letter of the above Plot has been lost. An FIR/NCR to this effect has lodged in P. S. Crime Branch, Delhi vide LR No. 153648/2022, Dated -22-02-2022. Any person (s)claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above address/phone No. 9855651185 within 15 days from the date of publication of this notice. Any person claiming any right, interest, or having any objections with respect to this property can also personally inform/contact me.

Raman Vihar Coop. Group Housing Society Ltd. Plot No.5A, Sector-11, Dwarka, New Delhi-110075

In pursuance to rule 19(2) of DCS rules 2007, it is to inform publicly that Smt. Rita Sangwan member of Raman Vihar CGHS Ltd (Regd No.872) has resigned from the membership of the society, Further she has been issued account payee cheques for her deposited amount. If anyone has any objections he/she may file his/her objection in the office of the RCS Parliament street, New Delhi or at Society office i.e, Plot No.5A, Sector-11, Dwarka, New Delhi-110075 within 07 days from the date of publication of the public notice.
Secretary-Raman Vihar CGHS Ltd.

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा जनता को यह सूचना दी जाती है कि मेरे क्लाइंट ऐक्सिस बैंक लिमिटेड की एक शाखा यहां है डी-70 ए ईस्ट ऑफ कैलाश, सपना सिनेमा के पास, नई दिल्ली, श्री भीम बंसल को प्लॉट नंबर 285 के खिलाफ लोन/वित्तीय सुविधा देने का इरादा रखता है, जिसका क्षेत्रफल 188.01 वर्ग मीटर है सेक्टर-1, वसुंधरा, तहसील और जिला गाजियाबाद (यूपी) में स्थित है। उत्तर प्रदेश आवास और विकास परिषद द्वारा जारी स्थानांतरण पत्र दिनांक 29.06.2015 के आधार पर श्री मुकुल गुप्ता को उपरोक्त संपत्ति के मालिक होने का दावा करते हैं। किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) को उपर्युक्त संपत्ति में किसी भी तरह से अधिकार, शीर्षक या हित/दावे/आपत्ति(ओं) के संबंध में कोई आपत्ति या दावे हैं, तुरंत सभी सहायक दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरी से लिखित रूप में संपर्क करना चाहिए। उनके यदि इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 10 दिनों की अवधि के भीतर ऐसा कोई दावा प्राप्त नहीं होता है, तो यह माना जाएगा कि उपरोक्त संपत्ति में किसी का भी कोई अधिकार, शीर्षक या हित नहीं है और भले ही किसी के पास कोई दावा/आपत्ति हो , उसने इसे छोड़ दिया है।

हिमांशु आहूजा (अधिवक्ता)
संपर्क नंबर: 9810310373, 011-41830049
ई-मेल पता: alolegals@gmail.com

विदेश मंत्री जयशंकर ने सिंगापुर के अपने समकक्ष से आर्थिक सहयोग पर चर्चा की

● तीन दिवसीय फ्रांस यात्रा पर जर्मनी से पेरिस पहुंचे विदेश मंत्री

भाषा। पेरिस

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां हिंद-प्रशांत मुद्दे पर यूरोपीय संघ (ईयू) की मंत्रिस्तरीय बैठक से इतर सिंगापुर के अपने समकक्ष विवियन बालकृष्णन के साथ आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय विकास पर चर्चा की। फ्रांस की तीन दिवसीय यात्रा पर रविवार को जर्मनी से पेरिस पहुंचे जयशंकर ने यूरोपीय संघ हिंद-प्रशांत फोरम में हिस्सा लेने वाले अन्य हिंद-प्रशांत देशों के अपने समकक्षों के साथ बैठकें भी कीं। विदेश मंत्री ने मंगलवार को ट्वीट किया, हिंद-प्रशांत पर यूरोपीय संघ की मंत्रिस्तरीय बैठक के मौके पर सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालकृष्णन से मुलाकात की। फोरम में उठने वाले मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। हमारी बातचीत में यात्रा व्यवस्था, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय विकास जैसे मुद्दे भी शामिल थे। वहीं, बालकृष्णन ने ट्वीट किया, पेरिस में मेरे अच्छे दोस्त भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मुलाकात की। सिंगापुर के विदेश मंत्री ने लिखा, हमने आसियान के साथ सहयोग, क्षेत्रीय घटनाक्रमों और सामान्य यात्रा सुविधा बहाल किए जाने पर व्यापक चर्चा की। इससे पहले, सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्री ओंग ए कुंग ने मंगलवार को कहा था कि उनका देश जल्द ही फिलीपींस के साथ एक वैक्सीनेटेड ट्रैवल लेन (वीटीएल) शुरू करेगा और भारत के साथ वीटीएल कोटा बहाल करेगा। जयशंकर उस दिन पेरिस पहुंचे थे, जब यूक्रेन पर रूसी हमले की आशंका के बीच फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूरोपीय राष्ट्र की सीमा पर तनाव घटाने के लिए फोन पर मैराथन बातचीत की थी। रविवार को विदेश मंत्री ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष ज्यां-यवेस ले द्रायां के साथ लंबी बातचीत की थी। इस दौरान दोनों नेताओं में प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों, खासतौर पर भारत-ईयू संबंधों, अफगानिस्तान की स्थिति, ईरानी परमाणु समझौते और यूक्रेन संकट पर चर्चा हुई थी। जयशंकर और द्रायां ने बहुपक्षवाद के सिद्धांतों और नियम-आधारित व्यवस्था के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को भी दोहराया था। उन्होंने परस्पर चिंता के मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में समन्वय करने पर सहमति भी जताई थी।

अमेरिका के रुख से भड़का चीन

बीजिंग। चीन ने अमेरिका पर यूक्रेन संकट को लेकर भय और दहशत पैदा करने का आरोप लगाया है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने बुधवार को कहा कि चीन रूस पर नए प्रतिबंधों का विरोध करता है और चीन के पुराने रूख को दोहराता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की सीमाओं के आसपास रूसी सैनिकों की तैनाती और आक्रमण की आशंका के जवाब में अमेरिका कीव को हथियार प्रदान करके तनाव बढ़ा रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व में चीन-रूस संबंध घनिष्ठ हुए हैं। चिनफिंग ने इस महीने की शुरुआत में बीजिंग में वार्ता के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मेजबानी की थी। दोनों पक्षों ने पूर्व सोवियत गणराज्यों में उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के विस्तार के लिए रूस की आपत्ति का समर्थन करते हुए एक संयुक्त बयान जारी किया और ताइवान के स्व-शासित द्वीप पर चीन के दावे का समर्थन किया।

हवाई में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में चार लोगों की मौत

होनोलूलू (अमेरिका)। अमेरिका में हवाई के कोआई द्वीप में मंगलवार को एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी नौसना ने यह जानकारी दी। पैसिफिक मिसाइल रेंज फैसिलिटी ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई है। पैसिफिक मिसाइल रेंज फैसिलिटी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि हेलीकॉप्टर क्रोमैन कोर से रवाना हुआ था।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कांकेर
(राष्ट्रीय गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम)

// अल्प निविदा सूचना //

क्र./CMHO/2021-22/1131 कांकेर, दिनांक : 23/02/2022

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला-उ.ब.कांकेर (छ.ग.) अंतर्गत राष्ट्रीय गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NPCDCS, NPHCE, NMHP, NTCP एवं HWC) के हेतु एन.सी.डी. कार्यक्रम अंतर्गत दवाईयां उपकरण एवं कंजूमेबल सामग्री क्रय किये जाने मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

इच्छुक फर्म राशि 1,000/- (एक हजार रू. मात्र) का बैंक ड्राफ्ट (Non Refundable) जिला स्वास्थ्य समिति कांकेर के नाम से जमा कर निविदा प्रक्रिया में भाग ले सकते है। निविदा फार्म तथा अन्य जानकारी कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कांकेर से कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किया जा सकता है। निविदा शर्तों में परिवर्तन एवं निविदा निरस्त करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित है। निविदा फार्म प्राप्त किये जाने की तिथि दिनांक 07.03.2022 तथा जमा करने की अंतिम तिथि 08.03.2022 कार्यालयीन समय 3.00 बजे तक एवं खोले जाने की तिथि 08.03.2022 समय 4.00 बजे निर्धारित की गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

संवाद - 31577/3

पथहीन यात्रा

संत राजिन्दर सिंह का कहना है कि एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक लोगों को प्रेरित किए जाने के बाद ध्यान करने के लिए प्रोत्साहित करता है...

जब हम अपने जीवन को देखते हैं, तो ऐसे कई रास्ते हैं जिन पर हम यात्रा करते हैं और कई गंतव्य, जिन्हें हम चुनते हैं, हमारे जीवन के लक्ष्य पर निर्भर करते हैं।

यदि किसी को ऊँचे स्थान से नीचे की ओर देखना पड़े, तो वह लोगों को अपने लक्ष्य के विभिन्न मार्गों पर यात्रा करते हुए देखेगा, जैसे कि वे चींटियां हों जो जमीन पर इधर-उधर भाग रही हों।

हम में से अधिकांश लोग वित्तीय स्वतंत्रता और धन प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हम में से कुछ एक समृद्ध करियर की दिशा में, अपने अधिकांश वयस्क जीवन को एक निश्चित क्षेत्र में काम करने के लिए समर्पित करते हैं।

कुछ लोग अध्ययन और शोध के लिए अपना समय समर्पित करके अधिक से अधिक ज्ञान प्राप्त करने से संतुष्ट होते हैं। जबकि हम में से कुछ लोग स्वस्थ संबंध विकसित करने और परिवार बनाने के मार्ग पर भी चल रहे हैं।

यदि हम उन सभी रास्तों की जांच करें, जिन पर हम चल रहे हैं, तो हम पाते हैं कि उनमें एक बात समान है। ये सभी सड़कें – जहां भी जीवन में हम जा रहे हैं – जब हम अपनी अंतिम सांस लेते हैं तो समाप्त हो जाती हैं।

इन रास्तों पर हमारी यात्रा हमारी मृत्यु के समय रुक जाती है। यह हमारे जीवन का कटु सत्य है। जब हमारा भौतिक शरीर नष्ट हो जाता है तो हमारा धन, हमारा करियर, हमारा सांसारिक ज्ञान, हमारे रिश्ते, हमारी कला... सब पीछे छूट जाते हैं।

फिर वह कौन सा मार्ग है जिसका हम अनुसरण कर सकें, जो शाश्वत है, जो हमारे भौतिक शरीर के निधन से परे है, और हमें ईश्वर की ओर ले जाता है? उत्तर है : अध्यात्म।

यह सार्वभौमिक प्रेम का मार्ग है जो हमें ईश्वर की ओर ले जाता है, जहां हम एक ऐसे प्रेम में आलिंगनबद्ध होंगे जो अनंत काल तक चलेगा।

ईश्वर आत्मा है और इस भौतिक संसार की सीमाओं से परे है। यदि हम अपने बहुमूल्य जीवन की सांसें परमेश्वर के प्रेम की खोज में लगाते हैं, तो हम एक ऐसा मार्ग पाएंगे जो प्रेम के अनंत काल की ओर ले जाता है।

आत्मा की यह यात्रा हमारी आत्मा को दुख की दुनिया से प्रकाश के क्षेत्र में ले जाती है जो हमें शाश्वत शांति और प्रेम से भर देती है।

हम इस स्थायी आनंदमय प्रेम को कैसे प्राप्त कर सकते हैं? हम परमेश्वर के मार्ग पर कैसे चल सकते हैं? उत्तर है, ध्यान के माध्यम से।

ईश्वर के आंतरिक प्रकाश और ध्वनि पर ध्यान करना केवल शरीर के शारीरिक विश्राम के लिए नहीं है, यह आत्मा को शाश्वत प्रेम और आनंद प्रदान करता है। यह सार्वभौमिक प्रेम की स्थिति प्राप्त करने का मार्ग प्रदान करता है।

जैसे ही हम अपने भीतर ध्यान केंद्रित करते हैं, हम प्रकाश और ध्वनि की उस धारा से जुड़ने में सक्षम होते हैं, जो हम में से प्रत्येक के भीतर मौजूद है।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, हम जिस प्रेम और आनंद का अनुभव करते हैं, और जो रहस्य हमारे सामने आते हैं, वे हमारे भीतर व्यक्तिगत परिवर्तन लाते हैं।

हम अपने अस्तित्व की वास्तविकता के प्रति जागरुक होते हैं। हम प्यार करने वाले, देखभाल करने वाले, निस्वार्थ व्यक्ति बन जाते हैं जो जीवन की एकता को अपनाते हैं और सभी की सेवा करना चाहते हैं। हम प्यार के स्रोत बन जाते हैं जो दूसरों को खुशी और मदद दे सकते हैं। हम दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने में योगदान देने में सक्षम होते हैं।

हम फिर सार्वभौमिक प्रेम को प्रकाशित कर सकते हैं। हम अपने लिए किसी लाभ के लिए नहीं, बल्कि दूसरों की मदद करने के लिए भगवान का एक साधन बनने के लिए अच्छा करते हैं।

अध्यात्म का हर पहलू प्रेम के सिद्धांत पर बना है जिसे सभी उम्र के लोगों और जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों द्वारा सार्वभौमिक रूप से अनुभव किया जा सकता है। आध्यात्मिक क्रियाएं प्रेम की शक्ति से प्रेरित होती हैं।

यदि हम आध्यात्मिक मार्ग के सभी पहलुओं में सार्वभौमिक प्रेम की भूमिका को समझें, तो हम पाएंगे कि आध्यात्मिकता बिल्कुल भी कठिन नहीं है। बल्कि, यह आसान है।

लेकिन हम आध्यात्मिक मार्ग के बारे में और कैसे सीखते हैं? अपने भीतर जाना कैसे सीख सकते हैं?

हम सभी जानते हैं कि जब हम इस दुनिया में कुछ पढ़ना चाहते हैं तो हम उस विषय में कुशल शिक्षक के पास जाते हैं। जब हम छोटे होते हैं तो नर्सरी स्कूल जाते हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते जाते हैं, हम मिडिल स्कूल और हाई स्कूल और फिर कॉलेज जाते हैं। यदि हम भौतिकी या रसायन विज्ञान सीखना चाहते हैं तो हम किसी शिक्षक या प्रोफेसर के पास जाते हैं। शिक्षक हमें विषय के सिद्धांत की व्याख्या करेंगे।

जब भी हमें कोई समस्या होती है तो हम अपने शिक्षकों से प्रश्न पूछ सकते हैं और वे बैठकर यह सुनिश्चित करने के लिए समय व्यतीत करेंगे कि विषय के मूल तत्व अब हमें बहुत स्पष्ट हो गए हैं। यदि मूल बातें स्पष्ट हैं, तो हम अपने संपूर्ण ज्ञान का निर्माण उन मजबूत बुनियादी बातों के आधार पर कर सकते हैं।

सिद्धांत के साथ-साथ शिक्षक हमें यह भी दिखाते हैं कि हम विभिन्न प्रयोग कैसे कर सकते हैं ताकि हमें विषय का पूरा ज्ञान हो सके। वे हमें दिखाते हैं कि हम उनके मार्गदर्शन में स्वयं प्रयोग कैसे कर सकते हैं ताकि व्यावहारिक दृष्टिकोण से हम देख सकें कि सिद्धांत हमें क्या सिखाने की कोशिश कर रहा है।

इस प्रकार, संपूर्ण चित्र प्राप्त करने और पूरे विषय को पूर्णतया समझने के लिए, हमें न केवल सिद्धांत की आवश्यकता है, बल्कि हमें व्यावहारिक पहलू की भी आवश्यकता है।

अध्यात्म का विषय जटिल नहीं है, अगर हम इसे सही तरीके से सीखें। जिस तरह भौतिक विज्ञान या रसायन विज्ञान जटिल हो सकता है यदि शिक्षक मूल सिद्धांतों के बारे में सुनिश्चित नहीं है और हमें ठीक से नहीं पढ़ा सकता है, आध्यात्मिकता के साथ, जो कि एक सदियों पुराना विज्ञान है, हमें किसी ऐसे व्यक्ति के पास जाने की जरूरत है जो विषय को बहुत स्पष्ट रूप से जानता हो, जिसने प्रयोग किए हैं, जो निहित तरीकों से बहुत परिचित हैं, ताकि वे हमें रास्ते में आने वाले सभी नुकसानों के बारे में मार्गदर्शन कर सकें। शिक्षक हमें कितनी दूर ले जा सकते हैं यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्होंने कितनी दूर यात्रा की है।

जिस प्रकार हम अपने कुछ प्रयोग स्कूल में भौतिकी या रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में कर सकते हैं, उसी प्रकार यह मानव शरीर हमारी प्रयोगशाला है जो हमें ईश्वर द्वारा प्रदान की गई है। एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक हमें अपने शरीर के आंतरिक प्रयोगों को करने का तरीका सिखाता है। वे हमें आंतरिक प्रकाश और ध्वनि से जुड़ने में मदद करते हैं ताकि हम भीतर जा सकें, अपने लिए प्रयोग कर सकें और अपनी प्रगति देख सकें। वे हमें न केवल सिद्धांत बल्कि आत्म-साक्षात्कार और ईश्वर-प्राप्ति का व्यावहारिक पहलू भी दे सकते हैं ताकि हम ईश्वर का अनुभव कर सकें।

एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक चाहता हैं हम जानें कि हम वास्तव में कौन हैं। वे चाहते हैं कि हम जानें कि भगवान कौन है। वे चाहते हैं कि हम परमेश्वर के पास वापस जाने का रास्ता जानें। वे हमें यह समझने में मदद करते हैं कि हम शरीर नहीं हैं, कि शरीर में असली चीज आत्मा है। वे चाहते हैं कि हम यह महसूस करें कि हम में से प्रत्येक में आत्मा ईश्वर का एक हिस्सा है, और हमें हर इंसान से प्यार और सम्मान करना है, और न केवल हर इंसान, बल्कि इस दुनिया में सृष्टि के प्रत्येक रूप से प्यार करना है।

यदि हम एक ऐसी अवस्था में पहुंच जाते हैं जहां हमें पता चलता है कि सृष्टि के प्रत्येक रूप में आत्मा ईश्वर का अंश है, तो हमें सभी में ईश्वर का प्रकाश देखने में कोई परेशानी नहीं होगी। जैसे ही हम उस अवस्था में पहुंच जाते हैं जहां हम सभी में ईश्वर का प्रकाश देखते हैं, तो हमारी आत्मा का ईश्वर से संबंध तुरंत हो जाता है।

एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक लोगों को प्रेरित किए जाने के बाद उन्हें स्वयं ध्यान के प्रयोग का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करता है। जैसे ही हम आध्यात्मिक मार्गदर्शक की मदद से आध्यात्मिकता के इस पथ पर यात्रा करना शुरू करते हैं, हम जल्द ही अपने सच्चे स्व का अनुभव कर सकते हैं और अपने भीतर ईश्वर का अनुभव कर सकते हैं।

-लेखक आध्यात्मिक गुरु हैं।

हवा मत बोओ...

प्रमोद पाठक

एक पुरानी कहावत है कि हवा बोओगे तो बवंडर काटोगे। काश, इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा होता, सत्ता में बैठे लोग इस सदियों पुराने स्वर्णिम ज्ञान के महत्व को नहीं समझते हैं। और जो लोग अंग्रेजी कहावतों को अभिजात्य नौटंकी के रूप में खारिज करने के लिए दो हूटों की परवाह नहीं करते हैं, उनके लिए भारतीय रहस्यवादी संत कबीर की एक ऐसी ही सलाह है। दोहे को अंग्रेजी भाषा में व्याख्यायित करने से यह हो जाता है- तुमने जो कुछ किया, उसकी परवाह नहीं की, फिर पछताने से क्या लाभ। यदि आप एक बाबुल का पौधा (एक कांटेदार पेड़) बोते हैं, तो आपको आम नहीं मिल सकते। शक्तियों का केवल एक उद्देश्य होता है, शासन करना। लोगों की भावनाओं में हेरफेर करके और उन्हें सामाजिक धार्मिक आधार पर विभाजित करके। इसकी नवीनतम चाल है ड्रेस कोड के नाम पर पैदा हुआ विवाद। इसकी शुरुआत कर्नाटक के एक शिक्षण संस्थान से हुई थी, लेकिन इसने पूरे देश में धूम मचा दी है। हालांकि मामला कानून की अदालत में पहुंच गया है और कार्रवाई का आदर्श तरीका यह होना चाहिए कि कानूनी व्याख्या समाधान प्रदान करे। फिर भी, सभी धर्मों के लोग छोटे-मोटे लाभ के लिए परेशानी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। भारत इस तरह के गंदे मंसूबों का गवाह और शिकार दोनों रहा है, जोकि दुर्भाग्यपूर्ण है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि चतुर ब्रिटिश शासकों ने जिस प्रकार भारतीय लोगों को विभाजित करने और जनता को सांप्रदायिक बनाने को उपकरण के रूप इस्तेमाल किया था, उसी प्रकार भारतीय राजनेताओं ने भी राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए उन्हीं हथकंडों का इस्तेमाल किया है। अंग्रेजों के लिए, फूट डालो और राज करो एक शासन रणनीति थी, जबकि भारतीय राजनेताओं के लिए यह एक राजनीतिक खेल योजना

है, यह चुनावी लाभ के लिए लोगों को बहकाने की एक रणनीति है। लोगों को शिक्षित करने और राजनीतिक वर्ग के शैतानी मंसूबों के बारे में जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। त्रासदी यह है कि हमारे पास ऐसे विद्वान नहीं हैं जो धार्मिक सिद्धांतों की अवधारणा और अभ्यास से संबंधित धुंध को दूर करने का कार्य कर सकें। विभिन्न धर्मों के लोगों के बीच गलतफहमी सांप्रदायिकता का मूल कारण है।

ऐतिहासिक साक्ष्य बताते हैं कि भारत और अरब के बीच संबंध अरब विजेताओं के सिंध में आगमन से पहले के हैं। इस्लाम के आगमन से पहले ही हिंद महासागर के व्यापार ने अरबों व भारतीयों को एक साथ ला दिया था। मूल मुद्दा यह है कि भारतीय शोधकर्ताओं द्वारा भारतीय धर्मों की प्रकृति और सार को समझने का शायद ही कोई गंभीर प्रयास किया गया हो। वास्तव में, यूरोपीय विद्वानों ने इस्लामी और हिंदू धार्मिक ग्रंथों पर काफी ध्यान दिया है और अच्छी तरह से शोध और प्रामाणिक साहित्य निकाला है। वैश्विक सद्भाव और शांति की स्थापना के लिए प्रमुख धर्मों के बीच समझ और सभ्य संवाद की आवश्यकता है। धर्मशास्त्र के प्रमुख विद्वान डॉ. हान कुंग ने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि ''धर्मों के बीच शांति के बिना राष्ट्रों में शांति नहीं। धर्मों के बीच संवाद के बिना धर्मों में शांति नहीं। धर्मों की बुनियादी जांच के बिना धर्मों के बीच कोई संवाद नहीं। '' धर्मों के बारे में एक सभ्य और तर्कसंगत दृष्टिकोण यह सुझाव देगा कि उन सभी का एक ही भाजक है। उस भाजक के महत्व को समझना जरूरी है। हालांकि स्वामी विवेकानंद का उल्लेख किया जाना आम बात है, मगर धर्म के बारे में उनका मुख्य सबक क्या था, उसे महसूस करना अच्छा होगा। हिजाब को लेकर हंगामा करने के बजाय, दोनों धर्मों के सदस्य सनातन कवि गालिब के एक श्लोक को बेहतर ढंग से दोहरा सकते हैं - यदि पुरुष अपनी आंखों को ढंकने वाले स्वार्थी घूंघट से बाहर आएंगे, तो वे हर धर्म में शानदार रहस्योद्घाटन देखेंगे।

- पाठक प्रबंधन प्रोफेसर ,लेखक और सार्वजनिक वक्ता हैं।

युक्त आचरण

अजित कुमार बिश्नोई कहते हैं कि युत एक महान आत्मा को संदर्भित करता है जिसने भगवान के साथ जुड़ाव हासिल किया है, योंकि वह एक होने के तरीके बताता है...

भगवान कृष्ण ने 'युक्त ' शब्द का प्रयोग भगवद गीता में कई बार किया है, अकेले एक श्लोक में तीन बार (6.17)। क्यों? क्योंकि यह आध्यात्मिक संदर्भ में एक बहुत ही महत्वपूर्ण शब्द है। संस्कृत शब्दकोश इसे एक महान आत्मा के रूप में परिभाषित करता है जिसने भगवान के साथ एक जुड़ाव हासिल किया है। यह शब्द संस्कृत के 'युज' शब्द से आया है, जिसका अर्थ जुड़ा होना है, इसके अलावा और भी कई अर्थ हैं।

और जब हम युक्त आचरण के बारे में बात करते हैं, तो इसका गहरा महत्व है। व्यक्ति को आवश्यक भौतिक ज्ञान होना चाहिए। उदाहरण के लिए, जब भगवान युक्त आहार का उल्लेख करते हैं, तो वे स्वस्थ और पौष्टिक भोजन खाने पर जोर दे रहे हैं, जो संबंधित व्यक्ति के लिए सही है। यह एक पहलू है। युक्त आचरण का एक अन्य पहलू इसके पीछे का उद्देश्य है। उदाहरण के लिए, कोमल आयु के बच्चे विपरीत लिंग की संगति को क्यों पसंद करते हैं? यह उस व्यक्ति की समानता के बजाय वासना से संबंधित होने की बहुत संभावना है। और तीसरा पैमाना यह है कि हम जीवन में आगे बढ़ रहे हैं या पीछे जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, जब कोई व्यवसायी अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए अनुचित साधनों का उपयोग करता है, तो वह नियमों से खेलने वाले व्यवसायी की तुलना में पिछड़ रहा है, हालांकि ऐसा करना बहुत कठिन है। वह बेहतर होगा।

युक्त आचरण इतना महत्वपूर्ण क्यों है? भगवान कृष्ण एक अत्यंत महत्वपूर्ण कारण बताते हैं, जो कि जीवन में दुखों को कम करना है। (6.17) यह भौतिक संसार दुखों का अनित्य है। (8.14) तीन तरह की मुसीबतें हमसे ज्यादा दूर नहीं हैं। ये हैं : पिछले जन्मों सहित, अभी और अतीत में युक्त आचरण न करके हम खुद को जो देते हैं। फिर, दूसरे हमें कष्ट देते हैं, ज्यादातर माध्यम के रूप में जो कि पुनः युक्त आचरण न करने के कारण स्वाभाविक तौर पर हमें झेलने पड़ते हैं। दुख का तीसरा स्रोत प्राकृतिक तत्वों से है , जैसे कि अत्यधिक गर्मी, सर्दी, बारिश आदि, क्योंकि हम अपने पिछले युक्त आचरण नहीं होने के कारण उच्च ग्रहों के लिए योग्य नहीं हैं। और इतना तो कह दें कि दुख दर्दनाक हैं। उन्हें सहना पड़ता है, जो आसान नहीं है। यह पहली आवश्यकता है, अर्थात सहन करने की आवश्यकता की वास्तविकता को स्वीकार करना। यदि ऐसा नहीं होता, तो प्रभु हमें सहनशील होने के लिए नहीं कहते। (6.17) हमारी पूरी कोशिश करने के बावजूद यह अपरिहार्य है, क्योंकि जो लोग युक्त आचरण करते हैं वे बेहतर सहन करते हैं लेकिन वे किसी भी तरह से दुख से मुक्त नहीं होते हैं। सहन करने की शक्ति प्राप्त करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करके सहायता लेनी चाहिए।

जहां तक युक्त आचरण का सवाल है, शुरुआत बुनियादी बातों से करनी होगी। इसके दो भाग हैं। एक है उचित रूप से प्रयास करना और दूसरा है उपयुक्त गतिविधियां। दोनों महत्वपूर्ण हैं। हमारी गतिविधियां 'धर्म' के अनुसार होनी चाहिए। यदि नहीं, तो वे हमारे लिए परमेश्वर की योजनाओं के अनुरूप नहीं होंगी। हम 'मर्यादा' को पार करेंगे। हमारी गतिविधियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम खुद को पर्याप्त ढंग से बनाए रख सकें। अगर हम दूसरों की सेवा भी कर सकते हैं, तो यह बहुत अच्छा है। और उन्हें हमारे व्यक्तिगत स्वभाव के अनुरूप होना चाहिए, जो कि लंबे समय तक कायम रह सकते हैं।

अब बात करते हैं कि हमें कितना परिश्रम करना चाहिए? जाहिर है, अत्यधिक काम नहीं होना चाहिए, क्योंकि इसे कायम नहीं रखा जा सकता है। इसी प्रकार कोई विलंब नहीं होना चाहिए। कभी-कभी कई काम करना ठीक है। ये प्रयास काफी हद तक हमारी क्षमताओं से निर्धारित होंगे। जोकि हमारी शारीरिक, मानसिक क्षमताएं हैं और किस हद तक हम सहन कर सकते हैं। मानव जीवन बहुत कीमती है जो हर चीज के बारे में समझदार न होने के कारण व्यर्थ जा सकता है। क्या हमें सुसंस्कृत व्यक्तियों की तरह व्यवहार नहीं करना चाहिए? हां, हमें हर समय वही करना चाहिए जो युक्त है।

- बिश्नोई आध्यात्मिक लेखक हैं।

शिष्य कौन है?

स्वामी देवा रशीद का कहना है कि शिष्य गुरु से सीखने का उपक्रम करता है कि कैसे अपने स्वयं के वास्तविक स्वरूप की खोज की जाए

हम अपने आंतरिक स्वभाव के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं। एक कुचलने वाला झटका, मौत की कूची, ऊब, अकेलापन, निराशा, अत्यधिक खुशी और इसके विपरीत, जो हमें अन्वेषण के मार्ग पर टिकने के लिए प्रेरित कर सकता है – यह पता लगाने के लिए कि हम वास्तव में कौन हैं। अनुयायी और अनुशासन लैटिन शब्द से सीखने के संदर्भ में आए हैं। जैसे ही हमें संदेह होता है कि सीखने की जरूरत है, गुरु संकेत करता है।

आप मुझसे पूछते हैं कि शिष्य कौन है। जहां तक मैं देख सकता हूँ, चंद झोकों और अनेक आशीर्वादों के लाभ के साथ, एक शिष्य वह है, जो असीम स्वतंत्रता, प्रेम, सत्य, शांति, ईश्वर या जो कुछ भी है, उसकी गंध को –स्थूल और सूक्ष्म के जरिए, बेहतर या बदतर के लिए – धारण करने वाले के साथ खड़ा रहेगा।

इसका मतलब यह नहीं है कि वे अनुयायी बन जाते हैं। एक सच्चा शिष्य एक अद्वितीय व्यक्ति बना रहता है जो दिव्य सुगंध में सांस लेता है, और जो परिश्रम, दृढ़ता और विश्वास के जरिए गुरु की सुगंध बन जाता है।

मान लीजिए कि आप एक शिष्य हैं। आप एक विशाल रेगिस्तान या अनंत शहर में खो गए थे। मास्टर एक एकल साइनपोस्ट है, आप दिशा की भावना समझते हैं। आपको पैदल चलना है। रात के समय आप पूरी तरह से थक जाते हो, अब गुरु एक छात्रावास है, एक मेजबान है। अगली सुबह वह एक अलार्म कॉल है। जैसे आप अपनी यात्रा जारी रखते हैं, प्यास और भूख आप पर छा जाती है और यात्रा धीमी पड़ने लगती है : गुरु एक जल-विक्रेता और फलों से भरपूर एक बाग के रूप में बदल जाता है। दिन ढलते जाते हैं और जैसे ही आप मृगतृष्णा या शॉपिंग मॉल की ओर रुख करते हैं और इसके भटकावों के साथ जुड़ते हैं : गुरु एक गर्जना करने वाला सुरक्षा गार्ड है जो आपको वहां से गुजरने नहीं देगा। सदियों या सेकंड के बाद आप एक हरी भरी घाटी में उसकी तेजधार नदी के बीच अपनी यात्रा के अंत की झलक देखते हैं, गुरु आपका मार्गदर्शक और एक पुल है। अंत में आप अपने भीतर अजन्मे की कोमल हलचल महसूस करते हैं : आप अत्यावश्यक जीवन के साथ गर्भवती हैं: गुरू आपकी दाई है।

यह संक्षिप्त रूपक एक संकेत है, कि सच्चाई अधिक जटिल और रोमांचक है। हमें 'समर्पण' के बारे में समझने की जरूरत है, एक शब्द जो गुरु-शिष्य संबंध में बहुत अधिक उपयोग किया जाता है। इसके दो अर्थ हैं – एक है घोर त्याग, एक श्रेष्ठ पराक्रम के आगे झुकना, उत्तरदायित्व का त्याग। प्रामाणिक शिष्य के समर्पण में इनमें से कुछ भी नहीं होगा।

ओशो ने कहा, ''जहां तक मेरा सवाल है, मैं किसी पुराने किस्म के गुरुओं का हिस्सा नहीं हूं। मैं इस अर्थ में एक नई शुरुआत हूं कि पुराने गुरु ने समर्पण की मांग की थी। मैं तुमसे कुछ नहीं मांगता, क्योंकि मेरे लिए समर्पण एक सूक्ष्म आध्यात्मिक दासता है। ..., मैं चाहता हूं कि मेरे लोग स्वतंत्रता में जीने वाले व्यक्ति हों। एक अन्य अवसर पर उन्होंने कहा, गुरु पढ़ाते नहीं हैं और फिर भी आप उनसे सीखते हैं। जब आप गुरु के प्रति समर्पण करते हैं, तो आप गुरु के प्रति समर्पण नहीं करते हैं।

मेरी समझ यह है कि शिष्य जो प्रकट रूप से समर्पित करता है वह वास्तविक नहीं है, वह कलाकृति है जिसे उनके अहंकार के रूप में जाना जाता है। वे एक बोझ से मुक्त हो जाते हैं और गुरु इसके साथ नहीं लुढ़कता है। यही गुरु और शिष्य की जीत है।''

शिष्य गुरु से सीखने का उपक्रम करता है कि कैसे अपने वास्तविक स्वरूप की खोज की जाए। वह किसी भी विश्वास या नुस्खे को नहीं अपनाता है, उसके शब्दों से अधिक गुरु की चुप्पी को सुनता है, अपने दिल की सुनता है अपने मन की नहीं और जब हवा सही दिशा में चल रही होती है, तो उसका अहंकार दूर हो जाता है। वह खुद को स्वतंत्र और निर्दोष पाता है, सभी लोगों और सभी चीजों से जुड़ा होता है जैसे कि वह एक बच्चा था।

हम सभी के भीतर बुद्ध हैं – यह वास्तव में हमारा आंतरिक स्वभाव है। उत्साही मन से हम बच्चों, एक कुत्ते, पेड़ों के जंगल से सीख सकते हैं। एक प्रामाणिक गुरु वो फास्ट ट्रैक है जिसकी हममें से अधिकांश को आवश्यकता है। ओशो, गुरुओं के गुरु, आज भी उतने ही वर्तमान और शक्तिशाली हैं, जितने वे अवतार लेने के समय थे।

देवा रशीद माली, मधुमक्खी पालक, लेखक, कवि और चित्रकार हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 24 फरवरी, 2022

श्रीलंका को कड़ा सबक देने उतरेगा भारत

चोट लगने की वजह से सूर्यकुमार यादव सीरीज से बाहर, जडेजा करेंगे वापसी

●श्रीलंका के साथ पहला टी-20 मैच आज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आस्ट्रेलिया में इस साल के आखिर में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने के दावेदारों की संख्या बढ़ने के कारण भारत गुरुवार से यहां श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला में विभिन्न विकल्पों को आजमाने से परहेज नहीं करेगा। वहीं बेहतरीन फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव हाथ में चोट लगने के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं।

श्रृंखला गुरुवार से शुरू होगी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान जारी करके बताया कि सूर्यकुमार और तेज गेंदबाज दीपक चाहर इसमें नहीं खेल पाएंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद अब भारतीय टीम श्रीलंका को भी कड़ा सबक सिखाने की कोशिश करेगी और रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम को ऐसा करने का दावेदार भी माना जा रहा है। लेकिन क्लीन स्वीप करने की इच्छा के बावजूद टीम प्रबंधन आस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप से पहले अधिक से अधिक खिलाड़ियों को जितना संभव हो सके, मौके देने की कोशिश करेगा।

विराट कोहली, ऋषभ पंत और केएल राहुल जैसे स्थापित खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में आगामी तीन मैचों में निश्चित तौर पर इशान किशन, रुतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों को अधिक मौके मिलेंगे। कोहली की अनुपस्थिति में श्रेयस अय्यर को अधिक ओवर खेलने और बड़ा स्कोर बनाकर मध्यक्रम में अपनी जगह पक्की करने का अवसर मिलेगा। कोहली की वापसी के बाद उनका नंबर तीन पर खेलना तय है। वेस्टइंडीज के खिलाफ वेंकटेश अय्यर ने फिनिशर की भूमिका अच्छी तरह से निभाई थी। यदि वह अपनी गेंदबाजी में थोड़ा सुधार कर लें तो भारत के पास विश्व कप के लिए एक अदद आलराउंडर होगा। सूर्यकुमार यादव और दीपक चाहर के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से वेंकटेश की जिम्मेदारी बढ़ गई है।

संजू सैमसन को भी टीम में लिया गया है और यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम प्रबंधन उन्हें अंतिम एकादश में कहां फिट करता है। स्पिनर रवि बिश्नोई ने वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रभाव छोड़ा था। तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह की वापसी से भारतीय आक्रमण मजबूत हुआ है। भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर वह मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे।

जहां तक श्रीलंका का सवाल है तो उसे हाल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। उसके बल्लेबाज किसी भी मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। **टीमें** : रोहित शर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन, इशान किशन (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, दीपक हुड्डा, रविंद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, जसप्रीत बुमराह , आवेश खान। **श्रीलंका**: दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसाल मेंडिस, चरित असलंका (उप-कप्तान), दिनेश चांदीमल, दनुष्का गुणथिलका, कामिल मिशारा, जनीथ लियानागे, चमिका करुणारत्ने, दुशमंथा चमीरा, लाहिरू कुमारा, बिनुरा फर्नांडो, शिरन फर्नांडो, महेश तीक्षाना, जेफरी वांडरसे, प्रवीण जयविक्रमा, आशियान डेनियल।

सूर्यकुमार यादव (फाइल फोटो)

मुझे भविष्य के कप्तान तैयार करने में खुशी होगी : रोहित शर्मा

लखनऊ। क्रिकेट के तीनों प्रारूप के लिए भारतीय कप्तान नियुक्त किए गए रोहित शर्मा ने भविष्य के कप्तान तैयार करने की जिम्मेदारी के बारे में बुधवार को कहा कि उन्हें भी किसी ने तैयार किया है और उन्हें भी अपना उत्तराधिकारी तैयार करने की नैसर्गिक प्रक्रिया का अनुसरण करने में खुशी होगी। इस 34 वर्षीय बल्लेबाज को हाल में टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया तथा उन्होंने सभी प्रारूपों में अपनी उपलब्धता को लेकर व्यक्त किए जा रहे संदेह को दरकिनार करते हुए कहा कि वह सभी मैचों में खेलेंगे। उन्हें उम्मीद है कि भविष्य के तीन संभावित कप्तान – केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत नेतृत्वकर्ता के रूप में अच्छी तरह से तैयार होंगे और उन्होंने इसमें अपनी भूमिका के बारे में बात की।

रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला की पूर्व संध्या पर कहा, मेरी भूमिका उन्हें सब कुछ बताने की नहीं होगी। वे सभी परिपक्व क्रिकेटर हैं, लेकिन किसी का उनकी मदद करने और मुश्किल परिस्थितियों में उनका मार्गदर्शन करने के लिए इर्द गिर्द होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मुझे यह भूमिका निभाने में खुशी होगी और इसी तरह हम भी आगे बढ़े हैं और कप्तान बने हैं। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन वह महेंद्र सिंह धोनी थे जिनके कप्तान रहते हुए विराट कोहली और रोहित को भविष्य के कप्तान के रूप में तैयार किया गया। रोहित ने कहा कि हमें भी किसी ने तैयार किया । यह नैसर्गिक प्रक्रिया है और हर किसी को इससे गुजरना होता है और यहां भी कोई अपवाद नहीं है। यदि हम बुमराह, राहुल, पंत की बात करें तो इन खिलाड़ियों को भारत की सफलता में अहम भूमिका निभानी है और इसके साथ ही उन्हें भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में भी देखा जाएगा। श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला में रोहित के साथ बुमराह उप कप्तान होंगे। पंत को आराम दिया गया है और राहुल चोटिल हैं।

एक तेज गेंदबाज के उप कप्तान होने पर रोहित ने कहा कि यह वास्तव में बहुत ज्यादा मायने नहीं रखता कि वह बल्लेबाज है या गेंदबाज। एक खिलाड़ी का क्रिकेट ज्ञान मायने रखता है और मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह का दिमाग बहुत तेज चलता है। उन्होंने कहा कि मैंने इसे करीब से देखा है। यह नेतृत्व की भूमिका में उतरने के लिए उसके पास अच्छा मौका है और मुझे विश्वास है कि वह अपने खेल को अगले स्तर तक ले जाएगा। रोहित इसके साथ ही कहा कि उन्हें जैव सुरक्षित वातावरण में सभी मैचों में खेलने में कोई दिक्कत नहीं है।

दो महीने बाद देश के लिए खेलना अच्छा अहसास है : जडेजा

लखनऊ। चोट से उबरने के बाद दो महीने बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे आलराउंडर रविंद्र जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पूर्व अभ्यास सत्र के बाद कहा कि फिर से देश के लिए खेलना शानदार अहसास है। जडेजा घुटने की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली दो श्रृंखलाओं में नहीं खेल पाए थे। वह नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गए थे। जडेजा ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, भारतीय टीम में वापसी करके अच्छा लग रहा है। टी-20 और टेस्ट श्रृंखला में खेलने को लेकर वास्तव में उत्सुक हूं। उन्होंने कहा कि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं कि आखिरकार दो महीने बाद में भारत के लिए खेलने जा रहा हूं। इस 33 वर्षीय आलराउंडर ने कहा कि वह उन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत की। जडेजा ने कहा कि मैं एनसीए में अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत कर रहा था। मैं इस श्रृंखला के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैं दो महीने से अधिक समय बाद खेल रहा हूं। मैंने बेंगलुरू में गेंदबाजी और बल्लेबाजी का अभ्यास किया, इसलिए मैं तैयार हूं। आज मैं अपने पहले अभ्यास सत्र के बाद बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।

सूर्यकुमार और वेंकटेश अय्यर ने रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई

आईसीसी टी-20

भाषा। दुबई

सूर्यकुमार यादव और वेंकटेश अय्यर की भारतीय मध्यक्रम जोड़ी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को जारी ताजा आईसीसी पुरूष टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग की बल्लेबाजी सूची में लंबी छलांग लगाकर क्रमश: 21वां और 115वां स्थान हासिल किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया जिसमें भारत ने 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सूर्यकुमार श्रृंखला में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे जबकि वेंकटेश अय्यर दूसरे स्थान पर रहे। इस प्रदर्शन की बदौलत सूर्यकुमार 35 पायदान की छलांग लगाने में सफल रहे जिससे वह 21वें स्थान पर पहुंच गए जबकि अय्यर ने 203 पायदान की लंबी छलांग लगाई और 115वें स्थान पर पहुंच गए।

केएल राहुल दो पायदान खिसककर छठे स्थान पर पहुंच गए जबकि सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली बल्लेबाजों की सूची में अपने 10वें स्थान पर बरकरार हैं। कोई भी भारतीय खिलाड़ी गेंदबाजों और आलराउंडर सूची के शीर्ष 10 में शामिल नहीं है। वेस्टइंडीज के लिए बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने वाले एकमात्र खिलाड़ी निकोलस पूरन पांच पायदान के फायदे से 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। हाल में आस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच समाप्त हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला का भी असर रैंकिंग पर पड़ा है।

आस्ट्रेलिया के एशटन एगर गेंदबाजों की शीर्ष 10 रैंकिंग में पहुंचने में सफल रहे और वह अभी नौंवे स्थान पर हैं। श्रीलंका के महीश तीक्ष्णा के टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अच्छे प्रदर्शन का असर उनकी रैंकिंग पर भी दिखा जिन्होंने 592 की करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और 12 पायदान की छलांग से 17वें नंबर पर पहुंच गए।

टेस्ट रैंकिंग में भारत के नए कप्तान रोहित शर्मा ने अपना छठा स्थान कायम रखा है जबकि कोहली उनसे एक स्थान पीछे सातवें नंबर पर हैं। सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की सूची में शामिल दो भारतीय हैं जो क्रमश: दूसरे और 10वें स्थान पर हैं।

अश्विन आलराउंडर सूची में अपने दूसरे स्थान पर बरकरार हैं और रविंद्र जडेजा तीसरे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट के बाद काइल जैमीसन और टिम साउदी एक एक पायदान के लाभ से क्रमश: तीसरे और पांचवें स्थान पर पहुंच गए।

श्रीलंकाई लेग स्पिनर हसरंगा कोविड-19 संक्रमण के कारण भारत श्रृंखला से बाहर

भाषा। मेलबर्न

कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद भारत के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर हुए श्रीलंका के स्टार लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा वायरस की जांच में फिर पॉजिटिव आए हैं जिससे यहां उनका पृथकवास बढ़ा दिया गया है। श्रीलंका और भारत के बीच तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला गुरूवार से शुरू हो रही है।

श्रीलंका क्रिकेट की विज्ञप्ति के अनुसार वानिंदु हसरंगा कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद पृथकवास पर हैं और कल (22 फरवरी) को फिर उनका रैपिड एंटीजन परीक्षण पॉजिटिव आया है। आरटीपीसीआर जांच में भी इसकी पुष्टि हुई है। हसरंगा 15 फरवरी को रैपिड एंटीजन परीक्षण में पॉजिटिव आए थे जब श्रीलंकाई टीम आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेल रही थी।

इस खिलाड़ी को कैनबरा से मेलबर्न लाया गया और वह पीसीआर जांच रिपोर्ट के नेगेटिव आने तक पृथकवास में बने रहेंगे।

इस लेग स्पिनर को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने पिछले हफ्ते बेंगलुरू में आईपीएल 2022 मेगा नीलामी में 10.75 करोड़ रूपए में खरीदा था।

बांग्लादेश ने पहले वनडे में अफगानिस्तान को हराया

एपी। चटगांव

अफीफ हुसैन और मेहदी हसन ने मिलकर सातवें विकेट के लिए नाबाद 174 रन की साझेदारी निभाई जिससे बांग्लादेश की टीम बुधवार को यहां पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में छह विकेट पर 45 रन के स्कोर से उबरकर अफगानिस्तान पर चार विकेट से जीत हासिल करने में कामयाब रही। दोनों खिलाड़ियों ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया।

अफीफ ने नाबाद 93 और मेहदी ने नाबाद 81 रन बनाए जिससे बांग्लादेश ने सात गेंद रहते जीत हासिल कर ली। इससे पहले उसने अफगानिस्तान को 49.1 ओवर में 215 रन के स्कोर पर समेट दिया था। अफगानिस्तान के राशिद खान, मुजीबुर रहमान और मोहम्मद नबी की स्पिन तिकड़ी केवल दो विकेट ही चटका सकी। राशिद खान (30 रन देकर एक विकेट) ने फिर महमूदुल्लाह का विकेट झटका जो बांग्लादेश का छठा विकेट था जिससे अफगानिस्तान लगातार सातवीं वनडे जीत की ओर बढ़ रहा था, लेकिन अफीफ और मेहदी ने मुश्किल समय में बेहतरीन प्रदर्शन किया। अफीफ ने 64 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर अपने करियर में पहली बार 50 रन से ज्यादा का स्कोर बनाया। मेहदी ने 79 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। अफीफ ने गुलबदिन नायब पर मिड विकेट पर बाउंड्री लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। इससे पहले अफगानिस्तान ने नजीबुल्लाह जदरान के 84 गेंद में 67 रन की मदद से सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। यह नजीबुल्लाह का 13वां वनडे अर्धशतक था। बांग्लादेश के लिए मुस्तफिजुर रहमान ने 35 रन देकर तीन विकेट झटके जबकि शाकिब अल हसन, तास्किन अहमद और शोरीफुल इस्लाम ने दो दो विकेट चटकाए।

प्रगाननंदा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने से चूके

भाषा। चेन्नई

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगाननंदा ने एयरथिंग्स मास्टर्स ऑनलाइन रैपिड शतरंज टूर्नामेंट के प्रारंभिक चरण के 15वें और अंतिम दौर में रूस के व्लादीस्लाव अर्तमीव को हराया लेकिन वह क्वार्टर फाइनल में जगह नहीं बना पाए।

इस 16 वर्षीय खिलाड़ी ने प्रारंभिक चरण के आखिरी दिन जर्मनी के विन्सेंट केमर से बाजी ड्रा खेली जबकि अगली बाजी में वह अमेरिका के हंस मोको नीमैन से हार गए। प्रगाननंदा ने आठवें दौर में विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन को हराकर सनसनी फैला दी थी।

वह आखिर में 19 अंकों के साथ 11वें स्थान पर रहे। शीर्ष आठ स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों ने नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। केमर पर 32 चाल तक चली बाजी में जीत दर्ज करके इस भारतीय ग्रैंडमास्टर ने हालांकि अपने अभियान का सकारात्मक अंत किया।

दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच बने अजित अगरकर

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अजीत अगरकर को बुधवार को आधिकारिक रूप से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स का सहायक कोच नियुक्त किया गया। मंगलवार को पीटीआई ने यह खबर दी थी। गुरूवार से श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रही भारत की घरेलू श्रृंखला में कमेंटरी की अपनी प्रतिबद्धताएं पूरा करने के बाद वह टीम से जुड़ जाएंगे।

अगरकर ने टीम बयान में कहा कि मैं इस सत्र के लिए दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा होकर बहुत रोमांचित हूं। उन्होंने कहा कि मैं काफी भाग्यशाली हूं कि खिलाड़ी के बाद अब मैं अलग भूमिका में लौट रहा हूं। यह निश्चित रूप से काफी रोमांचकारी है। हमारे पास युवा और शानदार टीम है जिसकी अगुआई दुनिया के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक ऋषभ पंत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य कोच रिकी पोंटिंग खेल के महान खिलाड़ी हैं। उनके साथ काम करने को लेकर उत्सुक हूं।

अगरकर (44 वर्ष) ने भारत के लिए 288 वनडे और 58 टेस्ट विकेट चटकाए हैं। वह दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग स्टाफ से जुड़ेंगे जिसमें पोटिंग, प्रवीण आमरे (सहायक कोच) और जेम्स होप्स (गेंदबाजी कोच) शामिल हैं। उन्होंने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स और दिल्ली डेयरडेविल्स का प्रतिनिधित्व किया है।

फिर से रहाणे और पुजारा पर होंगी निगाहें

रणजी ट्राफी

●ग्रुप चरण के दूसरे दौर के मुकाबले आज से

भाषा। अहमदाबाद

भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किए गए अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा के प्रदर्शन पर कल से शुरू होने वाले रणजी ट्राफी के ग्रुप चरण के दूसरे दौर के मैचों के दौरान फिर से सभी की निगाहें टिकी रहेंगी।

मुंबई की टीम एलीट ग्रुप डी में गोवा का सामना करेगी जिसमें रहाणे बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे। रहाणे ने सौराष्ट्र के खिलाफ पहले मैच में 129 रन बनाए थे लेकिन इसके बावजूद उन्हें श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम में नहीं चुना गया। यह मैच ड्रा छूटा था जिसमें पुजारा पहली पारी में खाता खोलने में नाकाम रहे थे लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने 91 रन की बड़ी पारी खेली थी। पुजारा फिर से राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने के लिए ओड़िशा के खिलाफ होने वाले मैच में बड़ी पारी खेलने का प्रयास करेंगे। मुंबई और गोवा के मैच में युवा बल्लेबाज सरफराज खान पर भी निगाहें टिकी रहेंगी जिन्होंने पिछले मैच में 275 रन की बड़ी पारी खेली थी। मुंबई इस मैच में पूरे अंक हासिल करने की भी कोशिश करेगा।

उधर गुवाहाटी में दिल्ली और झारखंड के बीच ग्रुप एच के मैच में भारतीय टीम से बाहर किए गए एक अन्य खिलाड़ी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा के अलावा युवा सलामी बल्लेबाज यश धुल पर सभी का ध्यान रहेगा। इशांत पहले रणजी ट्राफी में नहीं खेलना चाहते थे लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में नहीं चुने जाने के बाद उन्होंने अपना मन बदल दिया था। भारत की अंडर-19 टीम के कप्तान धुल ने तमिलनाडु के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में ही दोनों पारियों में शतक जड़ने का कारनामा किया था और वह अपनी इस शानदार फॉर्म को बरकरार रखकर दिल्ली को पूरे अंक दिलवाने में अहम योगदान देना चाहेंगे। ग्रुप एच का अन्य मैच तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ के बीच खेला जाएगा। तमिलनाडु के शाहरूख खान ने पिछले मैच में 194 रन की धमाकेदार पारी खेली थी और इस मैच में भी वह आकर्षण का केंद्र होंगे। छत्तीसगढ़ ने पिछले मैच में झारखंड को आठ विकेट से हराया था और वह अभी ग्रुप में शीर्ष पर है।

ग्रुप एफ के मुकाबलों में पंजाब और हरियाणा आमने सामने होंगे जबकि हिमाचल प्रदेश का मुकाबला त्रिपुरा से होगा। ग्रुप ए में केरल और मध्यप्रदेश अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेंगे। ग्रुप बी में बंगाल और हैदराबाद भी जीत का सिलसिला बरकरार रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। प्लेट ग्रुप में सभी निगाहें की बिहार के युवा बल्लेबाज सकीबुल गनी पर टिकी रहेंगी जिन्होंने मिजोरम के खिलाफ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने पदार्पण मैच में तिहरा शतक (341 रन) बनाकर नया इतिहास रचा था।

चेल्सी ने लिली पर दर्ज की जीत

चैंपियन्स लीग फुटबॉल

एपी। लंदन

गोल करने के बाद जश्न मनाते क्रिस्टियन पुलिसिच

चेल्सी ने रोमेलु लुकाकु को विश्राम दिए जाने के बावजूद क्रिस्टियन पुलिसिच और काइ हावर्ट्ज के गोल के दम पर चैंपियन्स लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतिम 16 दौर के पहले चरण के मैच में लिली पर 2-0 गोल से जीत दर्ज की।

मौजूदा चैंपियन चेल्सी ने लुकाकु को खराब फॉर्म के कारण इस मैच में नहीं उतारा लेकिन हावर्ट्ज ने आठवें मिनट में ही गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी।

मध्यांतर तक चेल्सी ने यह बढ़त बरकरार रखी। पुलिसिच ने 63वें मिनट में एन गोलो कांटे के शानदार प्रयास से दूसरा गोल दागा। इस बीच युवेंटस और विल्लारीयाल के बीच पहले चरण का एक अन्य मैच 1-1 से ड्रा रहा।

डुसान वलाहोविच ने खेल शुरू होने के 31वें सेकेंड में गोल करके युवेंटस को बढ़त दिला दी थी लेकिन विल्लारीयाल दानी पारेजो के 66वें मिनट में किए गए गोल से मैच ड्रा कराने में सफल रहा।

जोस मोरिन्हो पर लगा दो मैच का प्रतिबंध

मिलान। रोमा के कोच जोस मोरिन्हो पर इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए के एक मैच के दौरान आक्रामक रवैया अपनाने के कारण दो मैच का प्रतिबंध लगाया गया है। रोमा ने शनिवार को वेरोना के खिलाफ यह मैच 2-2 से ड्रा खेला था जिसमें मोरिन्हो मैदान के अंदर चले गए थे। उन्होंने रेफरी से बहस की और गेंद पर किक मारकर उसे दर्शकों के पास फेंक दिया था।

न्यूजीलैंड को क्लीन स्वीप करने से रोकने के लिए उतरेगी भारतीय टीम

भाषा। क्वीन्सटाउन

विश्व कप से पहले लय हासिल करने के लिए बेताब भारत को यदि न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले पांचवें और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके क्लीन स्वीप से बचना है तो उसे सभी विभागों विशेषकर गेंदबाजी में काफी सुधार करना होगा।

भारत ने न्यूजीलैंड दौरे में अभी तक सभी मैच गंवाए हैं जिनमें एकमात्र टी-20 भी शामिल है। मिताली राज की अगुवाई वाली टीम के लिए विश्व कप से पहले यह हार आहत करने वाली हैं। यह पिछले एक वर्ष में भारत की श्रृंखला में चौथी हार है। इससे पहले उसने दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया में मैच गंवाए थे। बल्लेबाजों ने दूसरे और तीसरे वनडे में अच्छा प्रदर्शन करके भारत की उम्मीद जगाई थी लेकिन गेंदबाजों ने पूरी श्रृंखला के दौरान निराश किया।

ज्वेरेव को मैक्सिको ओपन टेनिस से बाहर किया गया

मुकाबला गंवाने के बाद अंपायर की चेयर पर रैकेट मारने पर एटीपी ने की कार्रवाई

एपी। (अकापुल्को) **मैक्सिको**

दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी एलेक्सांद्र ज्वेरेव को युगल मुकाबला गंवाने के बाद अंपायर की चेयर (कुर्सी) पर नाराजगी में रैकेट मारने के कारण मैक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया। अकापुल्को में मंगलवार रात लॉयड ग्लासपूल और हैरी हेलियोवारा ने ज्वेरेव और मार्सेलो मेलो को 6-2, 4-6, 10-6 से हराया जिसके बाद यह घटना हुई।

ज्वेरेव ने तीन बार अंपायर की चेयर पर प्रहार किया, कुछ देर के लिए बैठे, फिर उठे और अंपायर पर चिल्लाए कि तुमने पूरा मैच खराब कर दिया। अंपायर इसके बाद जब चेयर से उतरने लगे तो ज्वेरेव ने एक बार फिर प्रहार किया। चोट लगने के डर से अंपायर को इस दौरान एक बार पीछे भी हटना पड़ा। इससे कुछ मिनट पहले इन माने गए एक शॉट के विरोध में चिल्लाने और अपशब्दों के इस्तेमाल के लिए ज्वेरेव पर आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप लगे थे। इस अंक को गंवाने से विरोधी टीम को मैच प्वाइंट मिला और ग्लासपूल ने ऐस के साथ अपनी जोड़ी को जीत दिला दी। जर्मनी का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी एकल में गत चैंपियन है। एटीपी वेबसाइट के अनुसार एकल में ज्वेरेव के दूसरे दौर के प्रतिद्वंद्वी पीटर गोजोविक को वाकओवर दिया गया है। दर्शकों की हूटिंग के बाद ज्वेरेव ने अपना टूटा हुआ रैकेट पहली पंक्ति में बैठे एक बच्चे को दे दिया।

इससे पहले डेनियल मेदवेदेव ने बेनोइट पायर को 6-3, 6-4 से हराकर दूसरे दौर प्रवेश करने के साथ नंबर एक रैंकिंग हासिल करने की अपनी कवायद जारी रखी। मैक्सिको में मेदवेदेव के लिए बड़ी चुनौती नडाल होंगे जिन्होंने डेनिस कुडला पर 6-3, 6-2 की जीत से अपने अभियान की शुरूआत की। अकापुल्को (2005, 2013 और 2020) में तीन खिताब जीतने वाले नडाल का अगला मुकाबला स्टीफन कोजलोव से होगा।

अन्य मैचों में स्टेफनोस सिटसिपास ने लास्लो जेरे को 7-6(7), 7-6(4) से पराजित किया। टॉमी पॉल ने पांचवीं वरीयता प्राप्त मैटियो बेरेटिनी के दूसरे सेट में पेट दर्द के कारण हट जाने के बाद दूसरे दौर में जगह बनाई जबकि योशिहितो निशियोका ने फेलिसियानो लोपेज को 2-6, 6-0, 6-4 से हराया।

कैमरून नोरी ने डेनियल अल्तमेयर को 7-6 (5), 6-2 से पराजित किया और अब उनका सामना जॉन इस्नर से होगा। जॉन मिलमैन के दूसरे सेट में हटने के कारण मार्कोस गिरोन भी आगे बढ़ने में सफल रहे।